खण्ड-07 सत्र-04 अंक-43

बुधवार 29 मार्च, 2023 08 चैत्र, 1945 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

चौथा सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-04 में अंक 36 से अंक 43 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-4 बुधवार, 29 मार्च, 2023/08 चैत्र, 1945 (शक) अंक-43

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	3-50
3.	सदन में अव्यवस्था	51-61
4.	अल्पकालिक चर्चा (नियम-55)	62-101
5.	विश्वास मत पर चर्चा एवं मतदान	102-146
6.	माननीय अध्यक्ष द्वारा सदन को महत्वपूर्ण जानकारी	147-152

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-4	बुधवार, 29 मार्च, 2023/08 चैत्र, 1945 (शक)	अंक-43

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अजेश यादव
2. श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
3. श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.
4. श्री अजय दत्त
5. श्री अमानतुल्ला खान
6. श्री अब्दुल रहमान
7. श्रीमती बंदना कुमारी
8. श्री बी एस जून
9. श्री धर्मपाल लाकड़ा
10. श्री दिनेश मोहनिया
11. श्री दुर्गेश कुमार
12. श्री गिरीश सोनी
13. श्री गुलाब सिंह
14. श्री हाजी युनूस
15. श्री जय भगवान
16. श्री जरनैल सिंह
17. श्री करतार सिंह तंवर
18. श्री कुलदीप कुमार
19. श्री महेंद्र गोयल
20. श्री मुकेश अहलावत

21. महेंद्र यादव
22. श्री नरेश बाल्यान
23. श्री नरेश यादव
24. श्री पवन शर्मा
25. श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
26. श्री प्रवीण कुमार
27. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
28. श्री ऋतुराज गोविंद
29. श्री रघुविंदर शौकीन
30. श्री राजेंद्र पाल गौतम
31. श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
32. श्री शरद कुमार चौहान
33. श्री संजीव झा
34. श्री सोमदत्त
35. श्री शिवचरण गोयल
36. श्री सोमनाथ भारती
37. श्री सही राम
38. श्री एस के बग्गा
39. श्री विनय मिश्रा
40. श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
41. श्री अभय वर्मा
42. श्री अनिल कुमार बाजपेयी
43. श्री अजय कुमार महावर
44. श्री जितेंद्र महाजन
45. श्री मदन लाल
46. श्री मोहन सिंह बिष्ट
47. श्री ओमप्रकाश शर्मा
48. श्री प्रलाद सिंह साहनी
49. श्री राजेश ऋषि
50. श्री शोएब इकबाल
51. श्री सुरेंद्र कुमार
52. श्री विजेंद्र गुप्ता
53. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-4	बुधवार, 29 मार्च, 2023/08 चैत्र, 1945 (शक)	अंक-43

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.05 बजे समवेत हुआ ।

माननीय अध्यक्ष (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए ।

राष्ट्रगीत-वन्दे मातरम्

विशेष उल्लेख (नियम-280)

माननीय अध्यक्षः सभी माननीय सदस्यों का सदन में स्वागत है, श्री नरेश यादव जी।

श्री नरेश यादवः धन्यवाद अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे मेरे क्षेत्र की समस्या उठाने का मौका दिया। अध्यक्ष जी आज मैं रजोकरी गांव की महत्वपूर्ण समस्या को यहां 280 में आपके समक्ष उठा रहा हूं और उम्मीद कर रहा हूं की इस सदन से मुझे ये समाधान भी मिलेगा, अध्यक्ष जी रजोकरी गांव ऐतिहासिक गांव है जो वसंत कुंज और एनएच-8 जो हाईवे है हमारा जो गुडगांवा को जाता है उसको टच करता है इतना क्षेत्रफल रजोकरी गांव का है। अध्यक्ष जी

1996 में रजोकरी गांव की ज़मीन उस समय की बीजेपी की सरकार ने फोरेस्ट डिपार्टमेंट को ट्रांसफर कर दी थी। रजोकरी गांव में पहाड़ होते थे पहाड़ों में वहां तुड़ाई करने वाले मज़दूर होते थे, भारत सेवक समाज एक कोपरेटिव सोसाएटी थी जो वहां पर लगातार काम करती थी। अध्यक्ष जी, उसके अलावा फोरेस्ट लैंड में जो लैंड ट्रांसफर की गई उसमें वहां गांव के मंदिर थे, बस्ती थी, रास्ते थे और बहुत सारी सामुहिक इस्तेमाल की ज़मीन भी थी और उस समय जब ये लैंड को ट्रांसफर किया गया अध्यक्ष जी, तो उस समय किसी तरह की कोई सर्वे भी नहीं की गई की कि इस लैंड के अंदर गांव के इस्तेमाल की कितनी जगह, कितनी ज़मीन जो फोरेस्ट डिपार्टमेंट में जा रही है उसको छोड़ देना चाहिये। अध्यक्ष जी, उसके अंदर रास्ते हैं जोकि रजोकरी गांव से और वसंत कुंज को टच करते हैं जो आज फोरेस्ट की लैंड मानी जाती है, वहां पर खोली वाला बाबा मंदिर है जो बहुत ही ऐतिहासिक मंदिर है, रामधन झोड़ वाला मंदिर है, बीएसएस जो भारत सेवक समाज कॉलोनी है जो उस समय की है जब ये लोग 1967 के अंदर यहां पर आये थे जब यहां पर पहाड़ की तुड़ाई करते थे और कोपरेटिव सोसाएटी है। ये इन्होंने ग्राम पंचायत से ज़मीन लीज़ पर ली थी और ये वहां पर ये चलता रहा। उसके बाद 1976 के बाद में डीएसआईडीसी डिपार्टमेंट आ गया और फिर उसके बाद में इन लोगों से इनके एग्रीमेंट हुये और ये ग्राम पंचायत जो है उसमें मैम्बर भी रहे ये लोग और आज भी ये लोग वहां पर बसे हुये हैं बीएसएस कॉलोनी के नाम से।..

माननीय अध्यक्षः नरेश जी, जो इसमें लिखकर दिया है उससे बाहर जा रहे हैं आप।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष जी, ये जो वहां पर कालू राम जी जिसकी 80 साल की उम्र है आज भी जो ग्राम सभा के मैम्बर रहे और बीएसएस के सेक्रेटरी हैं वो आज भी वहां पर हैं। अध्यक्ष जी, मेरा आपसे ये निवदेन है की जो ज़मीन..

माननीय अध्यक्षः नरेश जी, मैं आपसे अर्ज कर रहा हूं।

श्री नरेश यादवः जो ज़मीन अध्यक्ष जी मैं इसी में से पढ़ रहा हूं अध्यक्ष जी..

माननीय अध्यक्षः नहीं।

श्री नरेश यादवः जो ज़मीन फोरेस्ट में ट्रांसफर कर दी गई जिसका इस्तेमाल आज भी गांव के वासी, वहां के रहने वाले लोग कर रहे हैं और वो उनके पजेशन में है..

माननीय अध्यक्षः make it short please

श्री नरेश यादवः लेकिन बीएसएस..

(समय घंटी)

श्री नरेश यादवः जो फोरेस्ट में लैंड ट्रांसफर होने के टाइम से जो कॉलोनी बसी हुई थी अध्यक्ष जी, इसी में है, मेरा पूरा इसमें है complete back page पर भी है।..

माननीय अध्यक्षः हां, चलिये चलिये।

श्री नरेश यादवः और ऑनरशिप फोरेस्ट की दिखाई जा रही है तो आप देखिये अध्यक्ष जी आज़ाद देश के अंदर लोगों के ऊपर ये अन्याय हुआ और उस समय की बीजेपी की सरकार ने 1996 में जब यहां के सी.एम. थे तो उन्होंने ये ट्रांसफर की तो मैं आपसे आपके माध्यम से ये निवेदन करूंगा दिल्ली सरकार से, माननीय मंत्री, फोरेस्ट से, कि इस ज़मीन का एक सर्वे कराया जाये और यहां पर जो भी उस समय से इस्तेमाल होने वाले जो रास्ते हैं, मंदिर है और कोई सामुहिक इस्तेमाल की ज़मीन है या कॉलोनिज़ है, उसका सर्वे करके उस लैंड को फोरेस्ट डिपार्टमेंट से रिलीज़ किया जाये और साथ में अध्यक्ष जी वहां की जो डेवल्पमेंट वर्क है वो भी रूका हुआ है, वहां पर बिजली के कनैक्शन नहीं मिलते, वहां पर नालियां, रोड़ नहीं बना पाते उसके बीच में फोरेस्ट आ जाता है वो सारा का सारा काम वहां पर करवाया जाये मैं ये आपके माध्यम से निवेदन करूंगा। इसके अलावा अध्यक्ष जी, वहां पर 20 एकड़ लैंड जो फोरेस्ट के बीचों-बीच थी, मैं जब 2015 में आया तो मैंने अपने एजुकेशन डिपार्टमेंट से जब अनुरोध किया तो ये ज़मीन वहां पर बाउंडरी की गई और लगभग 20 एकड़ आज हॉयर एजुकेशन डिपार्टमेंट दिल्ली सरकार के पास है। तो मैं माननीय मंत्री आतिशी जी से भी रिक्वेस्ट करूंगा कि 20 एकड़ लैंड आपकी रजोकरी में है हमारे पास, वहां पर एक ऐसा शानदार कॉलेज बनाईये, आपने पहले भी वहां कॉलेज बना रखा है एक,

एक कैम्पस जिससे कि दिल्ली सरकार के हमारे जो कमिटमेंट्स हैं वो हम पूरे तो कर ही चुके हैं और भी ज्यादा बढ़ें।..

माननीय अध्यक्षः नरेश जी हो गया नरेश जी।

श्री नरेश यादवः उसमें हमारा पूरा सहयोग होगा, गांव के लोगों का सहयोग होगा लेकिन इसके पीछे एक कंडीशन है गांव वालों की, गांव वालों का ये कहना है की वो जो कॉलेज है, वो जो लैंड है, वो है गांव वालों की लैंड, ग्रामवासियों की लैंड, ग्रामसभा की लैंड, वहां पर..

माननीय अध्यक्षः नरेश जी, नरेश जी अब हो गया नरेश जी, नरेश जी।

श्री नरेश यादवः हर उसमें चाहे वो कोई कोटा दें, एडमिशन में वहां पर गांव वालों को कोटा दें, ये आपसे निवेदन है।..

माननीय अध्यक्षः श्री पवन शर्मा जी, श्री पवन शर्मा जी।

श्री नरेश यादवः हमारी तरफ से पूरा आप लोगों को सहयोग मिलेगा।..

माननीय अध्यक्षः नहीं बिल्कुल नहीं नरेश जी, ऐसे नहीं।

श्री नरेश यादवः और अध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत शुक्रिया.

माननीय अध्यक्षः पवन शर्मा जी, चलिये आप अब चलिये।

श्री नरेश यादवः जो आपने मुझे इतना टाइम देकर यहां पर बोलने का मौका दिया, धन्यवाद।

श्री पवन शर्माः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे नियम-280 के तहत बोलने का अवसर दिया।

माननीय अध्यक्षः भई अब धन्यवाद छोड़ दो सीधा अध्यक्ष महोदय कहकर पढ़ना आरम्भ करो। मैंने अभी चार दिन पहले भी रिक्वेस्ट की थी।

श्री पवन शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान आदर्श नगर विधानसभा के दो गांव भडोला एवं सराय पीपलथला इनकी तरफ दिलाना चाहता हूं जो आज़ादपुर मंडी के साथ में दोनों गांव है और इन दोनों गांव की ज़मीन में ही आज़ादपुर सब्जी, फल एंव सब्जी मंडी बनी हुई है। तो अध्यक्ष महोदय, सब्जी मंडी में इन गांवों के पुश्तैनी कुंआ और एक मंदिर हैं जहां हर रोज़ लोग पूजा-अर्चना करने जाते हैं हर त्यौहार पर और एपीएमसी द्वारा भडोला में तीन गेट जो है एपीएमसी से वहां जाने का रास्ता था, वो तीनों गेट बंद कर दिये हैं और एक गेट सराय पीपलथला में है उसको भी जो है बंद करने की कवायद चल रही है, दो-चार दिन में जो है वो भी बंद हो जायेगा। तो मेरा आपसे अनुरोध है कि एक तो जो भडोला में जो गेट थे एपीएमसी से वो गेट खुलवाये जायें और जो सराय पीपलथला में जो एक गेट खुला हुआ है वो गेट जो है बंद ना करवाया जाये और बिल्कुल सिंगल आदमी आने का रास्ता छोड़

दिया जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं ये नहीं कह रहा कि बहुत बड़ा गेट हो जिकजैक वाला बिल्कुल जिसमें गाय भी ना घुस सके, पशु ना जा सके केवल एक सिंगल आदमी निकल सके, ये मेरी प्रार्थना है आपसे, कृपा कीजिये इसके ऊपर, नमस्कार।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, श्री अजय दत्त जी, अजय दत्त जी, (अनुपस्थित)। प्रलाद सिंह साहनी जी।।

श्री प्रलाद सिंह साहनीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद प्रकट करता हूं आपने मुझे 280 में बोलने की इजाज़त दी। श्रीमान जी यहां दिल्ली जल बोर्ड ने ट्यूवेल लगाये हैं दिल्ली के अंदर कई जगहों पर ट्यूवेल लगे, ट्यूवेल लगने के बाद दो-दो साल डेढ़-डेढ़ साल उसमें मोटर नहीं डलती। जब मोटर नहीं डलती, जब मोटर का टाइम आता है दोबारा से रिबोरिंग करनी पड़ती है जिससे जल बोर्ड का खर्चा डबल हो जाता है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस चीज़ को या तो एक ही दफा किया जाये या हाथ के हाथ उसको कर दिया जाये ताकि दिक्कत दूर हो जाये। दूसरा ये है जी हमारे यहां मंत्री महोदय जी ने आर्डर किये थे कि हर दिल्ली के एमएलए के यहां एक-एक रेवेन्यू ऑफिस बनेगा जिसके अंदर सबका रेवेन्यू का मामला होगा। जिस जगह पर जगह नहीं थी वहां इन्होंने porta cabin लगाये और porta cabin लगाकर आज जो एक साल के करीब हो गये हैं porta cabin पड़े हैं वहां कोई एक कर्मचारी भी नियुक्त नहीं किया, कोई काम नहीं हुअ। तीसरा ये है जी एक बिजली, पानी के बिलों के लिये, पहले ये तय हुआ था कि हम

लोग लैस करके दे देंगे, दोबारा मंत्री महोदय ने ये कहा था वन टाइम हम लोग इसका तय करेंगे कि इसको पैसे कितने देने हैं वो देकर उनसे adjust करेंगे। अब भी काफी लोग ऐसे हैं जिनके 20-20 साल से बिल पेन्डिंग हैं मगर फैसला नहीं हो पा रहा। मेरी आपसे प्रार्थना है कि मंत्री महोदय को कहकर इन कामों को जल्दी से करवायें, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः जरनैल सिंह जी।

श्री जरनैल सिंहः धन्यवाद स्पीकर साहब। स्पीकर साहब, तिलक नगर दिल्ली के बड़े बाज़ारों में से एक है और यहां तिलक नगर फ्लाईओवर के नीचे बहुत सालों से एमसीडी पार्किंग चलाती थी अचानक से कुछ समय पहले एल.जी. साहब के आर्डर से उस पार्किंग को बंद कर दिया गया अब बाज़ार में हर दिन बहुत सारे लोग आते हैं बहुत सारी गाड़ियां आती हैं तो पार्किंग बंद होने की वजह से एक तो लोगों को दिक्कत होती है और दूसरा अनॉथराइज़ जगह पर पार्किंग होती है, नो पार्किंग वाली जगह पर पार्किंग होती है तो दोनों तरफ से एक तो रेवेन्यू का लोस हो रहा है और दूसरा लोगों को नुकसान भी हो रहा है और लोग हमें कहते हैं एल.जी. साहब को तो कोई जानता नहीं, ना एल.जी. साहब किसी से मिलते हैं तो इस समस्या का समाधान तुरंत कराया जाये क्योंकि हर दिन इसकी वजह से हज़ारों लोग परेशान होते हैं आने वाले भी और ट्रैफिक जाम लगने की वजह से और ज्यादा लोग परेशान होते हैं थैंक्यू सर।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, सुरेन्द्र कुमार जी, सुरेन्द्र कुमार जी, (अनुपस्थित)। श्री ओमप्रकाश शर्मा जी।

श्री ओमप्रकाश शर्माः धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय जल मंत्री महोदय का ध्यान अपनी विधानसभा क्षेत्र विश्वास नगर की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। मेरे विधानसभा क्षेत्र में पानी की लाइन बहुत पुरानी हो गई हैं जिन्हें अविलम्ब बदलने की जरूरत है।पानी की आपूर्ति भी बहुत कम समय की जाती है और जो पानी दिया जाता है वो भी पीने के लायक नहीं होता यही हाल विश्वास नगर विधानसभा क्षेत्र में सीवर लाइन का है। सीवर की लाइन पुरानी होने की वजह से जगह-जगह जो धंस गई हैं, पुरानी सीवर लाइन को भी बदलने की जरूरत है। अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मेरा माननीय मंत्री महोदय से अनुरोध है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में पानी की पाइप लाइन और सीवर लाइन को जल्द से जल्द बदलने की मेरी प्रार्थना है, कृपया इसकी व्यवस्था करें इसके साथ-साथ पानी की आपूर्ति के लिये मेरे यहां भी नलकूप लगाये जायें जिससे कि पानी की आपूर्ति की जाये। मैं यह भी प्रार्थना करता हूं की पेय जल की आपूर्ति का समय बढ़ाया जाये, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, श्रीमती बंदना कुमारी जी।

श्रीमती बंदना कुमारीः धन्यवाद अध्यक्ष जी, शालीमार बाग क्षेत्र की कुछ विकास के कार्यों के लिये एमएलए फंड अलग-अलग

विभागों को आवटिंत किये गये थे। 2021-22 में, जिसमें सबसे ज्यादा एमसीडी को हमने सड़क बनाने के लिए फंड दिया था। एमसीडी विभाग के द्वारा जो फंड दिया गया, 2021-22 का फंड अध्यक्ष जी, अभी तक वो काम शुरू नहीं हुआ है। बहुत सारे काम है, जिसका ब्यौरा इसमें नहीं हैं, लेकिन उसका ब्यौरा समय समय पर मैंने आपके पास भी भेजा है एक लेटर के माध्यम से। तो अध्यक्ष जी मेरा बस आपसे निवेदन हैकि यूडी एक गाइड लाइन जारी करे। जो भी फंड वो जिस दिन भेजते हैं, जो भेजते हैं एक टाईम लाइन सुनिश्चित करें, जो इतने टाईम में वो काम हो जाए, नहीं तो कोई पैनल्टी एमसीडी पर या संबंधित विभाग पर लगे क्योंकि जितने भी काम सेंक्शन होते हैं, वो बिलौ 50 परसेंट, 40 परसेंट, 60 परसेंट इस तरह से आज सेंक्शन हो रहे हैं और उसमें 100 परसेंट पैसा में ब्रेक लग जाता है। जब ये बिल जब तक नहीं जमा करेंगे, वो हण्ड्रेड हमारा जो बचा हुआ पैसा है, उसको एमएलए फंड के रुप में हम विकास के कार्य में नहीं लगा पाते। तो अध्यक्ष जी, बस मेरा आपसे इतना कहना है कि जो एमएलए फंड का जो भी फंड है, वो समय पर उसका इस्तेमाल हो और जो बचे हुए पैसा है, उसका बिल भी जमा करने का संबंधित विभाग को एक गाइड लाइन जारी हो, जो बिल समय पर जमा करे ताकि बचे हुए फंड को भी हम क्षेत्र के विकास में लगा सकें तो ये एक उचित गाइड लाइन जरूर जारी करें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, मैं बोल रहा हूं, इसपर मैं बोल रहा हूं, सदन की सहमति लेकर।

श्रीमती बंदना कुमारीः तो बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी, बहुत सारे ऐसे विकास के कार्य हमारे रूके हुए हैं और एक मैं अध्यक्ष जी, सदन में लाना चाहती हूं। एक कम्युनिटी सेंटर के लिए, एक लाइब्रेरी के लिए,

माननीय अध्यक्षः भई इसमें लिखा हुआ नहीं है। बंदना जी इसमें नहीं लिखा हुआ है। बिना लिखे टेकअप नहीं हो पायेगा।

श्रीमती बंदना कुमारीः अध्यक्ष जी, मैं आपको लिख कर भेज चुकी हूं प्वाइंट वाइज सब तो मैं आपसे यही निवेदन करती हूं कि इस सारे एमएल फंड का ब्यौरा सही से लिया जाए और समय पर इसका काम हो, इसके लिए कोई गाइड लाइन जारी हो। बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, बंदना जी ने जो समस्या रखी है, यह हम सब विधायकों की समस्या है। बैठिये, बैठिये। मैंने माननीय मनीष सिसोदिया जी को ये समस्या लिखकर भी दी थी, सेक्रेटरी यूडी से चर्चा भी हुई। यह समस्या एक बार मैं थोड़ा सा ब्रीफ कर दूं कि हम जो भी पैसा, जिस भी विभाग को देते हैं। टेंडर स्टेज पर उसका 50 परसेंट रिलिज हो जाता है और वो 50 परसेंट रिलिज होने पर जब वर्क आर्डर होता है। वर्क आर्डर जो 50 परसेंट टेंडर अमाउंट था, उससे भी कम में जाते हैं, तो मैंने

सुझाव ये दिया था कि टेंडर अमाउंट पर 25 परसेंट हो, बाकी 25 परसेंट उनसे वर्क आर्डर की कॉपी मंगाई जाए, जितने में वर्क आर्डर गया है, पूरा 50 परसेंट कर दिया जाए और बाकी पैसा हमारे एमएलए लैड को क्रेडिट कर दिया जाए। जब तक काम पूरा नहीं होता, कंप्लीशन जाता नहीं, सालों बीत जाते हैं। अगर हाउस बंदना जी के इस बात से सहमत है, मैं बोल रहा हूं,

जो माननीय सदस्य इस बात से सहमत हैं-

वो हां कहें।

जो असहमत हैं, वो ना कहें।

(सभी सदस्यों द्वारा हां कहे जाने पर)

ये सर्वसम्मति से पारित हुआ।

इसपर माननीय वित्त मंत्री जी बैठे हैं, पीडब्ल्युडी मंत्री भी बैठे हैं, इनको यूडी में इस मामलें को हाउस ने अपनी सहमति दी है, लिया जाए, नहीं तो हमारा फंड लटकता रहता है कई कई साल। बहुत बहुत धन्यवाद।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः देखिये वो तो टेंडर में, टेंडर पर लिखा होता है, तीन महीने, दो महीने।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः चलिये। श्रीमान संजीव झा जी।

श्री संजीव झाः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय राजस्व विभाग के मंत्री का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।..

माननीय अध्यक्षः भई बातचीत नहीं, प्लीज।

श्री संजीव झाः अध्यक्ष महोदय, दिल्ली सरकार द्वारा सेक्शन 81 डीएलआर एक्ट और लैंड सीलिंग एक्ट 1951 के तहत् विभिन्न परियोजनाओं के लिए ग्राम सभा की जमीनें छोड़ी गयी थी ताकि उसमें बारात घर बने, पार्क बने, तालाब बने, चौपाल बने, लेकिन 2019 में नई लैंड पुलिंग नीति के तहत दिल्ली के गांव को शहरीकृत कर दिया गया, अर्बनाइज कर दिया गया। अर्बनाइज के बाद जितनी भी ग्राम सभा की जमीन थी, वो डीडीए को ट्रांस्फर कर दी गयी। अब वर्तमान में स्थिति ये है कि उस सभी ग्राम सभा जमीनों पर भू माफियाओं का नजर है। कई जगह कब्जा कर रहा है, अब जब हम रेवेन्यू में जाकर बात करते हैं तो कहते हैं कि हमने लैंड को ट्रांसफर कर दिया डीडीए में। डीडीए का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं है, जो उसकी जिम्मेदारी को ले। तो ऐसे में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तो मेरा माननीय राजस्व मंत्री से यही निवेदन है कि रेवेन्यू के लोगों को चूंकि एसटीएफ में ये प्रोविजन है कि अगर कहीं कोई जमीन कब्जा हो रहा है, तो चाहे कोई भी लैंड ऑनिंग एजेंसी हो,

एसटीएफ उस पर कार्रवाई कर सकती है और एसटीएफ का वो चैयर करता है, वहां का एसडीएम। तो जब तक अब डीडीए जिम्मेदार नहीं है तो जमीन कब्जा होने तो नहीं देंगे हम, तो उसपर थोड़ा सा जिम्मेदारी लें या दोनों विभागों के बीच उचित सामंजस्य बैठ जाए जिससे ये जो अवैध कब्जे का जो प्रकोप बढ़ रहा है हर जगह, उससे निजात मिले। बस यही निवेदन अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से राजस्व मंत्री जी को था।

माननीय अध्यक्षः बहुत बहुत धन्यवाद। श्रीमान बिधूड़ी जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता प्रतिपक्ष): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिल्ली सरकार के स्कूलों में कार्यरत गेस्ट टीचरों को नियमित करने तथा उनका वेतन बढ़ाने के मामले की ओर दिलाना चाहता हूं।

आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्यमंत्री जी ने दिल्ली सरकार के स्कूलों में कार्यरत 22000 गेस्ट टीचरों को नियमित करने का अनेक बार वादा किया है। दिसम्बर, 2021 में दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री की ओर से भी इन गेस्ट टीचरों का वेतन बढ़ाने की घोषणा की गयी थी, जिसे मुख्यमंत्री जी ने भी अपना बयान देकर मंजूरी दे दी थी, लेकन बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि कई बार वादा करने के बावजूद आज तक दिल्ली सरकार ने इन गेस्ट टीचरों को न तो नियमित किया है और न ही इनका वेतन बढ़ाया है,

जिसे बच्चों का भविष्य संवारने वाले इन शिक्षकों के साथ अन्याय कहा जाएगा। सामान कार्य सामान्य वेतन के नियम से दिल्ली सरकार बस 2017 से गेस्ट टीचरों को वेतन देती तो वर्ष, प्रति वर्ष 400 करोड़ रुपए के हिसाब से छः सालों में ये धनराशि कुल 2400 करोड़ रुपए बनती..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अरे भाई ये तरीका नहीं है,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, वो उनको बोलने दीजिए बात। तो आप उन्हेंअगर डिस्टर्ब करेंगे, कैसे काम चलेगा। पहले बोलने दीजिए।

...व्यवधान...

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः आदरणीय अध्यक्ष जी, पूरे देश में दिल्ली ही एक, पूरे देश में दिल्ली ही एक मात्र ऐसा राज्य है जहां शिक्षकों को दिहाड़ी के हिसाब वेतन दिया जाता है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि अपने वायदे के मुताबिक दिल्ली सरकार के स्कूलों में कार्यरत सभी गेस्ट टीचरों को जल्द से जल्द नियमित किया जाए और उनके वेतन में वृद्धि की जाए ताकि न केवल दिल्ली सरकार का वायदा पूरा हो सके बल्कि इन सम्मानीय

गेस्ट टीचरों को सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका चलाने का अधिकार भी मिल सके।

आदरणीय अध्यक्ष जी, इन 22 हजार टीचर्स को रेगूलाइज करने की जो फाइल थी, वो छः साल से गायब हो गयी है। इस फाइल को ढूंढ़वाया जाए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप उत्तर दें, पूरा उत्तर दें उसका।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः तो मैं आपके माध्यम से इन सभी.

माननीय अध्यक्षः हां उत्तर देंगे मंत्री जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः गेस्ट टीचर्स को नियमित करने की मांग करता हूं और सरकार ने इनके वेतन बढ़ाने का जो वायदा किया है, उस वायदे को सरकार पूरा करे। मैं मुख्यमंत्री जी से आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूं। बहुत बहुत धन्यवाद।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई ऐसे नहीं। माननीय मंत्री जी का हाथ खड़ा हुआ है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आतिशी जी, पहले कैलाश जी उठे थे, पहले,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः उसका.. आतिशी जी, पहले कैलाश जी बोलेंगे, उसके बाद आप।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बस हो गया।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः श्रीमान कैलाश जी, माननीय वित्त मंत्री।

माननीय वित्त मंत्री (श्री कैलाश गहलौत): अध्यक्ष जी, ये, अध्यक्ष जी मैंने, मैंने पहले भी कहा है, जितने भी बीजेपी के माननीय सदस्य हैं, इनको केवल राजनीति करने के अलावा कुछ नहीं है। इनको दिल्लीवासियों की प्रोब्लम है, टीचर्स की प्रोब्लम है, किसी की भी प्रोब्लम है, ये सिर्फ राजनीति करने के लिए सवाल उठाते हैं, टाइम खराब करते हैं और फिर नाटक करने लग जाते हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई दो मिनट उनको बोलने दीजिए, बोलने दीजिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, बोलने दीजिए उनको प्लीज।

....व्यवधान...

माननीय वित्त मंत्रीः तो काम भी तो करोगे ....।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः देखिये ओम प्रकाश जी, मंत्री जी जब बोल रहे हैं।

...व्यवधान...

माननीय वित्त मंत्रीः भई काम भी तो करोगे।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मंत्री जी बोल रहे हैं आप उनको डिस्टर्ब मत करिये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ओम प्रकाश जी, माननीय मंत्री जी बोल रहे हैं, ये बात ठीक नहीं है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अब ऐसे, ऐसे उनको डिस्टर्ब नहीं कर सकते आप, उनको उत्तर देने दीजिए,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः उनको उत्तर देने दीजिए।

...व्यवधान...

माननीय वित्त मंत्रीः ये सभी माननीय सदस्यों को मालूम है, सभी दिल्लीवासियों को मालूम है कि जो भी टीचर्स का इश्यु था, चाहे उनको कंट्रेक्ट की टीचर्स हैं, उनको परमानेंट करना है या उनके सैलरी की इश्यु है। कैबिनेट डिसीजन हुआ, जितना मुझे याद है। इस हाउस ने भी उसपर पूरी अपनी सहमति जताई। जब एलजी ने सारी चीज रोकी तो आज ये ही प्रश्न उठाके सिर्फ आम आदमी पार्टी या सीएम साहब के ये कहना कि ये नहीं किया, ये नहीं किया,ये सरासर गलत है। मैं समझ सकता हूं अगर उनको कोई चीज नहीं पता हालांकि हमने तो बार बार कहा है। इनको पढ़ाई-लिखाई से भी कोई मतलब नहीं है। ऊपर से लेकर नीचे तक, ऊपर से लेकर नीचे तक, ऊपर से लेकर नीचे तक अनपढ़ों की जमात जो है वो इक्ट्ठी हो गयी है। तो इनको कोई मतलब नहीं है। बाकी मैं रिक्वेस्ट करता हूं एजुकेशन मिनिस्टर जो हैं, वो इसका पूरा जबाब दें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ओम प्रकाश जी बैठिय आप प्लीज। आतिशी जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं नहीं, वो उत्तर दे रहे हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः न अब देखिये, अगर मंत्री कोई, मंत्री कोई गलत उत्तर दे रहा है, आपको अधिकार है प्रिविलेज का।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं नहीं बैठ जाइये अब। बैठ जाइये।

...व्यवधान...

**माननीया शिक्षा मंत्री (श्रीमती आतिशी मार्लिना): ** माननीय अध्यक्ष महोदय..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आतिशी जी।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे दुख है इस बात का..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिये आप। आप बोल चुके हैं। आपका उत्तर दे रहे हैं। आपके मंत्री उत्तर दे रहे हैं, फिर भी उसके बाद, चलिये।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे दुख है इस बात का..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई देखिये, मंत्री बोलते हैं,ये बार-बार टोका टोकी होती है और मैं माननीय विपक्ष के सदस्यों से कह रहा हूं आप बोलेंगे, अगर सत्ता पक्ष के लोग टोका टोकी करेंगे, मैं उनको बिल्कुल नहीं रोकूंगा। आप हर बात में टोका टोकी कर रहे हैं। हर बात पर टोका टोकी कर रहे हैं। आपको, सदन का एक नियम है, मर्यादा है कि मंत्री जी जब बोलें कोई सदस्य टिप्पणी नहीं करेगा।बैठ जाइये मोहन जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठ जाइये, प्लीज बैठिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठ जाइये। आपका रोज का ये ही धंधा हो गया है। आतिशी जी। एक महिला मंत्री खड़ी हैं, आप उनको बोलने नहीं दे रहें।

माननीया शिक्षा मंत्री (श्रीमती आतिशी मार्लीना): माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात का दु:ख है कि आज विधान सभा के अंदर जो लोकतंत्र का मंदिर है, जहां पर दिल्ली के लोग इतने विश्वास से हम सबको वोट देकर भेजते हैं। हमें भी वोट दिया है लोगों ने, भारतीय जनता पार्टी के विधायकों को भी वोट दिया है। लेकिन जब भारतीय जनता पार्टी के विधायक विधान सभा के अंदर आकर सरासर झूठ बोलते हैं तो इससे ज्यादा दु:ख की बात कोई नहीं हो सकती है। भारतीय जनता पार्टी के 8 विधायकों में से शायद 2 तो ऐसे विधायक हैं जो पिछली विधान सभा में 2015 से 2020 में भी इस हाउस के सदस्य थे, उनको तो इस बात की सूचना होगी ही कि 2017 में..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: ओमप्रकाश जी, उनको बोल लेने दीजिए। प्लीज।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: यार, आप बार-बार..

...व्यवधान...

श्री ओमप्रकाश शर्मा: मेरा काम है करेक्ट करना।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः न, ये तरीका नहीं है करेक्ट, नहीं वो गलत बोले तो आप मंत्री के खिलाफ प्रिविलेज का नोटिस दीजिए न।

माननीया शिक्षा मंत्रीः अरे सुन तो लीजिए ओमप्रकाश जी, सुन लीजिए, शांति।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ओमप्रकाश जी, मैं बिल्कुल अलाउ नहीं करूंगा। माननीय मंत्री बोल रही हैं, माननीय मंत्री बोल रही हैं, आप बार-बार डिस्टर्ब कर रहे हैं। ये ही कैलाश गहलोत जी को कर रहे थे, ये ही अब कर रहे हैं। बार-बार टिप्पणी कर रहे हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं प्रार्थना कर रहा हूं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः प्रार्थना कर रहा हूं बैठिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं प्रार्थना कर रहा हूं बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः ओम प्रकाश जी, अगर 2 से ज्यादा थे,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ओम प्रकाश जी, मैं प्रार्थना कर रहा हूं बैठिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं प्रार्थना कर रहा हूं,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः ओम प्रकाश जी, ओम प्रकाश जी अगर 2 से ज्यादा थे फिर तो और भी जिम्मेदारी आप पर बन जाती है कि बाकि सदस्यों को आप ये सूचना दे देते कि वो उस सदन में मौजूद नहीं थे कि 2017 में अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने गेस्ट टीचर्स को पक्का करने के लिए इसी हाउस में बिल पारित किया था और उस बिल को रोकने का काम, आप निकालिये वो फाइल, आप देखिए वो फाइल, एलजी साहब ने 4 पेज के बिल पर 30 पन्ने की ऑब्जेक्शन लिखकर भेजी थी कि क्यूं गेस्ट टीचर्स को नियमित नहीं किया जा सकता। कौन है एलजी महोदय? आपकी भारतीय जनता पार्टी के केंद्र सरकार के नुमाइंदे हैं, उन्होंने पिछले 5 साल से गेस्ट टीचर्स को नियमित करने का प्रयास रोका हुआ है। आप दूसरी ओर देखिए, आम आदमी पार्टी की पंजाब में सरकार बनती है, 6 महीने के अंदर-अंदर सारे कांट्रेक्ट टीचर्स को

नियमित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई। दिल्ली में क्यूं रूकी? भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार के नुमाइंदे एलजी साहब द्वारा रूकी।

दूसरी बात, जो अब तक दूसरा सवाल उनकी तनख्वाह पर, मैं ये भी आपको बता दूं, उस प्रस्ताव को दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने 2 साल पहले पुटअप किया था, किसने रोका? आपकी केंद्र सरकार के अंडर आने वाले सर्विसेज विभाग ने रोका, एलजी साहब ने रोका। और उसके बाद हाउस में आकर झूठ बोलते हैं। अरविंद केजरीवाल की सरकार बार–बार, बार–बार हर संभव प्रयास करती है कि गेस्ट टीचर्स को अच्छी वर्किंग कंडीशंस मिलें, कि वो नियमित हों। आप उनका नियमिकरण रोकते हैं, उनकी तनख्वाह बढ़ने से रोकते हैं और फिर हाउस में आकर झूठ बोलते हैं। आप अपने राज्यों, आप मध्य प्रदेश में देखिए कितने सालों से सरकार है आपकी,..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं रूलिंग दे रहा हूं इस पर बैठिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिए, बैठिए।

....व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः आप बताइये,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप प्रेस कॉन्फ्रेंस..

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः मध्य प्रदेश में कितनी तनख्वाह देते हैं? उत्तर प्रदेश में कितनी तनख्वाह देते हैं आप? कितने राज्यों में क्या तनख्वाह देते हैं?

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी, आपको ये शोभा नहीं देता।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप प्रिविलेज का नोटिस दो, आप दो प्रिविलेज का.

...व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः आपको प्रिविलेज का नोटिस देने में डर लगता है क्या**?**

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः मैं चैलेंज करती हूं इनको अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय, आम आदमी पार्टी की तो सिर्फ 2 राज्यों में सरकार है, दिल्ली में और पंजाब में। भारतीय जनता पार्टी तो

इस दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, किस राज्य में नियमित करें आपने 5 साल के अंदर बताइये जरा,..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप प्रिविलेज का नोटिस दो न।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः छाती मत पीटिए, प्रिविलेज का नोटिस दीजिए।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः बताइये किस राज्य में नियमित करें आपने?

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिए।

....व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः मैं..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आतिशी जी, बैठिए।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः मैं बिधूड़ी जी, बिधूड़ी जी..

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः मैं बिधूड़ी जी आपको चैलेंज करती हूं,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप प्रिविलेज दीजिए न। आप प्रिविलेज दीजिए इस पर। फिर देखेंगे किसको करना पड़ेगा।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः बिधूड़ी जी,..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिए।

....व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः बिधूड़ी जी,..

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः बिधूड़ी जी, मैं आपको चैलेंज करती हूं.

.

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः अरे सुनिए तो सही।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः सुनिए तो सही बिधूड़ी जी।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः आपने जो..

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी कहती है कि ये दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है।

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः कितने राज्यों में आपकी सरकार है, एक राज्य में बताइये जहां पर आपने गेस्ट टीचर्स को नियमित किया? एक राज्य बताइये जहां पर आपने कांट्रेक्ट टीचर्स को नियमित किया, एक राज्य बताइये,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आतिशी जी,

...व्यवधान...

माननीया शिक्षा मंत्रीः जहां पर आप दिल्ली सरकार जितनी तनख्वाह देते हैं?

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आतिशी जी, बैठिए। अब बैठिए प्लीज।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः दो मिनट अब मैं..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, दो मिनट बैठ जाइये। मैं इस पर..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं इस पर बात कर रहा हूं सदन..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिए। आप करिये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी बैठिए आप।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः एक सेकंड जरनैल जी। ओमप्रकाश जी ने बार-बार कहा कि सदन सर्वसम्मति से पारित करे। मैं अभी बिधूड़ी जी की इस बात को सर्वसम्मति से पारित करवाता हूं, क्या विपक्ष गारंटी लेता है कि एलजी इनकी तनख्वाहें बढ़ा देगा, ले गारंटी, ले गारंटी अभी विपक्ष, ये विपक्ष गारंटी ले, मैं अभी प्रस्ताव पारित

करवाता हूं। अभी प्रस्ताव पारित करवाता हूं सदन में, गारंटी लीजिए आप। फिर दुबारा सदन में प्रस्ताव पारित करवाता हूं, अगर हिम्मत है तो गारंटी लो, हिम्मत है तो गारंटी लो। हिम्मत है तो गारंटी लो।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः गारंटी लो। गारंटी लो। सदन में गारंटी लो, गारंटी लो सदन में।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः सदन में गारंटी लो कि एलजी से ये पास करवायेंगे जो आपका प्रस्ताव है, जो आपने 280 में पढ़ा है, ये पूरा एलजी से पास करवाकर लायेंगे। गारंटी लो, मैं सदन में पारित करवाता हूं, लीजिए गारंटी। तमाशा बना रखा है। गारंटी लीजिए आप।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप गारंटी., मैं कुछ नहीं सुनुंगा। एक ही शब्द गारंटी लीजिए, गारंटी लीजिए इस बात की, मैं सदन में पारित करवाता हूं, आप गारंटी लीजिए। सदन की बेइज्जती नहीं करवाऊंगा। सदन की बेइज्जती नहीं करवाऊंगा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः इसको,..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह जी, हाउस पास करे और सदन की बेइज्जती हो, विधायकों की, ये मैं नहीं करने दूंगा। ये आपके जाल में नहीं आने दूंगा सदन को। सदन को आपके जाल में नहीं आने दूंगा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, आने दूंगा सदन को आपके जाल में। आप गारंटी लीजिए एलजी से पास करवाकर लायेंगे।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं। श्री सोमनाथ भारती जी। बैठ जाइये प्लीज। बहुत हो गया। आप प्रेस कॉन्फ्रेंस करिये, आप प्रेस कॉन्फ्रेंस करिये। बैठ जाइये अब, बैठ जाइये, मैं रिक्वेस्ट कर रहा हूं। श्री सोमनाथ भारती जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः हो गया, अब बहुत हो गया, अब बैठिए, प्लीज। श्री सोमनाथ भारती जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने 280 में मुझे मेरे क्षेत्र की मुद्दा उठाने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, अक्सर ट्रैफिक लाइट्स पर देखने को मिलता है कि वहां पर कुछ गरीब लोग वहां बैठे रहते हैं और ये, ये

दृश्य जो है करीब-करीब दिल्ली में हर जगह का है। कई बार पुलिस को लिख चुका कि भई इनकी, जिस प्रकार से केजरीवाल सरकार ने नाइट शेल्टर बनाया है गरीबों के लिए, क्यूं न इन सारे व्यक्तियों को वहां शिफ्ट कर दिया जाए। मेरे क्षेत्र में आईआईटी का रेड लाइट, आईआईटी फ्लाईओवर के जो नीचे रेड लाइट है, पंचशील फ्लाईओवर के नीचे जो रेड लाइट है, ग्रीन पार्क के पास जो रेड लाइट है, हर तरफ इस प्रकार के लोग बैठे रहते हैं। वहां कपड़े सुखाते हैं, वहां रहते हैं, खाना बनाते हैं, हर प्रकार का काम करते हैं। और हम सारे लोग परेशान हैं क्योंकि पुलिस को लिख-लिखकर थक गये हैं, पुलिस इस पर कार्रवाई नहीं करती। और अब हम इस बात को कहां उठाये? तो मैं आपके माध्यम से चाहता हूं कि अब, हमारे सारे साथियों को भी ये मुसीबत होगी, क्योंकि पूरी दिल्ली का ये दृश्य है, तो सभी लोग, सभी विधायक साथियों का ये आपसे निवेदन है कि इसके ऊपर, इस पर संज्ञान लें और इसका समाधान लायें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री सुरेंद्र जी, आ गये हैं।

श्री सुरेंद्र कुमारः माननीय अध्यक्ष जी, आपने 280 में बोलने का..

माननीय अध्यक्षः हो गया। आप बोलना शुरू करिये, अध्यक्ष महोदय, बस संबोधित करके बोलना शुरू करिये।

श्री सुरेंद्र कुमारः माननीय अध्यक्ष जी, मेरे यहां मंडोली एक गांव है जिसमें डीडीए की लैंड, करीब 4 किले जमीन है वहां पर, जिसमें डीडीए के अधिकारी और पुलिस के अधिकारियों को आपस में मिलकर, वहां भूमााफियों के द्वारा ये जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। वहां पर सैकड़ों झुग्गियां बना दी गई हैं और एक वहां नर्सरी वहां पर अभी है जो वहां पर, अवैध रूप से इस पर नर्सरी, करीब एक किले में वो नर्सरी भी चला रहा है। तो आपसे निवेदन करना चाहता हूं इस अवैध कब्जे को हटाकर यहां, इस जमीन को सरकारी स्कूल बना दी जाए या पार्क बनाने के लिए डीडीए को आदेश करने का काम करें और तथा यहां कब्जा छुड़ाकर यहां के जनहित, मानवता के कल्याण के लिए हो सके। तो आपसे मेरा एक निवेदन और भी है, एक समस्या मेरे क्षेत्र में है जो वजीराबाद रोड जो गाजियाबाद को जाता है उससे एक रोड इधर जाती है मंडोली गांव, हर्ष विहार के लिए, वहां पर उसमें साइड में एक ग्रीन बेल्ट है, यदि उस ग्रीन बेल्ट में हमारा डबल रास्ता यदि हो जाता तो वहां जाम की समस्या हल हो सकती है। तो मैं आपके माध्यम से डीडीए के चेयरमैन को आप आदेश करें कि ग्रीन बेल्ट में हमें करीब, 100 मीटर करीब जगह देकर वो रास्ते को क्लीयर किया जा सकता है। आपने इस पर बोलने का आदेश किया उसके लिए धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री जय भगवान जी।

श्री जय भगवानः आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान एक बिंदु पर ले जाना चाहता हूं। अध्यक्ष जी, बड़ी चिंता का विषय है दिल्ली के अंदर एमबीबीएस के लिए 9 मेडिकल कॉलेज हैं, ऑल इंडिया इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल कॉलेज, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, जामिया हमदर्द मेडिकल कॉलेज, हिंदूराव मेडिकल कॉलेज, बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कॉलेज, सफदरजंग मेडिकल कॉलेज। अध्यक्ष जी, इसमें एमबीबीएस, बैचलर मेडिसिन-बैचलर सर्जरी के छात्रों की कुल संख्या जो हमारे 9 कॉलेज हैं इनके अंदर 1247 हैं। दिल्ली में दाखिले के लिए, काफी बच्चे दाखिले के लिए रह जाते हैं क्योंकि दिल्ली के अंदर जो एमबीबीएस की जो छात्रों के लिए जो सीटें हैं वो कुल 1247 हैं। तो अध्यक्ष महोदय जबकि देश के अन्य राज्यों में, जो मेडिकल की सीटें सबसे अधिक हैं जिन राज्यों के अंदर महाराष्ट्र, गुजरात कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 85 परसेंट कोटा, इन राज्यों के जो बच्चे हैं उनके लिए आरक्षित हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के छात्र वहां पर एडमिशन नहीं ले पाते। जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है, वह बच्चें तो जाकर के कहीं पर भी बाहर भी अपना दाखिला ले लेते हैं। जैसे कि अन्य विदेशों के अंदर और अध्यक्ष महोदय जी और जिन बच्चों की आर्थिक स्थिति कमजोर है, वो दाखिले के लिए रह जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा

सदन के माध्यम से केंद्र सरकार व दिल्ली सरकार से मैं निवेदन करता हूँ कि दिल्ली के बवाना, नरेला व मुण्डका व अन्य विधान सभा हैं। लैण्ड पूलिंग पोलिसी लाई जा रही है। अध्यक्ष महोदय, क्षेत्र को ना एक पोलिसी के तहत प्लानिंग की जा रही है और मेरा निवेदन है सदन के माध्यम से कि जो लैण्ड पूलिंग पोलिसी केंद्र सरकार के द्वारा लाई जा रही है, उसके अंदर अमेडमैंट करके नई-नई प्लानिंग की जाए कि वहां पर उस क्षेत्र के अंदर नए-नए मेडिकल कॉलेज, मेडिकल यूनिवर्सिटियां, अस्पताल और बच्चों के लिए स्कूल, विश्व स्तरीय मेडिकल कॉलेज खोलें जाएं। दिल्ली के बवाना नरेला में जगह की अपार संभावना है, क्योंकि अभी हमारे यहां पर एग्रीकल्चर लैण्ड है, तो वहां पर अच्छी प्लानिंग हो सकती है। केंद्र सरकार द्वारा जगह चिन्हित की जाए, दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार के सहयोग से, विश्व स्तरीय मेडिकल यूनीवर्सिटी वहां पर खोलेगी, जिससे दिल्ली के एमबीबीएस के छात्रों को फायदा मिलेगा जिसमें दिल्ली देहात के छात्रों को विशेष कोटा दिया जाए, क्योंकि जो हमारे गांव के जो नरेला, बवाना, मुण्डका के जो देहात के बच्चें हैं वो बार-बार यही डिमांड करते हैं कि हमें वहां पर कोटा नहीं मिल पाता, जिससे हमारे एडमिशन नहीं हो पाते। जो है कि आप जाकर के..

माननीय अध्यक्षः ये विषय हो गया।

श्री जय भगवानः अध्यक्ष जी उसी में से बोल रहा हूँ सर।

माननीय अध्यक्षः नहीं हो गया अभी

श्री जय भगवानः अध्यक्ष जी, मेरे तीन मुद्दे हैं अध्यक्ष जी उसी में से बोल रहा हूँ। बस मैं अभी खत्म कर रहा हूँ..

माननीय अध्यक्षः बाकी दो मुद्दे नहीं लेंगे।

श्री जय भगवानः तीन मिनट में, तीन मिनट में खत्म कर रहा हूँ, अध्यक्ष महोदय जी। कोई भी एमबीबीएस का छात्र डॉक्टर बनने से वंचित ना रह जाए, दिल्ली के छात्रों को 85 परशेंट कोटा दिया जाए। इस लैण्ड पूलिंग पोलिसी में दिल्ली देहात के अंदर अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, बड़े-बड़े कॉलेज, कैम्पस, स्टेडियम, स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स के लिए जगह चिन्हित करके उन्हें बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, State Medical-cum–Dental University, सेक्टर 35 रोहिणी के अंदर प्रस्तावित है, उसका भी कार्य जल्दी से जल्दी कराया जाए। अध्यक्ष महोदय मेरा दूसरा मुद्दा था कि दिल्ली के लोगों को जब गाय मर जाती है..

माननीय अध्यक्षः भई जो इसमें लिखा हुआ है, वो ही बोलिए।

श्री जय भगवानः अध्यक्ष जी वो ही बोल रहा हूँ मैं।

माननीय अध्यक्षः उससे ज्यादा नहीं मैं सुनुंगा।

श्री जय भगवानः अध्यक्ष जी जो मेरा है वो ही बोल रहा हूँ।

माननीय अध्यक्षः हां, बोलिए।

श्री जय भगवानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि दिल्ली के अंदर जब गाय एक्सपायर हो जाती है, एक्सीडेंट हो जाता है, तो गाय के लिए जो लोग हैं वो परेशान हो जाते हैं और दूसरी जगह ले कर जाते हैं, क्योंकि बवाना के अंदर एक हमारा एक हॉस्पिटल थ एनिमल हैस्बंड्री का और उसके अंदर वो भी जो उसके अंदर पशुओं के लिए जो डॉक्टर वैगराह हैं वो भी उसके अंदर कम हैं। मेरा निवेदन वहां पर उसको दुबारा से चालू किया जाए, जिससे कि आस पास के जो पशु हैं या कोई भी जो हमारी गाय वैगराह जो एक्सीडेंट हो जाती है, उसका इलाज अच्छी तरीक से हो सके। अध्यक्ष महोदय, मेरा तीसरा मुद्दा है, कि फायर ट्रेनी जो भत्ते के रूप में मात्र जिनको ट्रेनिंग के दौरान 1800 रुपये दिये जाते हैं, क्योंकि दिल्ली पुलिस और दिल्ली जलबोर्ड द्वारा जो ट्रेनी हैं उनको पूरा पूरी सेलरी और डीए दिया जाता है। ऐसे ही अन्य प्रदेशों में भी दिया जाता है, तो मेरा निवेदन है कि यहां पर जो हमारी फायर के अंदर जो अंडर ट्रेनी हैं, उन सभी को भी जो भत्ता और जो डीए है जो सेलरी है वो पूरी तरीके से दिये जाएं, जिससे कि वो अपना जीवनयापन अच्छी तरीकें से कर सकें। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ। नमस्कार, जय हिंद।

माननीय अध्यक्षः ऋतुराज जी।

श्री ऋतुराज गोविंदः अध्यक्ष जी मैं ज्यादा समय नहीं लेते हुए, मैं सदन का ध्यान आकर्षण और माननीय हमारे जो हैल्थ

मिनिस्टर हैं उनका ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि किराड़ी क्षेत्र के अंदर में बहुत ही मुश्किल से हम लोगों ने डीडीए से पौने तीन एकड़ जमीन एलोट करवाया 10 फरवरी 2021 को, पौने तीन एकड़ जमीन। जिसके लिए हम सब लोग 25-25 दिन तक डीडीए में पड़े रहे, बहुत संघर्ष करके ये जमीन लिया और उसका पजेशन 6 अप्रैल 2021 को होता है और उसी जमीन पर हमारे जो हैल्थ मिनिस्टर थे सत्येन्द्र जैन जी 5 महीने तक लगातार मेहनत करके एक अस्पताल का टेंडर अवॉर्ड कर दिया जाता है। दिल्ली में 7 अस्पताल बनने थे। शालीमार बाग, सुल्तानपुरी, किराड़ी इस तरीके से एक ही कंपनी Sam India Private Ltd. को दिया जाता है। 7 सात में से 6 अस्पताल खड़ा है और हमारा पड़ा है। काम शुरु नहीं हुआ है उस पर, और उसके लिए मैं बताना चाहता हूँ सितंबर 2021 में हॉस्पिटल का काम शुरु होता है, जिसको की पूरा होना था मार्च 2022 में और हैल्थ डिपार्टमेंट के लोग कहते हैं, जमीन में पानी बहुत ज्यादा है। इसके लिए हमको Pile Formation डालना पड़ेगा। तो हमने कहा कोई बात नहीं आप Pile Formation से करिये, जहां पर में वाटर टेवल ऊपर होता है, खासकर के बंगाल है, उड़ीसा है वहां पर भी अस्पताल बनता है ब्रिज बनता है, सारी चीजें होती हैं। सॉइल की टेस्टिंग होती है, सॉइलका टेस्टिंग पास होता है, आज एक साल से ज्यादा हो चुका है अध्यक्ष महोदय, और हमारा अस्पताल का काम नहीं शुरु हुआ है। 6 अस्पताल लगभग तैयार हैं और हमारा शुरु नहीं हुआ है, जिसके चलते

पोलिटिकल दबाव भी झेलना पड़ता है। ये मनोज तिवारी जी हों, बाकी लोग हों जा जाकर वहां मीडियाबाजी करते हैं। मैं आपके माध्यम से पूरे सदन का ध्यान आकर्षण करना चाहता हूँ कि किराड़ी क्षेत्र के 8 लाख लोगों के जीवन का सवाल है और 8 लाख लोगों के लिए अस्पताल वो बहुत संघर्ष से जमीन लिया है हम लोगों ने और ये बिलकुल बर्दाश्त नहीं करेंगे।..

माननीय अध्यक्षः हो गया।

श्री ऋतुराज गोविंदः मैं हैल्थ सेक्रेट्री से मिलता हूँ, हैल्थ सेक्रेट्री मुझे बोलते हैं विधायक जी आप मुझे एक सप्ताह का समय दो I will get back to you. और मैं कोशिश करूंगा कि आपका काम शुरु हो जाए। एक सप्ताह, एक सप्ताह, एक सप्ताह होते जा रहा है एक साल बीत चुका है और जो काम मार्च 2022 में खत्म होना था वो काम अभी ये मार्च जो है सब खत्म होने वाला है 2023 का। तो अध्यक्ष महोदय, ये बहुत ही ज्वलंत मुद्दा है आपके माध्यम से मैं हैल्थ मिनिस्टर जी को बताना चाहता हूँ। कुछ भी करिये दिन-रात लगिये, लेकिन किराड़ी के अस्पताल को जल्दी से जल्दी शुरु कराइये। 400 बैड का जो अस्पताल बनना था बहुत संघर्ष से हम लोगों ने जमीन लिया है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह बिष्ट जी।

श्री मोहन सिंह बिष्टः आदरणीय अध्यक्ष जी,..

माननीय अध्यक्षः भई बातचीत नहीं प्लीज।

श्री मोहन सिंह बिष्टः मैं आपके माध्यम से आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से लोक निर्माण विभाग के माननीय मंत्री जी का ध्यान करावल नगर विधानसभा की ओर दिलाना चाहता हूँ। करावल नगर विधानसभा और मुस्तफाबाद विधानसभा दोनों के आने जाने के लिए चाँदबाग, शेरपुर मोड़, शेरपुर मोड़ से दयालपुर, दयालपुर से करावल नगर होते हुए शिव विहार को जाती है। वर्ष 2011 और 12 के अंदर भजनपुरा से लेकर के दयालपुर तक इस रोड को चौड़ीकरण का कार्य किया गया था, जिसकी वजह से लोगों का आना जाना सुलभ हो रहा था, लेकिन दयालपुर से लेकर के शिव विहार तिराहा तक रोड का चौड़ीकरण के बारे में मेरे द्वारा दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकर के भूमि और भवन तथा दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को बार-बार कहने के बाद इस रोड के चौड़ीकरण के कार्य को नहीं किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, इतना ही नहीं इस रोड के चौड़ीकरण के लिए पिछले दिनों के अंतर्गत विधायक निधि से डिमार्केशन के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गयी थी और धनराशि उपलब्ध कराने के बाद आज दिन तक राजस्व विभाग की रोड को चौड़ी करने वाली फाईल गुम हो गई है, जिसकी वजह से रोड चौड़ी नहीं हो पा रही है और अनावश्यक विलंब हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से विनम्र निवेदन है कृप्या इस मामले को विशेष ध्यान

देकर के अविलंब करावल नगर विधानसभा के रोड के चौड़ीकरण के लिए किये जाने वाली कार्यवाही को तुरंत करवायें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री अब्दुल रहमान जी।

श्री अब्दुल रहमानः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय मेरी विधानसभा सीलमपुर के अंदर एक रोड है जिसका नाम है ब्रह्मपुरी रोड। अध्यक्ष महोदय, वैसे कहने को तो वो 60 फीट का रोड है, लेकिन कहीं 45 फीट कहीं 50 फीट, कहीं 55 फीट का वो रोड है और उस पर इतना ज्यादा इन्क्रोचमैंट है कि वहां से अध्यक्ष महोदय के आधा किलोमीटर के टुकड़े में कम से कम आधा घंटा पौना घंटा लगता है निकलने में। तो अध्यक्ष महोदय, एक तो मास्टर प्लान में वो 80 फीट का है कई बार यहां भी उसको उठाया जा चुका है, कि वो चौड़ा किया जाए जल्द से जल्द और चौड़ा करके लोगों को आसानी करी जाए, क्योंकि वहां से निकलने वाली लाखों की संख्या में जो आबादी है वो रात-दिन दुखी रहती है। इसीतरह से गामड़ी से मौजपुर की तरफ जाने वाला रोड वो भी अध्यक्ष महोदय, पूरी तरह इसीतरह जाम रहता है। तो इन दोनों रोडों को जल्द से जल्द मतलब चौड़ा कराया जाए और जब तक ये चौड़े नहीं हो रहे तो पीडब्ल्यूडी मंत्री जी से दरख्वास्त है कि वो उससे इन्क्रोचमैंट हटवाकरके उसे क्लियर करायें रोडों को। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री कुलदीप जी।

श्री कुलदीप कुमारः धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी मैं पहले भी इस विधानसभा में ये प्रश्न उठा चुका हूँ और माननीय ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर को भी इससे अवगत कराना चाहता हूँ कि हमारी विधानसभा जो कोण्डली विधानसभा है जिसकी आबादी लगभग 5 लाख के आसपास है और इसमें पूरा एक यहां अपने गरीब समाज के लोग ज्यादा रहते हैं और जिसमें एक हमारा डीडीए "लैट्स है जहां 15 हजार के आसपास डीडीए "लैट्स हैं बहुत सारे लोग वर्किंग वाले हैं जो सरकारी कार्यालयों में नौकरी करते हैं, लेकिन अध्यक्ष जी मुझे बड़े दुख के साथ ये कहना पड़ रहा है कि दिल्ली के हर कौने तक लगातार मैट्रो रेल पहुँच रही है, वहां मयूर विहार फेज 1 के अंदर जो त्रिलोकपुरी विधानसभा में वहां पर दो-दो, तीन-तीन मैट्रो स्टेशन हैं। मयूर विहार फेज 2 के अंदर दो-दो, तीन-तीन मैट्रो स्टेशन हैं, लेकिन अध्यक्ष जी कोण्डली विधान सभा को इससे वंचित रखा गया है और मैं लगातार ये कह रहा हूँ कि वहां के लोगों के सुगम यातायात के लिए वहां के लोगों को आने जाने की सुगम व्यवस्था के लिए ताकि लोगों को बहुत दूर तक ना जाना पड़े, उसको मैट्रो लाइन से जोड़ा जाए। मैं माननीय मंत्री जी से भी ये अनुरोध करता हूँ, आपके माध्यम से कि कोण्डली विधानसभा को मैट्रो रेल से मयूर विहार फेज 3 इलाके को जोड़ने का काम करें। अपने फोर्थ फेज जो हमारा शुरु होने वाला है, उसमें उसको जोड़ने की कृपा करें। बहुत-बहुत धन्यवाद, बहुत-बहुत आभार।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान दुर्गेश पाठक जी।

श्री दुर्गेश पाठकः बहुत- बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय मेरी विधानसभा के अंदर पानी की बहुत ज्यादा समस्या है और उसका एक जो सबसे बड़ा कारण है, वो ये है कि पानी की सप्लाई हमारे यहां बहुत कम है और राजिन्दर नगर विधानसभा बिलकुल टेल एंड पर आता है, तो जब लगभग पूरी दिल्ली को पानी पहुँच जाता है उसके बाद हमारी विधानसभा का नंबर आता है। आज जलबोर्ड की ही रिपोर्ट के आधार पर लगभग 22 एमजीडी पानी की जरुरत हमारे को है, लेकिन सच्चाई तो है मुझे लगता है हमारी जरुरत का 25 परशेंट भी, 30 परशेंट भी पानी हमें नहीं मिलता। जलबोर्ड के अधिकारी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, सारी चीजें कर रहे हैं, लेकिन जब तक पानी उपलब्ध नहीं होगा तो पानी जाएगा कैसे। तो मेरी मंत्री महोदय से भी मेरी निवेदन है और जल बोर्ड के वाइस चेयरमेन साहब से भी मेरी निवेदन है कि राजेन्द्र नगर विधान सभा के लिए पानी की सप्लाई बढ़ाई जाए। पानी उपलब्ध और कराया जाए। दूसरा एक मुद्दा है हमारे यहां सड़के बहुत ज्यादा खराब हैं और खासकर जो एमसीडी की सड़कें हैं वो बहुत ज्यादा टूटी हो चुकी हैं बहुत ज्यादा टूट चुकी हैं। हम लोगों ने मुख्यमंत्री सड़क योजना के माध्यम से उसका एस्टीमेट भी कराया। उसका फंड भी आलमोस्ट अप्रूव हो गया लेकिन उसके अंदर एक क्लोज लगा दिया गया कि पूरी विधान सभा के अंदर जितने भी रोड हैं उसका सिर्फ एक ही टेन्डर होगा। तो अगर 5 करोड़ का हो गया, 6 करोड़ का हो गया तो इतना लम्बा प्रोसेस

है कि वो पहले एमसीडी के हाऊस में जाएगा। स्टैण्डिंग कमेटी बनेगी। उसके बाद वहां से पास हो के आएगा, वो फिर काम हो नहीं सकता। वो साल ढेड़ साल का पूरा का पूरा प्रोसेस बन गया और स्थिति बड़ी खराब है आप देख भी रहे होंगे। बहुत सारे लोग वीडियों बना बना के भी डालते हैं कि जी रोड की ये स्थिति है। तो मेरी बस विनती है कि जैसे पहले का मामला था जैसे यूडी करती थी उसी तरह से उस क्लॉज को हटाया जाए। उसमें दिल्ली के डिप्टी सीएम उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी ने भी ऑर्डर भी दे दिया था। लेकिन उसी दौरान उनको अरेस्ट भी कर लिया गया तो क्लॉज अभी रूका हुआ है। तो मेरी विनती है मंत्री महोदय से कि उस क्लॉज को हटाकर तुरन्त इस काम को शुरू करा जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः राजकुमारी ढिल्लों जी। राज कुमारी ढिल्लों।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः हाँ जी राजकुमारी जी बोलिए अब। भई ऐसे नहीं जिनके मेरे पास आये हुए हैं मैं क्रमबद्ध तरीके से लूंगा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ना जिनका आया हुआ है मैं वो लूंगा, चलिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बोलिए।

श्रीमती राज कुमारी ढिल्लोः अध्यक्ष महोदय जी मेरी विधान सभा में एक गंभीर समस्या जो दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अभी हमारे सदन में हमारे परिवहन मंत्री नहीं बैठें लेकिन आपके माध्यम से मैं एक आपको मेरा निवेदन करना चाहती हूँ कि निर्वाचन क्षेत्र में हरिनगर, घण्टाघर है और 10 साल पहले उसके चारों ओर कोई स्कूल नहीं होता था। लेकिन दिल्ली के माननीय अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में हमारे शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया जी द्वारा घण्टाघर के चारों तरफ तीन दिल्ली गवर्मेंट के स्कूल बनाये और एक ऑलरेडी वहां पर दिल्ली नगर निगम का स्कूल भी स्थापित है और दिल्ली पश्चिमी का बहुत बड़ा होस्पिटल दीन दयाल होस्पिटल बड़ा होस्पिटल क्लब टावर के साथ स्थित है। मैंने कई बार मैंने पत्राचार मैंने किया मैं खुद मैं परिवहन मंत्री जी के पास गई लेकिन कोई मेरी बात की सुनवाई नहीं हुई। आज इस प्रांगण से आपको मैं निवेदन करना चाहती हूँ कि इस गंभीर समस्या का समाधान निकाला जाए और जो घण्टाघर के चारों तरफ हमारी जो डीटीसी की बसें हैं लगातार घण्टों-घण्टों एक ही जगह पर खड़ी रहती हैं और तकरीबन घण्टाघर से सिर्फ एक किलोमीटर दूर हरिनगर बस डिपो है। तो मेरा निवेदन है आपके माध्यम से परिवहन मंत्री जी को कि ये जो बसें स्थिर रहती हैं उनको वहां से हटाया जाए, क्योंकि जब एम्बुलेंसेस आती हैं तो वहां पे दिक्कत होती है। बच्चों

की छुट्टी होती है तो घण्टों-घण्टों जाम रहता है। मुझे पूरा विश्वास है कि कोई ना कोई नतीजा इसका निकलेगा। धन्यवाद सर आपने मुझे मौका दिया बोलने का।

माननीय अध्यक्षः अंतिम अजय दत्त जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ये, एक सेकेण्ड अजय दत्त जी मेरी बात सुनिए, मेरी बात सुन लीजिए एक बार मैंने ये लिस्ट है जो सीरियल नंबर से अलॉट हुए हैं जिनका जिस सीरियल नंबर पर निकला मैंने 18 तक लिये हैं। 18 तक राजेन्द्र पाल गौतम जी का 19 पर है एक सेकेण्ड 20 नंबर पर शरद कुमार चौहान जी, 21 पे नरेश बालियान जी

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं इसको नहीं मैं चेंज कर सकता प्लीज। इसकी तो कोई सीमा ही नहीं है। अजय दत्त जी करिये, जल्दी करिये प्लीज।

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी धन्यवाद आपने मुझे मेरे क्षेत्र के गंभीर विषय पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी ये मेरे ख्याल से लिखा हुआ कुछ और आ गया आपके पास। मेरे अंबेडकर नगर विधान सभा क्षेत्र में एक अंबेडकर नामक होस्पिटल माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी द्वारा बनाया गया जिसको कोरोना के लिए

डेडीकेट किया गया। अब कोरोना है नहीं मैं काफी समय से ये बात कह रहा हूँ कि जिस तर्ज पे हमने बुराड़ी में ओपीडी चालू करा दी है बुराड़ी होस्पिटल में। उसी तर्ज पे ओपीडी और महिलाओं के लिए वहां पर चेकअप की सुविधा करा दीजिए क्योंकि ये बिल्डिंग बहुत 600 बेड का होस्पिटल है और बहुत शानदार बिल्डिंग बनी हुई है उसका उपयोग नहीं हो रहा है। इसी संदर्भ में मैं माननीय मंत्री जी से कई बार मिला। मैं हैल्थ सेकेट्री से मिला और उन्होंने एक महीने पहले मुझे आश्वासन दिया था कि वो होस्पिटल एक हफ्ते में खुल जाएगा। उसकी फाइलें भी चली। मैंने उसको फोलोअप भी किया और पिछले एक महीने पहले हास्पिटल खुलना शुरू होना था लेकिन अध्यक्ष जी अभी तक ये होस्पिटल बंद है नहीं चल पाया है। मेरा आपसे एक निवेदन है कि इस सदन के माध्यम से आप हेल्थ सेकेट्री को कहें कि इस होस्पिटल को जल्द से जल्द खोला जाए जिससे कि वहां के लोगों को हेल्थ की सुविधाएं मिल सके। धन्यवाद अध्यक्ष जी।

श्री ऋतुराज गोविंद: अध्यक्ष जी, एक बात मुझे कहना है बहुत जरूरी है।

माननीय अध्यक्ष: नहीं मैं अब और कोश्चन नहीं प्लीज,

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्ष: नहीं कुछ नहीं।

श्री ऋतुराज गोविंद: एक बात कहनी है।

माननीय अध्यक्षः नहीं है, कोई नहीं प्लीज।

श्री ऋतुराज गोविंदः सुन तो लीजिए।

माननीय अध्यक्षः ये भई आप बोलेंगे सभी बोलेंगे।

श्री ऋतुराज गोविंदः देख लीजिए, आधा मिनट में कह दूंगा।

माननीय अध्यक्षः नहीं बिल्कुल बोल चुके आप।

श्री ऋतुराज गोविंदः सर, मैं अब वो बात नहीं कह रहा।

माननीय अध्यक्षः ऋतुराज जी बैठिये प्लीज।

श्री ऋतुराज गोविंदः सर, आप सुन तो लीजिए।

माननीय अध्यक्षः नहीं मैं कुछ नहीं सुन रहा हूँ।

श्री ऋतुराज गोविंदः 27 तारीख को शहीदी दिवस था उस दिन छुट्टी आपने सारे हाउस के कंसेंट से किया लेकिन 23 तारीख को जो हमने प्रश्नकाल के अंदर में हम सारे सदस्यों ने जो सवाल लगाये थे,

माननीय अध्यक्षः उसपे मैं अपनी रूलिंग दे चुका था।

श्री ऋतुराजः सर उसका जवाब तो सदन में आ चुका है कम से कम वो टेबल करा दीजिए। वो टेबल करा दीजिए ये पूरे हाउस का सर मामला है।

माननीय अध्यक्षः मुझसे मिल लेना बाद में। मुझे 55 के अंतर्गत दो नोटिस मिले हैं,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठ जाइये। एक श्री विजेंद्र गुप्ता जी का, एक भावना गौड़ जी का। भावना गौड़ जी का विषय है दिल्ली में कानून व्यवस्था और विजेंद्र गुप्ता जी का विषय है जो एक उनका परमानेंट चल रहा है शराब नीति पर, शराब नीति पर बजट के दौरान भी चर्चा हो चुकी। 280 में भी लग चुके इसलिए मैं वो रिजेक्ट कर चुका हूँ। अब भावना गौड़ जी अपना विषय रखेंगी। भावना गौड़ जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भावना गौड़ जी। उनका विषय सुन लीजिए। आईपी कॉलेज में जो कल घटना घटी है, दिल्ली की महिलाओं का सर शर्म से झुक गया है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः महीला कॉलेज में दीवार फांदकर लड़के घुस जाएं, लड़कियों के साथ छेड़खानी करें। इससे, इससे जरूरी विषय कोई और नहीं हो सकता। भावना गौड़ जी रखिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिए प्लीज, प्लीज मोहन जी बैठिए। मैं विनती कर रहा हूँ कृप्या बैठिए। कृप्या बैठिए मैं कोई और विषय नहीं ले रहा हूँ।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिए, बैठिए, मैं बताता हूँ। मैं बताता हूँ।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं महिलाओं की सुरक्षा पर, कॉलेज में गुण्डे घुस जाएं फंग्सन के दौरान, लड़कियों से बदतमीजी करें, वो विषय सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। क्या आपको उस पर चर्चा नहीं करवानी, क्या लड़कियों पर, कॉलेज की लड़कियों के साथ छेड़कानी हो, कॉलेज के अंदर घुसकर, दिल्ली की कॉलेज में पढ़ने वाली लड़कियां सुरक्षित नहीं है। विपक्ष उनपर चर्चा नहीं चाहता। विपक्ष उनपर चर्चा नहीं चाहता। बैठिए प्लीज।

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़ः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय आपने आज मुझे नियम–55 के अंतर्गत बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय यूं तो आज..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः महिलाओं की सुरक्षा पर चर्चा नहीं चाहिए। महिलाओं की सुरक्षा पे चर्चा नहीं चाहिए, चर्चा नहीं चाहिए।

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़: भई महिलाओं से जुड़े हुए विषय को सुनना पसंद नहीं करेंगे आप।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: महिलाओं की सुरक्षा पे चर्चा नहीं चाहिए। चर्चा नहीं चाहिए। मैं पूछ रहा हूँ महिलाओं की सुरक्षा पर चर्चा नहीं चाहिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: सुनाई नहीं देगा। महिलाओं की सुरक्षा आपको सुनाई नहीं देगी कभी भी।

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़: उनको चाहिए ही नहीं महिलाओं की सुरक्षा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: कभी नहीं सुनाई देगी। उसके लिए कान बहरे हैं। भावना जी।

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़: जी अध्यक्ष महोदय यूं तो आज अष्टमी का दिन है। दुर्गा मां के नवरात्रे पूरे भारतवर्ष में चल रहे हैं,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आपका शराब नीति पर बोल चुके, फिर बोल चुके हैं। तीन-तीन मेंबर बोल चुके शराब नीति पर।

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़ः कल नवमी हम लोग मनायेंगे,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अब मैं कुछ नहीं सुन रहा हूँ। आप बजट की चर्चा पर बोल चुके हैं सब। सब चीजें बोल चुके हैं। सब चीजें बोल चुके हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अरे कल हमको शर्म आनी चाहिए कल लड़कियों के कॉलेज में कुछ गुण्डे दिवार कूद के चले गए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं आप एलजी को बचाना चाहते हैं, पुलिस को बचाना चाहते हैं। कॉलेज में गुण्डे घुस जाएं, कॉलेज में गुंडे घुस जाएं, लड़कियों से छेड़खानी करे, इस पर चर्चा नहीं करेगा सदन। बैठिए, चलिए।

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़ः भई बैठ जाइये आप लोग।

...व्यवधान...

(विपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी की गई।)

सुश्री भावना गौड़ः इतना गम्भीर मुद्दा है उसे आप सुनना ही पसंद नहीं कर रहे हैं। आप बैठ जाइये प्लीज।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों से हाथ जोड़ के प्रार्थना का रहा हूँ बैठे। माननीय सदस्य बैठे। माननीय सदस्य बैठे।

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़ः इनके हिसाब से दिल्ली में जो हो रहा है वो सही हो रहा है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य मैं बार-बार प्रार्थना कर रहा हूँ बैठे।

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़ः महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं, इतना सब कुछ महिलाओं के साथ हो रहा है,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं निर्णय ले चुका हूँ पहले इस पर चर्चा होगी।

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़: लेकिन आप लोग सुनने को ही तैयार नहीं हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना। अगर आपको चर्चा में भाग नहीं लेना है। आप बाहर चले जाएं। अगर आपको इस चर्चा में भाग नहीं लेना बाहर चले जाइये। बाहर चले जाइये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह बिष्ट जी को मार्शल्स बाहर ले जाएं, श्री मोहन सिंह बिष्ट जी को। मार्शल्स बाहर करें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कोई बात नहीं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कोई मजबूरी नहीं है मेरी। कोई मजबूरी नहीं है।

...व्यवधान...

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार मार्शल्स द्वारा माननीय सदस्य श्री मोहन सिंह बिष्ट को सदन से बाहर किया गया।)

माननीय अध्यक्षः भई कुलदीप जी ये तरीका ठीक नहीं है। नहीं है ये तरीका ठीक। ये कोई तरीका है आपके बात करने का। आप बैठ जाइये मैं देख रहा हूँ।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं माननीय विपक्ष के सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूं..

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौड़ः अध्यक्ष महोदय, इतने गंभीर मुद्दे से इन्हें कोई मतलब नहीं है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं विपक्ष के माननीय सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूं कि वो लंच तक बाहर चले जायें। लंच तक बाहर चले जायें, माननीय विपक्ष के सदस्यों से मैं प्रार्थना कर रहा हूं वो कृपया बाहर चले जायें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कृपया बाहर चले जायें। मुझे मजबूर न करें माननीय विपक्ष के सदस्यों से मैं प्रार्थना कर रहा हूं कृपया बाहर चले जायें। मैं माननीय विपक्ष के सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूं

लंच तक वो बाहर चले जायें। मार्शल्स, मार्शल्स महाजन जी को बाहर करें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मार्शल्स अजय महावर को बाहर करें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं हो गया, मैंने जो, मुझे सदन कानून के तहत चलाना है, कानून के तहत चलाउंगा। बाहर करिये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ओम प्रकाश जी को लीजिये, ओम प्रकाश जी को।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, मैं नहीं सुनूंगा। कोई नहीं सुनूंगा। सुन चुका हूं मैं। हां, बाहर करिये।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार मार्शल्स द्वारा माननीय सदस्य श्री जितेंद्र महाजन, श्री अजय कुमार महावर व श्री ओमप्रकाश शर्मा को सदन से बाहर किया गया।)

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी बैठिये मैं प्रार्थना कर रहा हूं। बाजपेयी जी बैठिये, प्लीज मैं प्रार्थना कर रहा हूं।

...व्यवधान...

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, माननीय नेता प्रतिपक्षः सर चर्चा ये हमारी भी करा दीजिये।

माननीय अध्यक्षः नहीं, मैं नहीं करा रहा हूं। कोई चर्चा नहीं। चर्चा हो चुकी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अभय वर्मा जी ने उस दिन इसी बात पर आधा घंटा बोला है पूरा।

...व्यवधान...

माननीय नेता, प्रतिपक्षः आप हमारे पे चर्चा करा लीजिये, बाद में उसपे करा लीजियेगा।

माननीय अध्यक्षः बैठिये। मैं देखिये मैं दो दिनों तक शराब पर चर्चा हो चुकी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, मैं...

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अरे आप बोल चुके हैं। आप अपनी बात बोल चुके हैं। मंत्री जी जवाब दे चुके हैं। सब बात।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप नोटिस दीजिये झूठा दे दिया तो, आप नोटिस दीजिये। अगर आपको लगता है झूठा दिया, नोटिस दीजिये। आपने जो कुछ बोला है वो 8 पेज का उस दिन, वो मैंने सारा करवा लिया है कापी और मैं उसको रेफर कर रहा हूं। प्लीज। किस ने झूठ बोला है, किसने सच, सब सामने आ जाए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अब छोड़िये, बैठिये। मैं प्रार्थना कर रहा हूं हाथ जोड़ के बैठिये। महिलाओं की सुरक्षा पर चर्चा होने दीजिये। ये दिल्ली के लिये, देश की राजधानी के लिये, बड़ी शर्म की बात है एनुअल फंक्शन के दौरान महिलाओं के, लड़कियों के कालेज में कुछ बदमाश दीवार फांद कर घुस जायें, विधान सभा की नाक के नीचे मुख्यमंत्री जी के घर के पास, एलजी हाउस की नाक के नीचे इससे बड़ा विषय आज दिल्ली की जनता के लिये नहीं हो सकता। मैं प्रार्थना कर रहा हूं मुझे मजबूर मत करिये या तो बैठिये या स्वयं बाहर चले जाईये। मैं नहीं चाहता कि मैं मार्शल्स को कहूं कि आपको बाहर करें। मैं हाथ जोड़ के प्रार्थना है। मार्शल्स प्लीज। बिधूड़ी जी, अभय वर्मा जी,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बाजपेयी जी को भी लीजिये। मैं हाथ जोड़ चुका हूं, कोई दिक्कत नहीं है।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार मार्शल्स द्वारा माननीय सदस्य माननीय सदस्य श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, श्री अभय वर्मा व श्री अनिल कुमार बाजपेयी को सदन से बाहर किया गया।)

सुश्री भावना गौड़ः आदरणीय अध्यक्ष महोदय,..

माननीय अध्यक्षः भावना जी, एक सेकिंड। आज सभी अखबार इस हैडिंग से भरे पड़े हैं कि लड़कियों का कालेज उसमें कल दो दिन से कालेज का फंक्शन चल रहा था पुलिस स्टेशन यहीं पर, एलजी हाउस यहीं पर, और विधान सभा की नाक के नीचे वहां दीवार फांद कर कुछ लड़के चले गये, लड़कियों से छेड़खानी की, भावना गौड़ जी का नोटिस इस पर आया है चर्चा करें हम।

अल्पकालिक चर्चा (नियम-55)

सुश्री भावना गौड़ः अध्यक्ष महोदय, आज अपने वक्तव्य को शुरू करने से पहले इतने गंभीर विषय को लेकर के हमारा विपक्ष क्या कर रहा है उनके लिये जरूर दो पंक्तियां कहूंगी -

नारी का सम्मान करो, नारी की इज्जत करो,
नारी की चिंता करो क्योंकि नारी नर की खान।
नारी का सम्मान करो, नारी नर की खान।
नारी से पैदा हुए राम, कृष्ण भगवान।

इनको तो सर किसी चीज की चिंता नहीं है। इनको नहीं पता किस विषय पर हम सदन के अंदर चर्चा करने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे नियम 55 के अन्तर्गत बोलने का मौका दिया, मैं आपकी आभारी हूं। स्वाभाविक है बहुत गंभीर मुद्दा है। विपक्ष तो इसको सुनना नहीं चाहता लेकिन हम पक्ष में 8 महिला साथी यहां पर मौजूद हैं। जिस तरह की घटना दिल्ली के अंदर कल फिर से हुई है, दोहराई गयी है वो अपने आप में बहुत निंदनीय है, बहुत चिंतन का विषय है। अध्यक्ष महोदय, भारतीय संस्कृति में महिलाओं को देवी स्वरूप माना जाता है। भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का विशेष तौर पर ख्याल रखा जाता है। इक्कसवीं सदी की महिलायें पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर के काम कर रही हैं चाहे वो राजनैतिक जगत में हो, बैंक हों, खेल हों, पुलिस जगत हो, रक्षा क्षेत्र हो, खुद का कारोबार हो या आकाश में उड़ने की अभिलाषा हो। अध्यक्ष महोदय, हमारे हिंदुस्तान के अंदर महिलाओं को इतिहास में भी जितना सम्मान दिया जाता है उसके लिये शायद अगर हम वर्णन करें तो हमारे पास शब्दों की कमी पड़ जायेगी। हम अपने प्रभु को याद करते हैं तो श्याम से पहले, ठाकुर से पहले भगवान कृष्ण से पहले राधे का नाम लगाते हैं राधे श्याम बोलते हैं। हम जब राम को याद करते हैं तो राम से पहले हम सीता का नाम लेते हैं सीता राम बोलते हैं। हम जब भगवान शंकर को याद करते हैं तो भगवान शंकर से पहले हम गौरी को याद करते हैं, गौरी शंकर बोलते हैं। अध्यक्ष

महोदय, हमारे इतिहास में लक्ष्मी बाई, जीजा माता, अहिल्या बाई, बहुत सारी ऐसी महिलायें हुईं जो अपने आप में आज हमारे लिये उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। भारत की आबादी, दिल्ली की आबादी सौ प्रतिशत में से 50 प्रतिशत आबादी आज महिलाओं की है लेकिन दुर्भाग्य का विषय है अध्यक्ष महोदय, आज हम अष्टमी मना रहे हैं, दुर्गा की उपासना कर रहे हैं, पिछले 9 दिन से पूरी दिल्ली ही नहीं अपितु पूरे हिंदुस्तान के हर परिवार के अंदर हम माता दुर्गा को याद करते हैं, अपने घर में अपनी मां को, अपनी बहन को, अपनी बेटी को उपहार स्वरूप कुछ न कुछ देते हैं, उनको इज्जत देते हैं, उनको सम्मान देते हैं। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं तो इस बात को दुर्भाग्य मानूंगी कि महिलाओं की सुरक्षा इस विषय को लेकर के आज हम सदन में फिर से चर्चा कर रहे हैं। इससे पहले भी सदन बहुत बार इस विषय को लेकर के चर्चा कर चुका है। अध्यक्ष महोदय, अभी कल की ही घटना को देखें। आईपी कालेज जो दिल्ली में लड़कियों का कालेज है और ये कालेज यहां चौराहे के उपर है। विधान सभा से चार कदम की दूरी पर और उसके चारों तरफ एलजी हाउस है, सिविल लाइंस का थाना है, सीएम हाउस है, हमारे सभी मंत्रियों का निवास वहां पर है और इसी के मध्य आईपी कालेज जो सिर्फ लड़कियों का कालेज है यहां पर उपस्थित है। ये बड़े बड़े शब्दों के अंदर आज सारे न्यूज़ पेपर्स के अंदर ये खबर छपी है। अष्टमी के दिन ये खबर न्यूज़ पेपर्स के अंदर आई है और इसकी हैडिंग है 'महिला कालेज की दीवार फांद

कर घुसे युवक'। अध्यक्ष महोदय, यूं तो दिल्ली के अंदर बहुत सारे महिला कालेज हैं। महिला कालेज होने के नाते उनकी सुरक्षा करना, आसपास के कालेज में किस तरह की गतिविधि घट रही है उसका ख्याल रखना, विशेष तौर पर पुलिस का काम है। अध्यक्ष महोदय, दो दिन से वहां एनुअल फंक्शन का कार्यक्रम हो रहा था। दीवार फांद कर कुछ युवक उस कालेज के अंदर उन्होंने प्रवेश किया जिसके कारण वहां शोर शराबा हुआ, वहां छेड़छाड़ हुई, वहां धक्का मुक्की हुई, लड़कियों ने कई बार पुलिस को संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन अध्यक्ष महोदय कई बार प्रयास करने के बाद भी पुलिस के कानों पर जूं नहीं रेंगी और इसके बहुत देर पुलिस के इंतजार करने के बाद आखिरकार वहां कालेज की युवतियों ने ये तय किया कि हम सब निकलकर के सड़क के उपर बैठेंगे, धरना करेंगे, प्रदर्शन करेंगे। मैं अध्यक्ष महोदय आपको बताना चाहूंगी न 100 नंबर काम आया, न 109 नंबर काम आया, न 112 नंबर काम आया। जब वो युवतियां अपने कालेज के गेट के बाहर धरने पर बैठ गयी और ये समाचार जब पुलिस को मिला तब पुलिस वहां पहुंची है और युवतियों के साथ संपर्क स्थापित किया। अध्यक्ष महोदय, कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के पास में है और केंद्र के प्रतिनिधि अपने आप में एलजी साहब हैं। एलजी साहब का निवास कोई 20-25 किलोमीटर पर नहीं है, मुझे लगता है 20-25 कदम पर है। एलजी साहब की आंखों के नीचे ये सब काम हो रहा है। मैं तो ये कहूंगी अध्यक्ष महोदय कि जब से ये वाले एलजी साहब

आये हैं तब से महिलाओं के साथ में इस तरह की घटनाएं शायद कुछ ज्यादा बढ़ गयी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं तो ये कहना चाहूंगी एलजी साहब के घर में भी उनकी मां, बहन, बेटियां हैं वो भी शायद इस 50 परसेंट आबादी के अन्तर्गत आती हैं। अगर दिल्ली के अंदर एक विधान सभा की विधायिका सुरक्षित नहीं है, सड़क पर चलने वाली कोई भी महिला सुरक्षित नहीं है चाहे वो किसी भी फील्ड में काम कर रही है, वो दिल्ली के परिवार के अंदर चारदीवारी से लेकर के, सड़क से लेकर के विधान सभा तक सुरक्षित नहीं है, अपने कालेजों में सुरक्षित नहीं है।..

माननीय अध्यक्षः भावना जी कंक्ल्यूड करिये, कंक्ल्यूड करिये प्लीज।

सुश्री भावना गौड़ः अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगी कि मिरांडा हाउस में भी कुछ समय पहले इस तरह की घटना घटी थी। शर्म आती है हम महिलाओं को और विशेष तौर पर हम 8 महिलायें जो इस हाउस के अंदर, दिल्ली की 50 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, शर्म आती है हमें इस तरह की घटनायें जब दिल्ली के अंदर घटती हैं। अध्यक्ष महोदय, एलजी साहब के हाथ में कानून व्यवस्था है लेकिन उन्हें शायद कुछ दिखाई नहीं दे रहा, वो अपने आप में गूंगे भी हो गये हैं, बहरे भी हो गये हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगी कि सड़कों के उपर वो युवतियां चिल्ला चिल्ला के बोल रही हैं।..

माननीय अध्यक्षः अब कंक्ल्यूड करिये।

सुश्री भावना गौड़ः यहां हाउस में भी..

माननीय अध्यक्षः भावना जी कंक्ल्यूड करिये, नहीं अब कंक्ल्यूड करिये प्लीज।

सुश्री भावना गौड़ः हम सब चिल्ला चिल्ला कर बोल रहे हैं अध्यक्ष महोदय। कोर्ट के अंदर भीड़ लगी है, पुलिस थानों के अंदर भीड़ लगी है, मैं एक बात कहना चाहूंगी अध्यक्ष महोदय राजनैतिक महत्वकांक्षा कोई बुरी बात नहीं है लेकिन यदि व्यक्तिगत महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिये दिल्ली की राजनीतिक स्थिरता को अगर आप कगार पर खड़ा कर देना चाहें तो ये स्वीकार्य नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, आज वर्तमान में सत्य का गला घोटा जा रहा है, चरित्र की हत्या हो रही है, अनुशासनहीनता बढ़ गयी है।..

माननीय अध्यक्षः भावना जी विषय आपका आ गया। कंक्ल्यूड करिए प्लीज।

सुश्री भावना गौडः अमर्यादित आचरण..

माननीय अध्यक्षः नहीं कंक्ल्यूड करिए।

सुश्री भावना गौडः हमारा विषय है सर।

माननीय अध्यक्षः नहीं और कई वक्ता हैं उनको बोलना है।

सुश्री भावना गौडः महिलाएं नहीं बोलेंगी तो कौन बोलेगा सर।

माननीय अध्यक्षः देखिए, कई वक्ता हैं सबको बोलना है।

सुश्री भावना गौडः अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगी कि 2014 और 2019 के चुनाव के अंदर लोकसभा के अंदर नरेन्द्र मोदी जी ने भी एजेंडा बनाया था कि हम देशभर की महिलाओं को सशक्त करेंगे, उनकी सुरक्षा करेंगे। अध्यक्ष महोदय मैं एक आंकड़ा जरूरी रखना चाहूंगी अगर मेरे को एक मिनट का आप समय दें। अध्यक्ष महोदय अपराध का लेखा जोखा रखने वाली राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक केन्द्र सरकार प्रदेशों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के उच्चतम दर को दिल्ली में भी उसको दर्ज किया गया है, पिछले तीन सालों में महिलाओं के खिलाफ हुई हिंसा के मामलों को साल 2019 में 13 हजार 395 और ये अब बढ़कर 14 हजार 227 हो गई है और 19 महानगरों की श्रेणी में कुल अपराधों का 32.20 फीसद आंकड़े जो हैं वो घटनाएं दिल्ली के अंदर घट रही हैं। अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति हो तो मैं एलजी साहब को भी..

माननीय अध्यक्षः नहीं, अब और नहीं प्लीज।

सुश्री भावना गौडः दो पंक्तियां एलजी साहब के लिए भी बोलूंगी सर- शपथ लेना तो सरल है पर निभाना ही कठिन है,

ये एलजी साहब के लिए है।

''शपथ लेना तो सरल है पर निभाना ही कठिन है

साधना का पथ कठिन है तप, तपस्या के सहारे
तप तपस्या के सहारे इन्द्र बनना तो सरल है
स्वर्ग सा ऐश्वर्य पाकर मद भुलाना ही कठिन है
साधना का पथ कठिन है।''

धन्यवाद अध्यक्ष महोदय..

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

सुश्री भावना गौडः आपने मुझे बोलने का मौका दिया बेशक से वो अधूरा ही दिया। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान गौतम जी।

श्री राजेंद्र पाल गौतमः धन्यवाद माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने इतने गंभीर मुद्दे पर दिल्ली में कानून व्यवस्था विशेष रूप से महिलाओं के उपर होने वाले अत्याचार और उसमें जो दिल्ली की सरकार को चलाने का अनऑथराइज तरीके से सपना देखते हैं और जो अधिकार उनका खुद का है कानून व्यवस्था दिल्ली की बनाए रखना उसमें पूरी तरह फेल हैं। उस मुद्दे पर गंभीर मुद्दे पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, महादेवी वर्मा जी ने अपनी एक कविता में लिखा था -

''अबला जीवन हाय तेरी यही कहानी,

आंचल में है दूध और आंखों में पानी।''

अनफॉरचुनेटली ये आंखों में पानी क्यों है। इसके कारण क्या हैं लगातार महिलाओं के उपर होने वाले उत्पीड़न क्यों बढ़ रहे हैं। एनसीआरबी का डाटा एक लाख 89 हजार 945 केसिस पिछले चार साल में दलित atrocities के हुए हैं और उसमें भी मेजोरिटी महिलाओं के साथ हुए हैं जो अपने आप में बेहद शर्मनाक हैं और इन घटनाओं का लगातार बढ़ना और इस तरह की घटनाओं में जिनकी केन्द्र में सरकार है उनके लोगों का ज्यादा पाया जाना इसके पीछे की बैकग्राउंड को पढ़ना होगा और समझना होगा।

आपको याद होगा पिछले दिनों अभी एक वीडियो आया था कर्नाटक का, कर्नाटक में एक महिला को वहां के विधायक थप्पड़ मार रहे हैं।वो वीडियो सबके सामने आया, उसके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने कोई कार्रवाई नहीं की। सुल्तान पुरी में एक केस अभी पिछले दिनों का है 13 किलोमीटर तक किस तरह बच्ची को घसीटा गया। स्कूल के अंदर अभी पिछले दिनों रेप हुआ बच्ची के साथ, हमारी दिल्ली की महिला आयोग ने उसपे संज्ञान लिया तब जा के मुकद्मा दर्ज हुआ। तो एलजी साहब अपने अधिकार क्षेत्र के उसमें काम तो करते नहीं हैं और दिल्ली के सरकार के काम को रोकते हैं लेकिन इस तरह की घटनाएं क्यों हैं? उसमें ज्यादातर लोग भाजपा से जुड़े हुए क्यों हैं, चाहे वो कुलदीप सेंगर का मामला हो, चाहे उनके एक पिछले मंत्री असीमानंद का मामला हो। इसका एक बहुत बड़ा एक माइंट सैट भी है। एक विचारधारा भी है जो इसके

पीछे काम कर रही है शायद सदन को पता ना हो। तो मैं आज बता दूं भारत के अंदर एक राज्य था साउथ में त्रावणकौर वहां दलित महिला को अपने स्तनों को ढकने पर भी टैक्स लगता था और ये ज्यादा पुरानी बात नहीं है, अभी करीब 200 साल पुरानी बात है। और आप देखेंगे हाथरस के अंदर जो रेप की घटना घटी, रेप करने वाले को भी अभी एक को सजा हुई है, बाकियों को छोड़ दिया। पहले तो ये शर्मनाक है उससे हम दुखी हैं लेकिन इससे भी ज्यादा शर्मनाक ये है कि जिसने रेप किया उसकी जाति के लोगों ने उसके फेवर में महा पंचायत की, कहां है यूपी पुलिस, कहां है उनका बुलडोजर? क्या ये बुलडोजर केवल गरीबों के घर पर चढ़ेगा? वहां एक झुग्गी में आग लगा दी, एक मकान के अंदर द्विवेदी परिवार की दो दो महिलाएं उसमें जल गई तो उनका तो चरित्र ही महिलाओं का उत्पीड़न करना है। बिलकिस बानों के साथ सामूहिक बलात्कार किया, उनके पेट में बच्चे को मार दिया। कई लोगों को उनके परिवार के लोगों को मार दिया और मारने वाले लोगों को जेल से समय से पहले ना केवल रिहा किया गया बल्कि उनको माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर, उसकी वीडियो बनाकर जिस तरह सोशल मीडिया पे डाली गई अगर इस तरह की घटनाएं घटेंगी तो महिला उत्पीड़न की घटना तो बढ़ेंगी। ऐसी चीजों पे रोक लगनी चाहिए। उत्पीड़न किस महिला का हो रहा है उसकी जाति, धर्म देखने की बजाय सबको मिलके एक सुर में उत्पीड़न का विरोध करना चाहिए और मैं लास्ट में एक बात कह के अपनी बात को

खत्म करूंगा चूंकि और भी कुछ साथियों को बोलना है। जिस ग्रंथ को भारत के अंदर कुछ लोग पूजते हैं और जो पिछले दिनों चर्चा में रहा जिसके उपर काफी शोर शराबा हुआ है वो ग्रंथ कहता है-

''ढोल, गंवार, शूद्र, पशु, नारी
सकल ताड़ना के अधिकारी।''

और ऐसे ग्रंथ की पूजा करना जो ढोल को, गंवार को, शूद्र को, पशु को और नारी को एक श्रेणी में रख के, मारने पीटने की बात करता हो, ताड़ना, ताड़ने का क्या मतलब है उसी के अंदर उसको पीटना लिखा गया है। कुछ लोग आज कह रहे हैं शिक्षा देना होता है उसका मतलब, रूप बदल रहे हैं उसका। मुझे लगता है कि सबको मिल के ऐसे किसी भी ग्रंथ में, चाहे वो किसी भी धर्म का ग्रंथ हो, जिसमें महिलाओं का उत्पीड़न की बात हो, जिसमें इंसान को इंसान ना मानने की बात हो, ऐसे सभी प्रकार के ग्रंथों का हमें बहिष्कार करना चाहिए या ऐसे ग्रंथों में से ऐसी बातों को अविलंब सरकार उनको डिलीट करे। जब कंस्टीट्यूशन में अमेंडमेंट हो सकता है और जो चीजें समय के साथ लगता है कि ये गलत हैं उनको दूर किया जाता है, अमेंडमेंट किया जाता है तो ऐसी चीजों को, ऐसे ग्रंथों से तुरंत निकाला जाना चाहिए चूंकि कहीं ना कहीं महिला उत्पीड़न उससे कहीं ना कहीं जुड़ा है, क्योंकि उन्हीं ग्रंथों में महिलाओं के बारे में इतने बुरे बुरे शब्द लिखे हैं, उनके करैक्टर के बारे में इतने बुरे शब्द लिखे हैं। आदमी चाहे जितने

मर्जी औरतों से संबंध बना ले, जितनी मर्जी शादियां कर लें उसकी चर्चा नहीं होगी।..

माननीय अध्यक्षः गौतम जी, प्लीज कंक्ल्यूड करिए।

श्री राजेंद्र पाल गौतमः लेकिन महिलाओं के उपर जिस तरह चर्चा होती है ये बेहद शर्मनाक है और मैं आपके माध्यम से ये कहना चाहता हूं माननीय एलजी महोदय जिस तरह की घटना आईपी कालेज में हुई है, इस तरह की घटना और वो भी विधानसभा के नजदीक और एलजी साहब के खुद के बंगले के नजदीक, ये हम सबको शर्मसार करने वाली है। दिल्ली को अपमानित करने वाली है। आपके बस की नहीं है अगर दिल्ली की कानून व्यवस्था तो आप दिल्ली सरकार के काम में बाधा डालने की बजाय आप या तो अपने काम को देखें और नहीं संभाल पा रहे हैं तो आप इस्तीफा दीजिए। माननीय अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना कर रहा हूं कि छह मिनट से ज्यादा ना बोलें क्योंकि आज फिर..

...व्यवधान...

सुश्री भावना गौडः पांच मिनट बोलने दिया है सर।

माननीय अध्यक्षः नहीं आपको पूरे बारह मिनट मिले हैं। बंदना जी। पूरे बारह मिनट बोली हैं आप।

श्रीमती बंदना कुमारीः धन्यवाद अध्यक्ष जी, महिला सुरक्षा के मुद्दे पे मुझे बोलने का मौका दिया आपने। मैं अपनी एक बात से शुरूआत करती हूंः

''हौंसलों से भरती है उंची उड़ान
ना कोई शिकायत था ना कोई थकान
सबके जीवन का आधार है वो
मत करना तुम नारी का अपमान
मत करना तुम नारी का अपमान।''

आज जिस तरीके से आईपी वीमेंस कालेज में दीवार फांद के और कुछ उपद्रवी घुसे और जिस तरह से महिलाओं के साथ बर्ताव किया, गाली-गलौच से ही शुरू और गाली-गलौच भी नहीं, उनपे जो शब्द उनको बोला गया, शायद वो महिला बोल भी नहीं पा रही हैं उस शब्द को और उनके साथ मतलब हाथापाई, उनसे छेड़खानी और जिस तरह की उपद्रव उपद्रवी ने कालेज के अदंर घुस के किया शायद ये हम सबके लिए बहुत ही दर्दनाक है, शर्मनाक है और जिस जगह पे हुई अध्यक्ष जी, आपने भी बताया जो कि विधानसभा की कुछ दूरी पे मुख्यमंत्री जी के आवास के बगल में, एलजी साहब के आवास के बगल में, सारे हमारे मंत्रीगण

ऑफिसर्स सभी आसपास ही रहते हैं और उस जगह इतनी बड़ी और थाना भी पास में, थाना भी पास में और उस जगह इतनी बड़ी घटना घटती है और पुलिस को भनक तक नहीं लगती है, बार बार सौ नंबर कॉल 112 नंबर कॉल करने के बावजूद भी पुलिस नहीं आती। ये हम सबके लिए शर्मनाक है, खासकर दिल्ली में चुनी हुई सरकार, लगातार महिलाओं के लिए अरविंद केजरीवाल जी की सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है सीसीटीवी हो, या बसों में मार्शल की, सार्वजनिक बसों को घर तक पहुंचाने की सुविधा और बसों में महिलाओं के लिए फ्री सेवा। ये दिल्ली सरकार लगातार कर रही है। सीसीटीवी तो लग गए, सीसीटीवी में सारी उपद्रवी की तस्वीरें भी आ गई लेकिन इनको पकड़ेगा कौन? इसको इन उपद्रवियों को पकड़ेगा कौन? कौन इसको सजा देगा? ये चिंता बार बार हम महिलाओं के जहन में रहती है जो सीसीटीवी तो लगे हैं, सीसीटीवी में सारे उपद्रवी दिख रहे हैं, उपद्रव करते भी दिख रहे हैं लेकिन इनको पकड़ने की जिम्मेदारी केन्द्र की बैठाई हुई हमारी एलजी साहब की जिम्मेदारी है और एलजी साहब ने शायद दिल्ली को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। दिल्ली में कहीं भी, आज महिलाएं हर क्षेत्र में, हर सैक्टर में निकलती हैं, नाईट ड्यूटी भी करती है, डे ड्यूटी भी करती हैं वो अपने आप को हंडरेड परसेंट समाज ने जो जिम्मेदारी दी है उसमें प्रूव करने की कोशिश करती हैं लेकिन हमेशा उनके परिवार में, उनके घरवालों को यही डर सताता रहता है जो थोड़ा भी टाइम से

आगे पीछे हुईं तो पता नहीं कहां होंगी, कैसे होंगी और वो उनकी चिंता में उनके परिवार वाले रहते हैं। तो आज जो जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस को मिली है वो अपनी जिम्मेदारी को निभाने में एलजी साहब असफल रहे हैं क्योंकि लॉ एंड ऑर्डर का पूरा काम एलजी साहब के पास है। दूसरी और महिला सुरक्षा के लिहाज से दिल्ली में कानून व्यवस्था की पूरी तरह से चरमराई सी गई है। केन्द्र सरकार के अंतर्गत आती हुई दिल्ली पुलिस के अंडर दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था बेहद ही दयनीय अवस्था में है। पिछले दिनों कंझावला की घटना हम सबसे छिपी नहीं है। जिस तरह से कंझावला में घटना घटी और पुलिस को भनक तक नहीं लगी और लगभग 10 से 15 किलोमीटर तक घसीटती हुई ले जाती गाड़ी, हमारी पुलिस को पता भी नहीं लगा। बाद में भी पूरी घटना में पुलिस की असंवेदनशीलता झलक रही थी जिस तरह से इस बात को सीरियस नहीं लिया जा रहा था। हमारे माननीय एल.जी. साहब जिनके अंडर दिल्ली पुलिस और कानून व्यवस्था पूरी तरह से उनके पास है। यहां उन्हें सख्त कार्रवाई की आवश्यकता थी जो बिल्कुल नहीं हुई। एल.जी. साहब का सारा ध्यान दिल्ली की चुनी हुई सरकार के कामों में टांग अड़ाना और उन्हें काम करने से रोकने में चला जाता है। महिला सुरक्षा जैसी संवेदनशील मुद्दे पर, तो एल. जी. के अंदर आने वाले दिल्ली पुलिस पूरी तरह से विफल रही है। महिला सुरक्षा के हालात तो इस बात से भी पता लग जाते हैं जब दिल्ली की महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल जी के

साथ एक घटना घटती है जिसमें उन्हीं की कार के अंदर से सड़क पर घसीटने की कोशिश की जाती है। इस घटना से साफ पता लगता है कि दिल्ली में महिलाएं, खासतौर पर रात के समय कितनी असुरक्षित हैं। मेरी इस सदन के माध्यम से हमारी सरकार से भी, अध्यक्ष जी आपके माध्यम से भी ये गुजारिश है जो इस तरह के जो भी लापरवाही हो रही है पुलिस की ओर से उसपर सख्त से सख्त एक बार कार्रवाई की जाए और साथ में कमिश्नर साहब से बुलाकर पूछा जाए जो उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए सिर्फ बड़ी-बड़ी, लम्बी-लम्बी बातें ही होती है, क्या ग्राउंड पर उनकी सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था है? शायद हम सब चुने हुए प्रतिनिधि को भी पता नहीं, जो महिला सुरक्षा के लिए क्या नियम बना है और वो किस तरह से लागू होता है, कितना जमीन पर वो आ रहा है। ये सब हम सबको सोचने की जरूरत है।..

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद बंदना जी अब, धन्यवाद प्लीज।

श्रीमती बंदना कुमारीः आज एक चुनी हुई सरकार के नाते आपसे भी मैं रिक्वैस्ट कर रही हूं जो इसपर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, जय हिंद। जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान साहनी जी। प्रलाद सिंह साहनी जी यस, प्रलाद सिंह साहनी जी।

श्री प्रलाद सिंह साहनीः अध्यक्ष महोदय, ये मसला एक बहुत गम्भीर मसला है। अभी मेरी बहन ने एक बात कही कि यहां पर

पुलिस कमिश्नर को बुलाया जाए और पुलिस कमिश्नर को इस घटना की जांच कराई जाए, मेरी constituency का मामला है इसलिए मैं ये कहना चाहता हूं और हम एमएलए सब मिलकर एल. जी. हाउस पर प्रोटैस्ट करें कि एल.जी. अपनी ड्यूटी अदा करने में असमर्थ हैं, उनका काम सिर्फ चुनी हुई सरकारों को किस तरीके से डाउन किया जाए, किस तरीके से किसी मैंबर को खरीदा जाए, वो इस काम में लगे हुए हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप दोनों चीजें कराई जाएं, एल.जी. हाउस के ऊपर डैमोंस्ट्रेशन किया जाए। आज मैं अखबार में पढ़ रहा था आदर्श नगर में एक डॉक्टर ने 4 साल की बच्ची के साथ इस तरह की हरकत की, जब उसकी बच्ची की माँ अपना सामान बाहर से लाने के बाद अंदर लाई तो उसके अंदर डॉक्टर गलत हरकत कर रहा था। ये बहुत गम्भीर मामले हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है और खासकर के स्पीकर साहब आपने इसको उठाया मैं आपको दिल की गहराइयों से आपको धन्यवाद करता हूं।

माननीय अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। राजकुमारी ढिल्लों जी।

श्रीमती राजकुमारी ढिल्लोंः अध्यक्ष महोदय जी, बहुत ही शर्मसार घटना जो कल आईपी कॉलेज में दिनदहाड़े फैस्टिवल में हुई उसकी हम भर्त्सना करते हैं और एक पंक्तियों के साथ मैं अपनी बात शुरू करूंगीः

‘‘अपमान मत करना नारियों का इनके बल पर जग चलता है,

पुरुष जन्म लेकर तो इन्हीं की गोद में पलता है।''

औरत को देने वाले उपहार में सबसे बेहतर चीज है उनका सम्मान करना। अध्यक्ष जी, जब पूरा देश दुर्गा अष्टमी मना रहा है और दुर्गादेवी जो कि शक्ति की देवी कहलाती हैं लेकिन दुर्भाग्य है कि देश की राजधानी दिल्ली के आईपी कॉलेज के अंदर कल जिस तरीके का व्यवहार वहां मौजूद लफंगे लड़कों द्वारा कॉलेज का गेट/दीवार फांदकर अंदर आना और उनके फेस्टिवल में आकर छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार करना और मारपीट जैसी हरकतें करना दिल्ली को शर्मसार कर रहा है। अफसोस होता है, एक तरफ अडानी जैसे व्यक्ति को बचाने के लिए हिंदुस्तान की पार्लियामेंट चलने नहीं दे रहे, देश का पूरा तंत्र विपक्षियों को कुचलने में लगा हुआ है, वहीं दिल्ली के अंदर पहले मिरांडा कॉलेज में और अब आईपी कॉलेज के अंदर इस तरह का व्यवहार बच्चियों के साथ किया जा रहा है। देश की राजधानी शर्मसार हो रही है। मैं पूछना चाहती हूं देश के गृहमंत्री जी से जिनकी जिम्मेदारी दिल्ली की पुलिस, कानून व्यवस्था को देखना है और ये क्या कर रहे हैं, देश देख रहा है, विदेश देख रहा है। ये सभी गैर भाजपा की सरकारों को तोड़ने में व्यस्त हैं और प्रधानमंत्री के व्यापारिक मित्रों को और अधिक अमीर बनाने में व्यस्त हैं। जबकि हमारी बच्चियाँ दिल्ली के अंदर असुरक्षित है। अफसोस है उपद्रवियों को बंद करने के बजाए फैस्टिवल को ही इन्होंने बंद करा दिया। कब तक हमारी बेटियाँ डर के मारे अपने घर से कॉलेज और स्कूल के अंदर नहीं जाएंगी और

ऐसे कार्यक्रमों में भाग नहीं ले पाएंगी। मैं केंद्र की सरकार को, महिला विरोधी और लोकतंत्र विरोधी करार करती हूं और इसकी घोर निंदा करती हूं और ऐसे लफंगों और उपद्रवियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग करती हूं। और एक मेरा निवेदन इस मंच के माध्यम से दिल्ली के माननीय उप-राज्यपाल वी के सक्सेना जी के लिए है कि आप दिल्ली सरकार के अच्छे कामों में अड़चन लगाने की बजाए दिल्ली के पुलिस कमिश्नर और दिल्ली की पुलिस पर लगाम लगा लें तो शायद यह घटना नहीं घटती। मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जो पुलिस है वो अविलम्ब कोई कार्रवाई करेंगे और ऐसे उपद्रवियों को पकड़कर दंड़ित करने का काम करेंगे, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः शिवचरण गोयल जी।

श्री शिवचरण गोयलः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने महिलाओं के उत्पीड़न पर मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी आज नवरात्रों के दिन चल रहे हैं और नवरात्रों में हम अपनी बहन-बेटियों का, माताओं का सम्मान करते हैं। उनकी पूजा करते हैं, तिलक लगाते हैं, चोकियों में जाते हैं और बड़ी-बड़ी बात करते हैं। लेकिन प्रत्यक्ष रूप में क्या हो रहा है। कल की घटना ने फिर दिल्ली को शर्मसार कर दिया। आज देश की आधी आबादी, जिनकी सुरक्षा का दायित्व, हरएक के ऊपर है और वो सुरक्षा करने में नाकाम। कल की जो घटना हुई दिल्ली विश्वविद्यालय में जिस तरह से कॉलेज के अंदर फैस्टिवल के अंदर, उन बच्चियों के साथ कुछ बदमाशों ने, कुछ चंद बदमाशों ने दीवार फांदकर हमारी बेटियों केसाथ

छेड़खानी की, बदतमीजी की और ये चंद शराब पीकर, दीवार फांदकर और सिविल लाइन का जो एरिया है यहां पर एल.जी. हाउस मुश्किल से दो मिनट का रास्ता, हमारे मुख्यमंत्री, हमारे मंत्री, हमारे सिविल लाइन की विधान सभा ये जब यहां पर सुरक्षित नहीं है, तो बाकी दिल्ली की व्यवस्था क्या होगी, ये एक सोचने का विषय है अध्यक्ष जी। तो जहां पर दिल्ली की सुरक्षा का दायित्व हमारे गृहमंत्री के पास है और गृहमंत्री के नुमाइंदे हमारे एलजी साहब हैं। अब एल जी साहब हर जगह पहुंच जाते हैं, उड़कर पहुंच जाते है। लेकिन जब भी कोई बात होती है सुरक्षा की। मैं अपने क्षेत्र के बारे में बताऊं, दो साल पहले पीडब्ल्यूडी रोड पर दिन-दहाड़े 5 बजे शाम को, एक ट्रक आया और जो सड़क पर जो रेलिंग लगी हुई थी, पीडब्ल्यूडी की उसको काटने लगा। तो हमारे वालियंटर ने उसको देख लिया और देखने के बाद उसको पकड़ लिया भईया जी आप ये काट रहे हैं, आपके पास कोई, उसने फिर एक नकली दस्तावेज दिखाया, उसने मेरे से बात की। मैं दूर था, मैंने कहा इसको पकड़ लो, इसकी फोटो खींच लो, ट्रक का नम्बर ले लो, ड्राईवर का मोबाइल नम्बर ले लो, सारे एविडेंस ले लिए, सिलेंडर, गैस कटर और तीन ग्रिल वो काटकर गाड़ी में डाल भी चुका था। उसकी पूरी इंफॉर्मेशन पुलिस को दी, पुलिस नहीं आई, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी को दी, वो नहीं आया और पूरी की पूरी एफआईआर दर्ज कर दी और आज दो साल हो चुके हैं, इतने एविडेंस देने के बाद। ड्राइवर की फोटो, ड्राईवर का

मोबाइल नम्बर, गाड़ी का नम्बर, दो साल के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। तो ये मैं लैटर एल. जी. साहब को भी लिख चुका हूं, कमिश्नर को भी लिख चुका हूं, पीडब्ल्यूडी को भी लिख चुका। लेकिन इस तरह की घटनाएं होंगी तो जो अपराधी होंगे बेखौफ होंगे। अभी हमारी बहन बंदना कुमारी जी ने कहा। हमने सीसीटीवी कैमरा लगवा दिये, हमने सिक्योरिटी गेट लगवा दिए हैं, हमने हर जगह महिलाओं की सुरक्षा के प्रबंध कर दिए। लेकिन जब सीसीटीवी में फोटोज आएगी उसको पकड़ेगा कौन, उसको पकड़ेगा कौन? उसे पता है कि पीछे हमारे एल जी साहब खड़े हैं, हमारी सुरक्षा करेंगे। आज दिल्ली में जो अपराधी हैं, पूरी तरह से बेखौफ हो चुके हैं, उन्हें डर नहीं है और यही कारण है कि आज दिल्ली असुरक्षित है। तो मेरी हाथ जोडकर विनती है एल. जी. साहब से, आपको दायित्व दिया है दिल्ली की सुरक्षा का आप उसको सम्भालें और दिल्ली के कामों में आप रोड़ा ना अटकाएं। आप अच्छे काम करें और दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करे, यही हमारा दायित्व है। बस आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत शुक्रिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः राखी बिरला जी।

श्रीमती राखी बिरलाः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इतने गम्भीर और ज्वलंत मुद्दे पर बोलने का मौका दिया है। अध्यक्ष जी मैं साल 2013 से इस सदन की सदस्य हूं, आज साल 2023 चल रहा है। लगभग एक दशक हो गया। इस एक दशक में दर्जन

भर से भी ज्यादा बार ये सम्मानित सदन दिल्ली की बेटियों की सुरक्षा, दिल्ली के लोगों की न्यायायिक व्यवस्था, दिल्ली में प्रशासन के साथ-साथ अनुशासन पर घंटो-घंटों गम्भीर चर्चा कर चुका है। दुर्भाग्यपूर्ण हम इस सदन में चर्चा करके जाते हैं। अपने विचारों को, अपनी सोच को सामने बैठे लोगों की जिम्मेदारी को सुनिश्चित करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ अपने वक्तव्य को रखते हैं। लेकिन अंत में सदन खत्म बात खत्म, चिंता खत्म। चिंता तब तक खत्म हो जाती है जब तक कोई गम्भीर जघन्य आत्मा को झंझोड़ने वाला एक और कांड देश की इस राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में घटित ना हो। आज कुछ भी कहने का मन नहीं है अध्यक्ष जी। आज ना कोई दो लाईनें दोहराने का मन है, ना पक्ष के ऊपर, विपक्ष के ऊपर कोई छींटाकशी करने का मन है। आज एक अपने आप को देश की बेटी इस तरह से बेबस महसूस कर रही है कि वो जाए तो जाये कहां। स्कूल पढ़ने जाती है, मासूम है, वहां उसकी अस्मिता उसकी इज्जत के ऊपर खतरा मंडराता रहता है। कॉलेज पढ़ने जाती है, वहां पर उसको हर वक्त एक अन्जाने लोगों का भय और डर सताता रहता है। दफ्तर में या कहीं और काम करने जाती है तो एक खौफ का माहौल उसके मन में रहता है या खुद कोई बहुत बड़ी अफसर या बहुत बड़ी राजनैतिक पृष्ठभूमि पर क्यों ना हो तब भी उसके मन के अंदर एक भय एक खौफ हर वक्त मौजूद रहता है। आज देश को आजाद हुए 75 साल हो गए और इन 75 सालों के अंदर बारी-बारी से चुनकर आई हुई सरकारों की

जो सबसे बड़ी विफलता रही वो आज तक अपनी आधी आबादी को ये विश्वास नहीं दिला पाये कि जिनको तुम चुनकर लाते हो वो तुम्हारे लिए मजबूती से खड़े हैं, तुम्हारी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए दिन रात एक करेंगे। अध्यक्ष जी, मैंने पिछली दौरान भी अपने वक्तव्य के वक्त एक बात कही थी और उस वक्तव्य की लाईनों को मैं आज फिर दोहराना चाहती हूं। साल 2012-13 का वो मंजर आप याद करिये जब निर्भया कांड हुआ था। सड़कों पर, चौक पर, चौराहों पर, गांव में, कूचों में एक जन सैलाब निकला न्याय दिलाने के लिए। उस जन सैलाब ने पूरे देश के अंदर एक ऐसा माहौल बनाया कि उस वक्त की जो केन्द्र की सरकार थी वो अर्श से फर्श पर आ गई और उस वक्त की जो दिल्ली की सरकार थी वो भी एक आंकड़े में सिमट कर रह गई। फिर साल 2013 के बाद इस देश में दो अलग-अलग सरकारें स्थापित हुई। इन दोनों अलग-अलग सरकारों से लोगों ने और खासकर के देश की आधी आबादी जिन्होंने देखा इनके प्रतिनिधियों को अपनी सुरक्षा के लिए संघर्ष करते हुए, उन्होंने इनके ऊपर अति गम्भीर तरीके से एक बिल्कुल ही लाईन पार करते हुए विश्वास जताया। अरविंद केजरीवाल जी को प्रचंड बहुमत 67 सीटों के साथ और प्रधान मंत्री मोदी जी की सरकार में भी अप्रत्याशित प्रचंड बहुमत के साथ उनकी सरकार को बनाने का काम इस देश की जनता ने किया। आज हम फिर उस मुहाने पर खड़े हैं जहां पर आज देश की जनता को फिर सोचना होगा कि एक छोटे से राज्य

दिल्ली के अंदर जिस साधारण सी, सामान्य से लोगों की पार्टी को आपने चुना उस सामान्य वर्ग से आने वाले बेटे–बेटियों ने, दिल्ली के बेटे ने अपनी बहनों के लिए, अपनी माताओं के लिए, दिल्ली की आधी आबादी के लिए पिछले आठ नौ सालों में पूरी लगन, पूरी आत्मीयता के साथ उनकी सुरक्षा व्यवस्था का प्रबन्ध किया। चूंकि दिल्ली देश की राष्ट्रीय राजधानी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था प्रत्यक्ष तौर पर यहां की चुनी हुई सरकार के अन्तर्गत नहीं आती, तो आये दिन हम देखते हैं दिल्ली के अंदर ऐसे जघन्य अपराध होते हैं जो आप को झंझोड़ कर रख देते हैं। चाहे आपके समक्ष आपकी छोटी सी गुड़िया खेलती हो, घर में बीबी आपका रसोई में खाना बनाती हो, माँ आपकी मन्दिर में पूजा करती हो। एक मिनट पर मैं जब तीनों के ऊपर से नजर गुजरती है तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। आज दिल्ली के लोगों की ये हालत हो गई है। दिल्ली की सुरक्षा की हम लगातार बात कर रहे हैं। मेरे साथी विधायकों ने जिस प्रकार से अपनी पीड़ा को रखा, विगत घटी रात की घटना को बताया, ये पहली बार नहीं घट रही और जिन लोगों को हम अपना काम याद दिलाने की बात कर रहे हैं, जिन लोगों की जिम्मेदारी को सुनिश्चित करने की बात कर रहे हैं, क्या कभी हमने उनकी हिस्ट्री देखी? क्या कभी हमने उनकी कार्यशैली और उनका व्यक्तिगत व्यवहार देखा? अध्यक्ष जी, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जिसकी लॉ एंड आर्डर की सुरक्षा की व्यवस्था प्रत्यक्ष तौर पर केन्द्र की चुनी हुई सरकार के अन्तर्गत आती है। उसमें बैठा हुआ मौजूदा

प्रधान मंत्री जब किसी राज्य का मुख्य मंत्री हुआ करता था तो वो महिलाओं की जासूसी कराने में आरोपित है। ये कोई हवा में आरोप नहीं है। ये कोई मनगढंत कहानी नहीं है। ये बड़े-बड़े उस वक्त के न्यूज पेपर्स में छपा। आज भी रिकार्ड में है और जिस महिला की वो जासूसी कराते थे वो कोई सामान्य महिला नहीं थी एक बहुत बड़े औहदे की, उन्हीं की सरकार में अधिकारी थी।..

माननीय अध्यक्षः राखी जी कन्क्लूड करिये अब राखी जी।

श्रीमती राखी बिरलाः जिसकी मौजूदा प्रधान मंत्री जी जासूसी कराते थे।..

माननीय अध्यक्षः प्लीज कन्क्लूड करिये। राखी जी कन्क्लूड करिये।

श्रीमती राखी बिरलाः सर दो मिनट लूंगी। अगर आप टोकेंगे तो ये चार मिनट बन जायेंगे। दो मिनट दे दीजिए। जिस गृह मंत्री के कंधों पर दिल्ली की सुरक्षा की जिम्मेदारी है, जिस गृह मंत्री को देश के लोग और दिल्ली के लोग इस आस से और इस उम्मीद से देखते हैं कि कभी तो ये व्यक्ति प्रदेशों की सरकार के तोड-मरोड के काम से बाहर आयेगा। कभी तो ये व्यक्ति विधायकों की खरीदो फरोख्त करने से इसको थोड़ा समय मिलेगा। कभी तो ये व्यक्ति अपनी तडीपार की मानसिकता को परे रखकर एक बाप, एक पिता और एक भाई की जिम्मेदारी को का एहसास करते हुए एक गृह मंत्री के रूप में दिल्ली की बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित

करेगा। लेकिन दुर्भाग्यवश देश के न्यायधीशों ने संविधान की मर्यादा को रखते हुए जिस व्यक्ति को नामजद तड़ीपार घोषित किया हो तो उससे मैं क्या, विपक्ष क्या, पक्ष क्या उनके घर की खुद की बहन बेटियां सुरक्षा की कभी उम्मीद नहीं कर सकती। इसके साथ-साथ बार-बार मेरे साथी विधायक कह रहे हैं एलजी महोदय अपना काम नहीं करते। एलजी महोदय अपनी जिम्मेदारी को सुनिश्चित नहीं करते तो ऐसा नहीं है। एलजी महोदय अपने काम बड़ी बखूबी से करते हैं। वो अपनी जिम्मेदारी को, बड़ी जिम्मेदारी को बड़े ही dedication के साथ, पूरी विनम्रता के साथ निभाते हैं। उनका काम ही है चुनी हुई सरकारों के कामों में रोड़ा अटकाना। उनका काम ही है कि वो अपने जो आका है उनकी ताल पर नाचना और उनका काम ही है कि जो पुलिस के लोग है जो लॉ एंड आर्डर है उनसे पैसा बटोरना। ऐसा कोई पुलिस वाला नहीं है, ये सब लोग गलत कह रहे है अध्यक्ष जी कि पुलिस काम नहीं करती। दिल्ली पुलिस खूब काम करती है। आप सबकी विधान सभा में गैर कानूनी तौर पर जो सट्टे के काम चलते हैं वो दिल्ली पुलिस की रहनुमाई के दम पर ही चलते हैं।..

माननीय अध्यक्षः राखी जी अब कन्क्लूड करिये।

श्रीमती राखी बिरलाः जितने भी जो है गैर कानूनी इस दिल्ली के अंदर धंधे होते हैं वो दिल्ली पुलिस के जो है आशीर्वाद से ही फलते और फूलते हैं।..

माननीय अध्यक्षः नहीं राखी जी अब कन्क्लूड करें।

श्रीमती राखी बिरलाः सर दो मिनट।..

माननीय सभापतिः नहीं अब नहीं। पहले भी दो मिनट था, अब भी दो मिनट।

श्रीमती राखी बिरलाः जिस एलजी महोदय से हम लोग हमारी दिल्ली की बहन बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार लगा रहे हैं, उम्मीद लगा रहे हैं, भाईयों-बहनों वो उम्मीद लगाने की आपको बिल्कुल जरूरत नहीं है। क्योंकि अन्ततः वो उम्मीद टूटनी है क्योंकि वो खुद व्यक्ति महिला विरोधी है। महिलाओं को डराना, महिलाओं को धमकाना, महिलाओं के ऊपर हमला कराना और कैसी महिला। महिला तो महिला है चाहे वो सामान्य हो या हाई प्रोफाइल हो, चाहे प्रधान मंत्री हो या एक झुग्गी में रहने वाली महिला हो। देश के लिए लाखों आन्दोलनों में लिप्त एक समाज सेवी, एक आन्दोलनकारी महिला पर किस प्रकार से लाठी बरसाई, विनय सैक्सेना के कहने पर बरसाई गई, उनके गुंडों के द्वारा बरसाई गई। तो मैं आज ये कहना चाहती हूं आप के माध्यम से सदन को भी और आपसे एक प्रार्थना करना चाहती हूं, सदन में आप एक ऐसी कमेटी बनाये, आप अपनी अध्यक्षता में ही वही कमेटी बनाये जो पुलिस कमिश्नर को, जिम्मेदार अधिकारियों को इस सम्मानित सदन में तलब करे और बेटियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए कड़े से कड़े कदम उठाये। क्योंकि जो केन्द्र में चुनी हुई सरकार है वो खुद महिला विरोधी मानसिकता और उन अपराधों में लिप्त है।..

माननीय अध्यक्षः कन्क्लूड करिये। अब कन्क्लूड करिये।

श्रीमती राखी बिरलाः जो एलजी महोदय बैठे हैं वो खुद इस विरोधी मानसिकता का प्रदर्शन करते हैं और इन अपराधो में लिप्त रहते हैं। मैं उम्मीद करूंगी कि मेरे इस प्रस्ताव का सदन जो है समर्थन भी करेगा और इस सदन में एक ऐसी कमेटी बनेगी जो ज्यादा नहीं तो कुछ कदम तो हमारी बेटियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु उठा ही सकती है। आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मेरी बातों को सुना इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करती हूं। धन्यवाद। जय हिंद। जय भारत।

माननीय अध्यक्षः विजेंद्र गुप्ता जी।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, आज एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर सदन में चर्चा हो रही है। लेकिन ये मौका है सरकार को आईना दिखाने का। मैं आतिशी जी को बधाई दूंगा कि आठ वर्ष के बाद केजरीवाल जी को दिल्ली की जनता के दबाव में जिस पार्टी के लगभग 15 प्रतिशत सदस्य महिला हैं। आठ साल लग गए उसमें से एक तो कायदे से तो दो बननी चाहिए लेकिन आठ साल लग गए वो भी मजबूरी में उनको महिला को रिप्रजेंटेशन सदन में देने में ऐज ए मिनिस्टर, तो इसलिए आपको बधाई।

दूसरा ये सरकार का करेज में बता रहा हूं की कितना सरकार महिलाओं की सुरक्षाओं के प्रति, महिलाओं के प्रति दिल्ली में अपनी भूमिका निभा रही है। दूसरा..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः एक सेकेंड विजेन्द्र जी,

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, एक मिनट। अध्यक्ष जी,..

माननीय अध्यक्षः नहीं, ऐसे नहीं चलेगा जो विषय है कल की घटना जो आई पी कालेज में हुई है इसने पूरी दिल्ली का सर, राजधानी का सर शर्म से झुका दिया है।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, मैं महिला की सुरक्षा पर बात हो रही थी न।

माननीय अध्यक्षः नहीं, उसी पर बात करिये।

श्री विजेंद्र गुप्ताः मुझे अपनी बात आप मुझे..

माननीय अध्यक्षः नहीं चर्चा उस विषय पर है।

श्री विजेंद्र गुप्ताः एक मिनट, टाइम तय कर दीजिए मैं अपनी बात उतने में पूरी कर दूंगा। पांचवी क्लास की एमसीडी के स्कूल में पढ़ने वाली बच्ची उसका रेप होता है, क्या कदम उठाया है आपने? आप एमसीडी में भी शासन में हैं पांच साल की बच्ची के साथ रेप होता है एमसीडी के स्कूल में सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। जो वर्किंग विमेन्स हैं दिल्ली में ये सिग्निफिकेंटली हमारे यहां लोअर हैं compared to working woman in comparision to

the other states उसका कारण क्या है महिला प्रतिशत जो है वर्किंग विमेन वो पुरुषों के मुकाबले बहुत कम है, क्यों है? क्योंकि.. unsafe transportation, congestion, last mile connectivity की बात की गई,.. last mile connectivity नहीं दी गई तो यानी कि XXX[1]

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी अब बैठ जाइये आप।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः XXX[1]

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी,..

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः XXX[1]

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः जो शराब नीति पर इस पर बोल रहे हैं निकाल दीजिए। यह निकाल दीजिए विषय क्या है ये कार्यवाही से निकाल दिया जाए सदन की।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः XXX[1]

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी अब बैठिये जो आप बोल रहे हैं आगे मैं उस पर समय नहीं दे रहा हूं।

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः XXX[1] शेल्टर होम्स सेफ होता है विमेन के लिए..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी बैठिये।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः और दिल्ली में शेल्टर होम जो हैं वो महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं तो आपने महिला सुरक्षा के लिए जो शेल्टर होम बनाए वो पूरी तरह से असुरक्षित हैं यानी कि कोई शेल्टर नहीं है महिला को..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी आई पी कालेज का एक बार नाम नहीं लेंगे।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः अगर वो मुसीबत में हो तो जहां जा सके।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आई पी कालेज की घटना का जिक्र एक बार नहीं करेंगे।

---

[1]चिन्हित अंश अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः पांचवा हमारा ये कहना है कि महिला सुरक्षा जो है वो..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिये अब, आप बैठिये हो गया ये हो गया।

श्री विजेंद्र गुप्ताः इस बात को हाइलाइट करता है कि आपने जो बजट रखा महिला सुरक्षा के लिए पिछले 8 साल में एक वर्ष भी उसको महिला सुरक्षा पर खर्च नहीं किया वो unspent रहा। जिस तरह इस दिल्ली में ये माहौल बन रहा है महिलाओं की असुरक्षा का उसके लिए दिल्ली की सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है और इस जिम्मेदारी को इस सरकार को मानना पड़ेगा क्योंकि हमारा यह कहना है बड़े साफ तौर पर कि सरकार..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी बैठ जाईये प्लीज।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अपनी जिम्मेदारी से भागने के लिए इस तरह के बातें उठा रही हैं..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी आप बैठिये प्लीज हो गया आपका समय पूरा हो गया।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः और दूसरा जो what initiative have the AAP Govt. taken to improve the lives of woman आदरणीय अध्यक्ष जी, दिल्ली में.

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी, मैं आग्रह कर रहा हूं बैठिये।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः तो चाहे वो आईपी कालेज की घटना हो चाहे वो एमसीडी स्कूल में पढ़ने वाली पांच साल की बच्ची के साथ ब्लात्कार का मामला हो ये सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल है। महिला सुरक्षा के मामले में सरकार बताए कि उन्होंने पिछले 8 साल में क्या कदम उठाये। बड़े-बड़े वायदे किये गये, बड़ी-बड़ी बातें की गई लेकिन आज दिल्ली की जनता ये मानती है कि अगर सबसे ज्यादा असुरक्षित है महिला दिल्ली में तो वो आम आदमी पार्टी के सरकार के काल में है। आप सिर्फ आरोप देकर..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिए।

श्री विजेंद्र गुप्ताः आप ब्लेम करके हर विषय का राजनीतिकरण करना और महिला सुरक्षा का भी राजनीतिकरण करना इससे बड़ा

दुर्भाग्य दिल्ली की जनता का और क्या हो सकता है। इस सदन के अंदर हर विषय पर राजनीति की जाती है और बड़े दुख की बात है..

माननीय अध्यक्षः ये जो कुछ अब विजेंद्र जी, नहीं विजेंद्र जी, ये बाहर निकालिये कार्यवाही से प्लीज।

श्री विजेंद्र गुप्ताः क्या बाहर निकालिये।

माननीय अध्यक्षः क्या बात कर रहे हैं आप।

श्री विजेंद्र गुप्ताः क्या मैंने गलत बोला, मैंने गलत क्या बोला।

माननीय अध्यक्षः क्या बात कर रहे हैं राजनीति की जाती है।

श्री विजेंद्र गुप्ताः नहीं मैंने क्या गलत बोला है

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः जरा आईपी कालेज में जाकर लड़कियों को दिखाओ।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः आप बताईये क्या गलत बोला..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठ जाईये, बैठ जाईये। आप अपने रवैये से बाज नहीं आएंगे, आप अपने रवैये से बाज नहीं आएंगे, न आ

सकते हैं आप बाज, बैठिये। माननीय गृह मंत्री आतिशी जी उत्तर देंगी, श्रीमती आतिशी जी।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः अब आपने मेरा हटवाया है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैंने वो हटवाया है जो शराब नीति पर आपने बोला है।

श्री विजेंद्र गुप्ताः शराब नीति पे क्या बोला मैंने।

माननीय अध्यक्षः बैठ जाइये आप,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अब आप फिर बहस कर रहे हैं,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप बहस कर रहे हैं फिर।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः फिर बहस कर रहे हैं। अब बैठ जाइये, बैठ जाइये बैठ जाइये, बैठिये।

माननीया गृह मंत्री (श्रीमती आतिशी मार्लीना): माननीय अध्यक्ष महोदय, कल जो दिल्ली में हुआ..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कोई बात नहीं।

श्री विजेंद्र गुप्ताः इस देश में न्याय का राज नहीं है ...

माननीय अध्यक्षः न्याय का राज है न।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कोई बात नहीं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ये वक्त आयेगा, न्याय कौन कर रहा है, अन्याय कौन कर रहा है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अब बैठिये अब।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ठीक है कोई बात नहीं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिए अब।

...व्यवधान...

माननीया गृह मंत्रीः विजेंद्र गुप्ता जी अभी तो आप मुझे बधाई दे रहे थे अब आप मुझे बोलने नहीं दे रहे हैं तो अब मुझे अपनी बात रखने का तो मौका दीजिए..

...व्यवधान...

माननीया गृह मंत्रीः हां जी विजेंद्र गुप्ता जी। अध्यक्ष महोदय, जो कल आईपी कालेज में हुआ देश की राजधानी में हुआ। देश की नंबर वन युनिवर्सिटी दिल्ली युनिवर्सिटी में हुआ उसके एक जाने माने कालेज के अंदर हुआ, ये न सिर्फ दिल्ली वासियों के लिए पर पूरे देश के लिए एक शर्मसार करने वाली घटना है। अगर हमारे शहर की बेटियां, अगर हमारे देश की बेटियां क्योंकि दिल्ली युनिवर्सिटी में सिर्फ दिल्ली के बच्चे नहीं पढ़ते हैं दिल्ली युनिवर्सिटी में देश के हर हिस्से से बच्चियां पढ़ने आती हैं बच्चे पढ़ने आते हैं और खासकर की जो दिल्ली युनिवर्सिटी के विमेन्स कालेजेज़ हैं वहां पर माता-पिता को लगता है की वहां पर हॉस्टल है हम देश के अलग-अलग हिस्सों से भी अपनी बेटियों को भेज सकते हैं और वो वहां पर अपनी बेटियों को भेजने में सुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन कल जो घटना घटी उससे न सिर्फ दिल्ली के लोगों को बल्कि पूरे देश के लोगों को बहुत झटका लगा है कि एक कालेज जो दिल्ली के बीचों बीच है, वहां पर हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं तो वो कहां पर सुरक्षित होंगी। माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी

हमारे विजेंद्र गुप्ता जी कह रहे थे की दिल्ली में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं और वो कह रहे थे की आम आदमी पार्टी की सरकार में सुरक्षित नहीं हैं। वैसे तो मैंने देखा है विजेंद्र गुप्ता जी काफी तैयारी करके आते हैं, काफी अपना पढ़-लिखकर रिसर्च करके आते हैं, तो मैं चाहूंगी विजेन्द्र जी की एक बार फिर से वैसे तो आपने पढ़ा ही होगा वो कांस्टीट्यूशनल अमेंडमेंट पढ़िये जहां दिल्ली को एक चुनी हुई सरकार मिली थी, आजकल वैसे भी वो बहुत चर्चा में है। वो कांस्टीट्यूशनल अमेंडमेंट क्या कहता है? वो कहता है कि जो सारे मुद्दे जिन पर बाकी राज्य सरकारों के पास पावर है चाहे वो बिजली हो, पानी हो, स्कूल हो, अस्पताल हो वो दिल्ली की चुनी हुई सरकार के पास रहेगी लेकिन तीन मुद्दे ऐसे रहेंगे दिल्ली में जहां पर जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ केन्द्र सरकार की और केन्द्र सरकार के नुमाइंदे एलजी साहब की रहेगी। वो तीन मुद्दे क्या हैं जो आर्टीकल 239एए में इस देश के संविधान में लिखे हैं वो हैं लैंड, लॉ एंड आर्डर और पुलिस। तो मैं भारतीय जनता पार्टी को यह याद दिलाना चाहूंगी कि दिल्ली में महिलाओं को सुरक्षा देना, दिल्ली में बेटियों को सुरक्षा देना सिर्फ और सिर्फ केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है और आपके एलजी साहब की जिम्मेदारी है लेकिन एलजी साहब के पास अपनी जिम्मेदारियां निभाने के अलावा सब चीज के लिए समय है। उनके पास सबसे ज्यादा समय है अरविंद केजरीवाल की सरकार के काम रोकने के लिए। पिछले कुछ ही महीनों में, आप पिछले कुछ सालों का तो छोड़ दीजिए कि पिछले

8 साल में उन्होंने कितने काम एलजी ने रोके हैं। पिछले कुछ महीनों में ही दिल्ली सरकारी स्कूल के टीचरों को फिनलैंड जाने से रोका, मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टरों की तनख्वाह को रोका, मोहल्ला क्लीनिक में दवाइयों और टेस्ट को रोका, मोहल्ला क्लीनिक के किराये को रोका, दिल्ली सरकार के हास्पिटल्स में जो स्टाफ ओपीडी पे बैठता था उनकी सेलरी को रोका, कई महीनों तक बुजुर्गों की पेंशन को रोका, ये सब काम रोकने के लिए एलजी साहब के पास समय है लेकिन जो तीन काम उन्हें संविधान द्वारा दिये गये हैं उसके लिए एलजी साहब को कभी समय नहीं मिलता। अध्यक्ष महोदय कल रात को यह घटना घटी मुझे पता नहीं है पुलिस ने जो लोग कालेज के अंदर घुसे उनको अरेस्ट किया, डिटेन किया कि नहीं किया लेकिन जो छात्राएं इस इनसिडेंट के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थीं उनको दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया है, अभी न्यूज में खबर आई है। अब आप बताइये कि कैसे दिल्ली की बेटियां सुरक्षित होंगी, कैसे दिल्ली की महिलाएं सुरक्षित होंगी जब जिस व्यक्ति के पास सुरक्षा की जिम्मेदारी है, पुलिस की जिम्मेदारी है उनके पास उसके लिए समय ही नहीं है। उनका सारा समय, एलजी साहब का सारा समय सिर्फ और सिर्फ एक काम में जाता है, अरविंद केजरीवाल की सरकार के काम रोकने में जाता है और किसी और काम में नहीं जाता। अध्यक्ष महोदय, अरविंद केजरीवाल जी ने, दिल्ली की चुनी हुई सरकार ने जो जो भी दिल्ली की चुनी हुई सरकार अपने अधिकार क्षेत्र में कर सकती थी चाहे वो

सीसीटीवी कैमरा लगाना हो, चाहे वो बसों में मार्शल रखना हो, चाहे महिलाओं को बस टिकट फ्री देना हो किज्यादा महिलाएं बस में जा सकें और सुरक्षित महसूस करें पिछले 8 साल से अरविंद केजरीवाल जी की सरकार अपने अधिकार क्षेत्र के अनुसार यह काम कर रही है लेकिन संविधान ने जिसको जिम्मेदारी दी है लॉ एंड आर्डर की, संविधान ने जिसको जिम्मेदारी दी है पुलिस की अगर वो ही काम नहीं करेंगे तो इस शहर की महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से दिल्ली के एलजी साहब से हाथ जोड़कर निवेदन करना चाहूंगी कि आपकी जिम्मेदारी है दिल्ली की बेटियों को सुरक्षा देना। आपकी जिम्मेदारी है कि दिल्ली की लॉ एंड आर्डर व्यवस्था सुनिश्चित हो। तो मैं एलजी साहब से यह निवेदन करूंगी कि अरविंद केजरीवाल जी के काम रोकने का काम छोड़िये और दिल्ली की बहनों को दिल्ली की बेटियों को सुरक्षा देने का काम कीजिए धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। अब माननीय सदस्यगण मैंने दिनांक 27 मार्च, 2023 को आयोजित बैठक में सदन को सूचित किया था की फाइनेंस डिपार्टमेंट ने दिनांक 22 मार्च, 2023 को आदेश जारी किया है कि दिल्ली सरकार के लॉ डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी, दिल्ली विधानसभा के एडमिनिस्ट्रेटिव सेक्रेटरी और एचओडी होंगे। अब मुझे सूचना मिली है कि माननीय वित्त मंत्री जी ने फाइनेंस डिपार्टमेंट का यह आदेश विड्रा करवा दिया है मैं इसके लिए माननीय वित्त मंत्री श्री कैलाश गहलौत जी का धन्यवाद

करता हूं साथ ही अनुरोध करता हूं कि विधानसभा को वित्तीय स्वायत्ता देने के बारे में भी आवश्यक कदम उठाएं। अब लंच के लिए ब्रेक ठीक 2 बजे हम दोबारा उपस्थित होंगे बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही अपराह्न 2 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 2.03 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः अब माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। माननीय मुख्यमंत्री जी।

माननीय मुख्यमंत्री (श्री अरविंद केजरीवाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमें पता चला था कि विपक्ष के लोग जो हैं वो हमारे खिलाफ 'नो कोंफिडैंस मोशन' लेकर आ रहे हैं। फिर कल पता चला कि 'नो कोंफिडैंस मोशन' लाने के लिए 20 प्रसैंट एमएलएज के सिग्नेचर की जरूरत होती है, तो 70 का हाउस है तो 14 एमएलएज की जरूरत थी। तो ये 14 एमएलए भी बटोर नहीं पाए। इन्होंने बहुत डराया-धमकाया, लालच दिया सबकुछ किया लेकिन फिर भी ये नहीं कर पाए। तो शायद इन्होंने वो विदड्रॉ कर लिया। तो मैं सदन में कोंफिडैंस मोशन रख रहा हूं उसके काउंटर में, कि अगर एक मिनट के लिए भी अगर हम इस सदन का कोंफिडैंस

खो देते हैं तो हमें बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। तो वो तो नो कोंफिडैंस मोशन नहीं ले पाए लेकिन मैं कोंफिडैंस मोशन रख रहा हूं। मैं देख रहा हूं कि विपक्ष की सारी सीटें खाली हैं, अगर वो होते तो जो नो कोंफिडैंस में बोलना चाहते थे अब हम मौका दे रह हैं उनको बोलने का कि हम कोंफिडैंस मोशन लेकर आ रहे हैं, आप बोलिए यहां पर सदन के अंदर जो भी बोलना चाहते हैं, कि सरकार के खिलाफ जो उनको बोलना है। तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं कि यह सदन मंत्री परिषद् में विश्वास व्यक्त करता है।

माननीय अध्यक्षः चर्चा आरम्भ करेंगे श्री संजीव झा जी।

श्री संजीव झाः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आज जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने कोंफिडैंस मोशन रखा है, मैं उसी के समर्थन में मैं अपनी बात रख रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि हाउस को पता है और मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विपक्ष ने 'नो कोंफिडैंस मोशन' लाया था और उन्होंने पूरी साजिश की और ये साजिश कोई पहली बार नहीं हुआ है। एक बार मैं और हमारे कुछ साथियों ने प्रेस कॉफ्रेंस के जरिए हमने बताया था कि किस तरह से इनके लोग लगातार अप्रोच कर रहे हैं। बहुत बड़ी-बड़ी lucrative offer देने की कोशिश कर रहे हैं। फिर कोशिश की जा रही थी और जब कोशिश नाकामयाब हुआ तो पता चला कि कल रात में उन्होंने शायद विदड्रॉ किया। बात केवल दिल्ली की नहीं है अध्यक्ष महोदय। पूरे देश में ये लगातार इनका एक प्रैक्टिस बन चुका है।

जिस तरह से महाराष्ट्रा में हुआ, महाराष्ट्र में सदन में ही नारे लगे, खोखा–खोखा, 50 खोखा। सरकारें वहां बदल दी गई। कर्नाटका में 2019 में कॉग्रेस के 114 थे, बीजेपी के 109 था और उसके बाद वहां पर ऑपरेशन लोटस के जरिए विधायक को खरीद करके और फिर भी सरकार बदल दी गई और बीजेपी का मुख्यमंत्री बना। 2022 में मध्यप्रदेश में 22 एमएलए के साथ ज्योतिराज सिंधिया जी ने कॉग्रेस को छोड़ा, सरकार कॉग्रेस की थी और फिर सभी विधायकों को तोड़कर के फिर रातों–रात सरकार बीजेपी की बन गई। अरूणाचल में 44 कॉग्रेस के विधायक थे, बीजेपी का 11 था, रातोंरात तोड़कर के फिर वहां सरकार बीजेपी की बन गई। अभी गोवा में आपने देखा कि किस तरह से 11 में से 8 विधायकों को तोड़कर के और फिर वो बीजेपी में जाकर शामिल हो गया। इसी तरह से पूरे देश में ये खेल चल रहा है। अगर आप भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में कहते हैं कि मेरे पास बहुत शक्ति है, मैं बहुत शक्तिशाली हूं, तो क्या शक्ति है। तो या तो मैं चुनाव जीतता हूं और नहीं जीतू तो विधायक खरीद लेता हूं। ये पूरे देश में इनका ये अभियान चला और पूरे देश में अभियान में वो अपने अभियान में कामयाब भी हुए। लेकिन जब दिल्ली आते हैं तो दिल्ली में ये फुस्स हो गए। चूंकि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में कट्टर ईमानदार और कट्टर देशभक्त की टीम है और ये कट्टर ईमानदार, कट्टर देशभक्त की टीम उनको आंख में आंख डालकर चुनौती दे रहा है। कल ही इस सदन में हमने जिस तरह से चर्चा

हुई और माननीय मुख्यमंत्री जी ने सनसनीखेज खुलासे किए। मैं भी कल से बहुत सारे भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से बात करने की कोशिश कर रहा था, तो वो सब कह रहे हैं कि बात किसी एक व्यवसायी की नहीं है, कौन इतना मेहनत करता है, किसी अपने दोस्त के लिए। प्रधानमंत्री पूरे देश का बिजनेस पर कब्जा अपने अधिकारी, अपनी एजेंसीज के जरिए लोगों को डराकर, व्यावसायियों को डराकर कर रहे हैं और फिर वहां से जो पैसा आ रहा है उससे पूरे देश में ये खरीद-फरोख्त चल रहा है। लेकिन मुझे ये लगता है कि जब-जब पाप का अति हो जाती है तो फिर अरविंद केजरीवाल जी जैसे शख्स का उदय होता है। वो कल भी मैं कह रहा था, आज भी मैं कह रहा हूं कि गीता में ही कहा गया है कि:

''यदा-यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः

अभ्युत्थानम अधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम।''

तो अरविंद केजरीवाल जी का उदय, ये उत्पत्ति इन अहंकारी शासकों का अंत करने के लिए ही हुआ है। पूरी साजिशें की गई। पहले सरकार को कैसे रोका जाए, काम करने से, कैसे डराया जाए, किस तरह से सरकार के जितने भी डेवल्पमेंट के वर्क हैं, उस सभी वर्कों को, काम को खत्म कराया जाए। लगातार ऐसा लग रहा है कि दिल्ली के एलजी नहीं वायसराय हो गए। पर इस देश ने वायसराय का भी अंत देखा है और मुझे लगता है कि इस तरह

का अहंकार किसी का भी हो उसका अंत होना निश्चित है। चूंकि यहां जो लोग इस सदन में बैठे हैं, जो आम आदमी पार्टी के यहां विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री जी बैठे हैं। हम इस चिंता के लिए नहीं आए हैं कि सत्ता में रहना या नहीं रहना है। सच की लड़ाई को लड़ना है। मैं गीता में ही 37वें श्लोक में, मैं गीता लेकर के इसलिए आया हूं आज, चूंकि ये लड़ाई धर्म की लड़ाई है, कि श्रीकृष्ण जी ने कहा कि

''हतोवा प्राप्स्यसि स्वर्गंजितवा वा भोक्ष्यसे महीम।

तस्मादुत्तिष्ठद कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः।''

कहते हैं कि अगर आप धर्म की लड़ाई लड़ते हो, तो उसकी विजय होना निश्चित हो या ना हो। अगर धर्म के पक्ष में लड़ते-लड़ते अगर मर भी जाओगे तो मोक्ष की प्राप्ति होगी और अगर जीत जाओंगे तो संसार का कल्याण होगा। तो इस धर्मयुद्ध को हम सब लोग लड़ने आये है। इनकी तिकड़म कितनी भी क्यों ना हो। सत्य परेशान हो सकता है, कभी पराजित नहीं हो सकता। तो मुझे ये लगता है कि ये लड़ाई सत्य की है और अंहकारी शासक के अंत का है। तो जब-जब कोई शासक अंहकारी हो जाए, तानाशाह हो जाए। इस देश के जनतंत्र में, इस देश की जम्हूरियत ने बड़े-बड़े तानाशाह को जमीन पर लाया है। इस तानाशाह का भी अंत होगा। तो मैं ज्यादा ना कहत हुए बस मैं इतना कहना चाह रहा हूं कि आज बिल्कुल ठीक कहा मुख्यमंत्री जी ने कि आप

"No Confidence Motion" लेकर आये थे। No confidence एक तो मैं आपका धन्यवाद देता हूं अध्यक्ष महोदय कि जो एक inadmissible motion था आपने बड़ा हृदय दिखाया और inadmissible motion को आपने admissible बनाया। लेकिन इससे इनका जो दूसरा चेहरा है वो भी सबके सामने पूरी दिल्ली के सामने आया कि तुम्हारी साजिशें कहीं भी कामयाब कर लो, यहां कामयाब नहीं हो सकती। चूंकि ये सत्ता के बिना रहने की आदत नहीं है इनको, सत्ता चाहिए। दिल्ली में एमसीडी के चुनाव हार गए। अब बड़ी मजेदार बात है। कहते है हाँ जी ये बात ठीक है 134 आम आदमी पार्टी का आया, 104 हमारा आया लेकिन हम इतने ईमानदार हैं कि सरकार हमारी बनेगी। सत्ता नहीं छोडना है। जैसे छोटे बच्चे होते हैं ना कि चोकलेट लेना है तो मम्मी चॉकलेट दिला दो। कहते हैं पापा सत्ता दिला दो, सत्ता दिला दो, सत्ता दिला दो। पापा कुछ करेंगे आ करके। पापा ने भी ताकत लगा ली, कुछ नहीं हो पाया।

तो मुझे ये लगता है कि यहां भले ही आप कितनी भी साजिशें कोशिशें क्यों ना कर लो, दिल्ली में आप मुंह की खाओगे। आम आदमी पार्टी आपको आपकी औकात बतायेगी। तो मैं आपका अध्यक्ष महोदय धन्यवाद करता हूं कि मुख्यमंत्री जी ने जो मोशन लाया है उस मोशन में आपने बोलने का मुझे मौका दिया और मेरी सहमति इस मोशन के साथ है।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री सोमनाथ भारती जी।

श्री सोमनाथ भारती: अध्यक्ष महोदय आपका धन्यवाद। आपने मुझे इस ऐतिहासिक Confidence Motion पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, जब मैंने सुना कि भाजपा के विधायक साथियों ने No Confidence Motion हाउस में मूव करने की ठानी है तो मुझे बहुत हंसी आई। 70 सदसीय विधान सभा के अंदर 62 सदसीय पार्टी के सरकार के खिलाफ आठ सदस्यीय ऑपोजिशन पार्टी "No Confidence Motion" ला रही है ये और गणित में कमजोर है। कई बार इस सदन में भी.. और ये बहुत हास्यस्पद भी है और बहुत कह सकते हैं चिंताजनक भी है। क्योंकि जिस प्रकार से हमने देखा अभी संजीव भाई ने भी बताया और हमने कई बार देखा किस प्रकार से पूरे देश में कई राज्यों में जहां एक राज्य में तो इनका सिर्फ दो सदस्य था। तो इनके पास जो एक तोता, मैना, सुग्गा, सीबीआई, ईडी और हर प्रकार की एजेंसियां हैं। डराकर, धमकाकर, पैसों के लालच में किस प्रकार से इन्होंने प्रजातंत्र को शर्मशार किया है। इस देश के हर व्यक्ति ने देखा है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बीस परसेंट जो संवैधानिक जरूरत है एक "No Confidence Motion" का तो वो संख्या उनके पास नहीं थी। उनकी संख्या सिर्फ आठ की है। कम से कम चौदह सदस्यों का होना जरूरी है। मुझे समझ में नहीं आ रहा जैसे कि 134 बड़ा है कि 104 बड़ा है। इतनी सिम्पल सी गणित बताने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। जब सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि भाजपा वालों 134 बड़ा है। दिल्ली की

जनता ने 134 की संख्या दी है आम आदमी पार्टी को, 104 छोटा है तो उनको समझ में आया अच्छा-अच्छा हम गलत सोच रहे थे। तब जा करके दिल्ली को जो legitimate Mayor, Deputy Mayor वो जो दिल्ली की जरूरत थी, मांग थी, आम आदमी पार्टी का मेयर, डिप्टी मेयर बने वो बना। अभी फिर वो लगे हुए हैं।.. ये प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र कह रहे हैं सीएम साहब ला रहे हैं दिल्ली में। अध्यक्ष महोदय ये बहुत चिंताजनक विषय है कि इस प्रकार से हम भी उसके भुगतभोगी रहे हैं। इन्होंने प्रयास किया था कि हमारे विधायकों को खरीदें। 20-20, 25-25 करोड का ऑफर था। इन्होंने दिया था। हम सबने ये बात बताई थी मीडिया में आ करके। लेकिन इनको समझ में नहीं आ रहा कि जिस तरह से माननीय मोदी जी का जो अश्वमेघ यज्ञ का घोड़ा चला था पूरे हिन्दुस्तान में और दिल्ली में जा करके अरविंद केजरीवाल जी ने रोक दिया था, उसी प्रकार से इनकी कोई भी, जितनी भी करतूत कर लें, जितनी भी ताकत लगा लें पूरे हिन्दुस्तान के अंदर, उनका इस प्रकार के प्रयास दिल्ली में सफल नहीं हो सकते अध्यक्ष महोदय। इसी प्रकार इन्होंने प्रयास किया पंजाब के अंदर भी कि पंजाब में ये खरीद फरोख्त करें विधायकों का, वहां भी सफल नहीं हुआ। तो ये बात ये समझ नहीं पा रहे हैं कि कौन से मिट्टी के बने अरविंद केजरीवाल हैं, कौन सी मिट्टी के बने इनके विधायक हैं जो कि ना तो ईडी से डर रहे हैं, ना सीबीआई से डर रहे हैं, ना धन के लालच में आ रहे हैं। तो इनकी सारी जितनी तिकड़म है वो सारी

तिकड़म आ करके रूकती है तो आम आदमी पार्टी आकरके रोकती है अध्यक्ष महोदय। अरविन्द केजरीवाल जी के रूप में इस देश के अंदर एक ऐसा नेता को परमात्मा ने जन्म दिया है, ऐसे नेता को आगे लाकर खड़ा किया है कि जो आज इनकी हर प्रकार के प्रयास के आगे भारी पड़ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, सत्येन्द्र जैन साहब हों, मनीष सिसोदिया जी हों, दाद देना चाहूंगा उनको, एक धेले का सबूत नहीं है और उन सब के पास ऑफर था कि भई भाजपा में आओ, भारतीय जनता पार्टी के अंदर आओ और मोदी वॉशिंग मशीन में आपकी धुलाई हो जाएगी और सारे केस आपके खत्म हो जायेंगे। लेकिन उन्होंने भारत माता को आगे रखकर के, भारत देश को आगे रख करके, संविधान को आगे रख करके ये दर्शाया और एक inspirational figure बने कि हम मर जायेंगे, मिट जायेंगे लेकिन झुकेंगे नहीं। ये बहुत बड़ी बात है और पूरे हिन्दुस्तान में अगर कोई बोल पा रहा है, आज सच्चाई कोई बोल पा रहा है कि किस प्रकार से मोदी जी ने अपने पद का दुरूपयोग किया, अपनी ताकत का दुरूपयोग किया और अडाणी के माध्यम से अपने काले धन को सफेद करने का प्रयत्न किया और आज चर्चा तो हर तरफ हो रही है। सदन के बाहर भी हो रही है, पार्को में भी हो रहा है, लोग भी कह रहे हैं कि जो अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं उसमें दम तो दिखता है। चूंकि मैं रोजाना सवेरे पार्क में जाता हूं और लोगों से बातचीत करता हूं लेकिन लोग जिस प्रकार से वो पोस्टर के चिपकाने के मामले में इतने एफआईआर कर दिये तो एक fear psychos पे हर तरफ डेवलप हो गई है कि भई ये तो कुछ भी

कर सकता है। ये एक घमंडी राजा है और इसके हाथ में जो ताकत है उसके आगे लोग बेबस हो रहे है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, इस देश के अंदर जो under current है वो ये ही है कि इस देश के संविधान की रक्षा करने वाला कोई अगर है आज की तारीख में है उसका नाम अरविंद केजरीवाल हैं। अध्यक्ष महोदय, ये जो विश्वास था कि भई लोग कहते थे कि अरे नेता तो चोर होता है, कुछ काम नहीं करता, ये जो, असली कारण वही रहा है, आम आदमी पार्टी आने के पहले भाजपा हो या कोई और पार्टी हो, कोई सोचता नहीं था कि ये सरकारी स्कूल कभी ठीक होंगे, कभी अस्पताल ठीक होंगे, बिजली मुफ्त आयेगी, पानी मुफ्त आयेगा, महिलाओं के लिए बस सेवा मुफ्त होगी, जितनी जनता की सहूलियतें हैं वो आयेगी आयेंगी। पहली बार हुआ और वही कारण बना कि आम आदमी पार्टी के पीछे, हमारे नेताओं के पीछे माननीय मोदी जी हाथ धोकर पीछे पड़े हुए हैं। अगर केजरीवाल जी उनके जैसे हो जाते कि हां भई हम भी कट में, कमीशन में हिस्सा बन जायेंगे, उनको तकलीफ यही है कि दस साल के बाद भी ये आदमी अपनी ईमानदारी पर कैसे अड़ा हुआ है, ये ही तकलीफ है उनको। कट्टर ईमानदार कैसे है। तो मैं इस बात का सबूत हूं चूंकि मैं शुरू से देख रहा हूं किस प्रकार सरकार हमारी चल रही है।..

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी कन्क्लूड करिये प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः बिल्कुल। हम सबने अनेकों यातनायें झेली हैं। कई बार जेल गये हैं। लेकिन इनके आगे हम भारी पड़ रहे हैं।

हम ना धन में उनसे ज्यादा बलशाली है, ना पद में उनसे ज्यादा बलशाली हैं लेकिन एक बात में बलशाली हैं, अपने नेता के कारण जो हमारी अन्दर की ताकत है जो आत्मा की ताकत है वो भाजपा के नेताओं के जो विफल प्रयत्न हैं उसके आगे भारी पड़ रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के "Confidence Motion" के स्पोर्ट में खड़ा हुआ हूं और आज फिर सिद्ध हो जायेगा कि भाजपा की इस प्रकार की जो प्रयास है कि ईडी, सीबीआई से डराओ, ना डरे तो लालच दिखाओ। लालच से भी ना हो तो फिर कुछ ना कुछ गलत इल्जाम लगाओ, जेल में डाल दो। जिस प्रकार से हमारे नेताओं के साथ किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय आज ये सदन फिर दिखायेगा कि इस देश में अगर कोई शेर है जिसने नरेन्द्र मोदी जी की जो चल रहा है, जिस प्रकार इस देश के अंदर तांडव चल रहा है, अगर ना झुके हैं और उनकी आंखों में आंख डालकर बात कर रहे हैं, उनका नाम अरविन्द केजरीवाल हैं अध्यक्ष महोदय। बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे बोलने का मौका दिया। भारत माता की जय।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान अनिल बाजपेयी जी।

श्री अनिल कुमार बाजपेयीः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं। विश्वास मत की बात हो रही है अभी दिल्ली के मुख्यमंत्री जी ने कहा की विश्वास मत के लिए विपक्ष को मैं आमंत्रित करता हूं। मैं एक बात यह कहना चाहता हूं माननीय मुख्यमंत्री जी की जिस तरह दिल्ली विधानसभा में विपक्ष

की आवाज को दबाया जा रहा है यह बहुत गंभीर विषय है। आज हम 8 विधायक हैं, हमारे नेता प्रतिपक्ष माननीय रामवीर सिंह बिधूड़ी जी हैं और आपके 62 विधायक हैं। हम केवल 8 हैं दिल ये बड़ा होना चाहिए की अगर आप 62 विधायक हैं तो हम 8 विधायक.

...व्यवधान...

श्री अनिल कुमार बाजपेयीः देखिये साहब, अब मेरी बात तो सुनने दीजिए आपके व्यक्ति बोल रहे थे मैं तो नहीं बोल रहा था।.

माननीय अध्यक्षः आप बोलने दीजिए उनको क्या दिक्कत है।

श्री अनिल कुमार बाजपेयीः बात सुनने दीजिए न।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः हां बस ठीक है करने दीजिए उनको जवाब देंगे सब।

श्री अनिल कुमार बाजपेयीः माननीय मुख्यमंत्री जी, अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि बहुत से गंभीर विषय हैं दिल्ली के अंदर इसके बारे में जरूर चर्चा करना चाहूंगा। आज बजट की बहुत बड़ी चर्चा की गई, बहुत कुछ वादे हमारे माननीय वित्त मंत्री जी ने किये, सदन में बड़ी सत्ता पक्ष की ओर से ताली बजाई गई। मैं कहां से शुरुआत करूं, शुरूआत मैं मोहल्ला क्लीनिक से करना चाहता हूं। आज आपको याद होगा सर तब तो

मैं आपकी पार्टी में ही था कि आपने खुलेआम, खुलेआम आपने सार्वजनिक मंच पर कहा था मैं भी एक बार आपके साथ मंच पर उपस्थित था और आपने कहा था कि 1000 मोहल्ला क्लीनिक पूरी दिल्ली के अंदर खोले जाएंगे। मैं ईमानदारी से पूछना चाहता हूं और आपसे भी ईमानदारी से कहता हूं आप ईमानदारी से बताईये कि आज दिल्ली में कितने मोहल्ला क्लीनिक खोले गये ये मैं आपसे पूछना चाहता हूं? दूसरी बात यह है जितने मोहल्ला क्लीनिक खोले गये मैं कहता हूं अध्यक्ष जी आप कोई भी कमेटी बना लीजिए, सत्ता पक्ष के लोग भी हों और विपक्ष के लोग भी हम साथ हों, हमारे साथ चलिये शुगर और बीपी एक नार्मल बीमारी है और इसकी दवाई मोहल्ला क्लीनिक के अंदर उपलब्ध नहीं है ये मैं सर दावे के साथ कह सकता हूं, आप चलिये हमारे साथ चलिये आप।

...व्यवधान...

श्री अनिल कुमार बाजपेयी: अरे हमारे साथ चलिये हम तो कह रहे हैं आपके साथ झूठ कहां बोल रहे हैं हम आपसे बताईये। अरे सच सुनने का माद्दा तो रखिये, मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं मेरे साथ चलिये मैं तो आपसे कह रहा हूं आप चलिये हमारे साथ। रही पॉलीक्लीनिक की बात, पॉलीक्लीनिक की बात रही 100 पॉलीक्लीनिक दिल्ली में बनाने की बात की गई थी जिनमें दिल्ली की पहली मोहल्ला क्लीनिक मुख्यमंत्री जी ने मेरी विधानसभा में कांतिनगर में उसका उद्घाटन किया था, हमने आपका धन्यवाद भी किया था सर लेकिन जब वो पॉलीक्लीनिक खोली गई, उस पॉलीक्लीनिक के अंदर

क्या था 8 तरीके के डॉक्टर्स जहां-जहां पॉलीक्लीनिक खोली जाएगी चाहे वो मेडीशियन का हो, गायनी का हो, किसी भी डिपार्टमेंट का हो, आर्थोपिडिक्स हो आज दिल्ली की पॉलीक्लीनिक में वो 8 तरीके के डॉक्टर वहां पर उपलब्ध नहीं हैं ये मैं दावे के साथ आपको कह सकता हूं। शिक्षा मॉडल की बात कर रहे हैं स्कूलों में टीचर्स कहां हैं। मेरी विधानसभा में 12 स्कूल आते हैं सर मैं ईमानदारी से कह रहा हूं मैंने आरडब्लूएस के लोगों के बीच में कन्फर्डेशन आफ आरडब्लूए के बीच में जब मुझे स्कूल की प्रिंसिपल ने कहा की हमारे यहां टीजीटी टीचर नहीं हैं, हमारे यहां पीजीटी टीचर नहीं हैं तो हमने कहा जी जो रिटायर्ड टीचर हैं मैंने उनसे रिक्वेस्ट की संस्कृत और सोशियोलॉजी के टीचर मैंने आरडब्लूए के लोगों से माध्यम करके और मैंने वहां पर लोगों से पढ़ाई कराई है। आज स्किल सेंटर की आपने बात कही थी, आज दिल्ली के स्कूलों में दिल्ली के तत्कालीन शिक्षामंत्री माननीय मनीष सिसोदिया जी का एसएमसी का जो फंड आप 5 लाख रुपये देते हैं, उस फंड से बड़े-बड़े होर्डिंग विज्ञापन के लगाये गये। जब मैंने इसका विरोध किया तब जाकर वो आर्डर आपने वापस लिया और उसको आकर आपने कैंसिल किया है। शराब नीति की बात मैं जरूर करना चाहूंगा। हमारे विधायक अभय वर्मा जी ने शराब नीति पर बात करने की चर्चा की, मैं पूछना चाहता हूं माननीय मुख्यमंत्री जी की जो पहले की शराब नीति थी आपको याद होगा शायद लेकिन मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं। सितंबर 2018 में और भी कई

विधायक थे और दिल्ली के अंदर 9 शराब के ठेके सर आपने बंद कराये थे। मैं भी उसमें शामिल था और उस समय शराब के जब ठेके बंद कराये गये उस समय यह कहा गया था कि अगर कोई रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, कोई एनजीओ अगर विरोध करेगी तो हम वहां जनता के बीच जाकर पूछेंगे कि यहां पर शराब का ठेका नहीं खुलना चाहिए। आज 100 मीटर के दायरे को हटाकर, बढ़ाकर 400 मीटर कर दिया गया मैं पूछना चाहता हूं, ऐसा क्या रिश्ता था की एकदम जिन लोगों को आप ये कहा करते थे ये ब्लैक लिस्टेड हैं, ये लोग दिल्ली को खा जाएंगे, ये साउथ इंडिया के ब्लैक लिस्टेड हैं आज उन्हीं लोगों को शराब का ठेका खोलने की दिल्ली में अनुमति दी गई। जब भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता जब दिल्ली की सड़कों पर उतरा तो आपको वो पॉलिसी बदलकर, नई पॉलिसी को हटाकर पुरानी पॉलिसी को आपने इम्प्लीमेंट किया। आज आपकी ही दिल्ली सरकार के मंत्री जेल में हैं, मैं पूछना चाहता हूं कौन सी ईमानदारी की बात करते हैं। आपने कहा कि शराब में 55600 करोड़ रुपये इनकम जनरेट की जाएगी और इसमें 48090 करोड़ की जनरेट की गई जो बीच का 11 करोड़ रुपया है उसका लॉस है ये लॉस किसका है सर, ये लॉस आपका है दिल्ली सरकार का लॉस है। इस पर चर्चा नहीं होने दी जाती, अभी आज भी ये माननीय अध्यक्ष जी ने हम लोगों को सदन से बाहर कर दिया गया। अरे हम तो खुले मन से कह रहे हैं कि शराब नीति पर

चर्चा करिये ना, क्यों आप लोग पीछे भाग रहे हैं, लेकिन मैं समझता हूं विपक्ष की आवाज़ को दबाने का काम किया जाता है। पानी की बात करते हैं आप, पानी की बात सुन लीजिये। आप ही ने सर बोला था कि अगर हमारी सरकार आयेगी तो हम बगैर मोटर के चार मंजिल लोगों के घरों में स्वच्छ पानी देंगे, मैं ईमानदारी से कहता हूं सर किसी भी चौराहे पर किसी भी कॉलोनी के चौराहे पर किसी भी आदमी को पेपर लेकर और पैन लेकर खड़ा कर दीजिये, हम लोग दूर खड़े हो जायेंगे और पूछिये उससे कि क्या बगैर मोटर के चले हुये लोगों के चार मंजिल पर पानी जाता है, बिल्कुल नहीं जाता है। पहली मंजिल में भी लोगों को सर पानी नहीं मिलता है। हां पानी मिलता जरूर है, किससे मिलता है, मेरी विधानसभा में 32 पानी के टैंकर आते हैं, कैलाश गहलौत जी के विधानसभा में भी पानी के टैंकर जाते हैं। हमारे कितने विधायक आपकी पार्टी के बैठे हुये हैं जिनके यहां पानी की टैंकरों से सप्लाई की जाती है। यदि दिल्ली के अंदर आप स्वच्छ पानी देने की बात करते हैं माननीय मुख्यमंत्री जी तो आज लोगों को पानी की टैंकर की सप्लाई क्यों की जा रही है ये प्रश्न सोचने का है। दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं सीवर की बात करते हैं सर, आपने कहा है कि जहां-जहां कॉलोनी में सीवर नहीं होंगे हम सीवर डलवायेंगे। आज मैं समझता हूं दिल्ली की 70 प्रतिशत आबादी के अंदर आज भी लोगों के यहां सीवर नहीं पड़े हैं, ये मैं दावे के साथ कह सकता हूं। इस पर सर कुछ करिये ना, कौन मना करता

है कि आप ना करिये। दूसरी बात क्या है अगर ज्यादा बोलने लगें, अगर हमारे विजेंद्र गुप्ता जी बैठे हैं, अगर इन्होंने कोई बात कही साहब तो इनको एक साल के लिये आपने बाहर कर दिया अध्यक्ष जी ने। अभय वर्मा जी कोई बात कहें तो इनको आप बाहर करते हैं, ये पहली बार लोकतंत्र के इतिहास में काला अध्याय है कि नेता, प्रतिपक्ष अगर दिल्ली के लोगों की आवाज़ इस लोकतंत्र के मंदिर में आपके सामने अगर रखता है तो उसको मार्शल से आप बाहर फिंकवा देते हैं, हम लोगों को बाहर फिकवा देते हैं, ये बिल्कुल गलत बात है। आज शिक्षा मंत्री आतिशी जी ने कहा आज दिल्ली के जो हमारे गैस्ट टीचर्स हैं, सर आप ही ने बोला था, आप ही ने बोला था कि हम सारे गैस्ट टीचर्स को नियमित कर देंगे, जो हमारे गैस्ट टीचर हैं उनको हम सबको नियमित कर देंगे, 2015 के चुनाव में भी बोला था 2020 के चुनाव में भी आपने बोला। मैं अगर आज जो बात हमारे नेता, प्रतिपक्ष ने कही है, आतिशी जी ने उसका गलत जवाब दिया है। जो आपकी दिल्ली विधानसभा का जवाब है या तो वो सही है या जो आतिशी जी ने बोला वो सही है। दिल्ली विधानसभा का जवाब है कि दिल्ली की फाइल गायब हो गई ये आपके एडिशनल एजुकेशन डायरेक्टर का जवाब है। दूसरा जवाब सर ये है, उसमें ये कहा गया कि ये मामला कोर्ट के विचाराधीन है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी आपसे पूछना चाहता हूं कि अगर मामला कोर्ट के अधीन है और दिल्ली विधानसभा के पटल पर माननीय नेता, प्रतिपक्ष का जवाब है तो

आतिशी जी ने गलत बयानी की है, इनके खिलाफ अवमानना का मुकदमा दर्ज होना चाहिये, ये मैं मांग करता हूं। अध्यक्ष जी, ये गलत बयानी की गई है, आप सदन से कागज़ मंगवाकर देख लीजियेगा, ये सदन को गुमराह करने वाला मामला है और माननीय मुख्यमंत्री जी मैं तो आपसे कहता हूं आप ईमानदारी की बात करते हैं, सत्यता की बात करते हैं लेकिन मैं कहता हूं कि आज आपकी ही मंत्री ने गलत बयान दिया है। दूसरी तरफ मैं बात कहना चाहूंगा।..

माननीय अध्यक्षः कन्क्लूड करिये बाजपेयी जी अब कन्क्लूड करिये।

श्री अनिल कुमार बाजपेयीः आप देखिये आपने कई बार उनको भारत रत्न देने की बात की है, आपने शहीद भगत सिंह जी से उनकी बड़ी तुलना की है, मैं समझता हूं कि अगर शराबनीति की परिवर्तन करने के बाद आज जिस तरीके से शराब की चर्चा पूरे देश के अंदर हो रही है, ऐसे व्यक्ति के लिये अगर आप भारत रत्न देने की अगर बात करते हैं, मैं समझता हूं ये सदन का मज़ाक है और ये सदन की सदभावना नहीं है।तो मेरा आपसे अनुरोध है माननीय मुख्यमंत्री जी वादे तो बहुत किये हैं आपने, एक मिनट सर सीसीटीवी अभी सुरक्षा पर बातचीत हो रही थी।..

माननीय अध्यक्षः नहीं अब कन्क्लूड करिये बाजपेयी जी।

श्री अनिल कुमार बाजपेयीः अब आज, मैं कर रहा हूं सर.

माननीय अध्यक्षः नहीं कन्क्लूड करिये अब।

श्री अनिल कुमार बाजपेयीः आपने महिला सुरक्षा की बात की, बहुत अच्छी बात है चर्चा होनी चाहिये महिला सुरक्षा पर, ये हर विधायक का अधिकार है आपका भी है और हम एक बात अब माननीय मुख्यमंत्री जी और कह देना चाहते हैं, हम 8 विधायक हैं, आपने पूरी दिल्ली के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाये हैं, मैं पूछना चाहता हूं कि हम आज महिला सुरक्षा के ऊपर सुबह चर्चा हुई है, मैं पूछना चाहता हूं कि हम भी दिल्ली के 8 विधायक इसी माननीय सदन का हिस्सा हैं और हमारे 8 विधायकों के यहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाये गये, जो वाईफाई आपने लगवाये वो भी बंद कर दिये गये, कौन सी, कौन सी बात कर रहे हैं आप। मैं अंत में ये कहना चाहूंगा कि विश्वास मत की आप बात कर रहे हैं तो विश्वास मत है कहां, विश्वास मत तो हम 8 विधायक हैं, हम कैसे आपका मुकाबला कर सकते हैं। लेकिन मुख्यमंत्री जी एक बात ध्यान रखियेगा कि जनता की अदालत सबसे बड़ा सर्वोच्च न्यायालय है और उससे बड़ा न्यायालय भारत की जनता का न्यायालय है जो 2025 में, 2025 के अंदर दिल्ली की जनता, दिल्ली की जनता इसका इंतज़ार कर रही है कि वो आपको इसका माकूल जवाब देगी..

माननीय अध्यक्षः चलिये।

श्री अनिल कुमार बाजपेयीः जब आप सत्ता में नहीं रहेंगे। जो विश्वास मत आपने रखा है मैं इसका विरोध करता हूं और हम

8 लोग आपके 62 लोग से बड़े हैं, ये मैं आपके बीच कहना चाहता हूं, धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः चलिये, ऋतुराज जी, श्री ऋतुराज जी।

श्री ऋतुराज गोविंदः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद आपने इतने महत्वपूर्ण विषय पर मुझे बोलने का मौका दिया है। ऑपरेशन लोटस क्या है? ऑपरेशन लोटस, शिंदे और सिंधिया ने किया खेल, सिसोदिया ने किया फेल, इसीलिये तो मोदी जी ने भेजा जेल। ये ऑपरेशन लोटस है और ये साजिश ऐसा नहीं है कि आज से या कुछ महीनों से चल रहा है अध्यक्ष महोदय। 2015 में जब हम लोग जीतकर के आये थे, इसी सदन के सदस्य थे, शायद ही कोई ऐसा विधायक इस हाउस में बैठा हो जिस पर इन लोगों ने फर्जी केस नहीं किये, मेरे ऊपर भी 5 किये, टोटल 157 फर्जी केस करके डराने की खूब कोशिश करी और 6 महीने से लेकर 1 साल के अंदर में फास्ट ट्रैक कोर्ट में सारे के सारे बरी हो गये, बाइज़्ज़त बरी हो गये, खूब कोशिश करी। माननीय मुख्यमंत्री जी बैठे हैं, इनके घर पर सीबीआई का रेड हुआ, कोई शुंगलू कमेटी बनाई, सरकार का 400 फाइल उठाकर के ले गया था और 400 फाइल में पलट-पलटकर, पलट-पलटकर देखते रहे, देखते रहे कुछ नहीं मिला, 6 महीने बाद सारा 400 फाइल वापस कर दिये। खूब कोशिश किया, वही कोशिश कल जब अडानी पर जब चर्चा

हो रही थी पूरे सदन ने किस प्रकार से चर्चा किया कि ई.डी. और सी.बी.आई. का जो बंदूक है वो कैसे कॉर्पोरेट्स के ऊपर में लगाते थे और एक महीना के बाद पोर्ट भी अडानी का हो जाता था, एयरपोर्ट भी अडानी का हो जाता था और उसके बाद जो है सो क्या-क्या होता था आप सब लोग अच्छे से चर्चा किये। उसी प्रकार से हेंमत विश्व शर्मा, असम के नेता वॉटर घोटाला में फंसे थे, ई.डी., सी.बी.आई. किये भाजपा में आये असम के मुख्यमंत्री हो गये, ई.डी., सी.बी.आई. बंद हो गया। कर्नाटक में क्या नाटक किया सारा देश ने देखा, मध्य प्रदेश में क्या किया सारा देश ने देखा। शिंदे 40-50 एम.एल.एज़ को लेकर के असम जाते हैं और वहां पर में भाजपा की सरकार बन जाती है, शिव सेना के साथ मिलकर के वो जो गुट है और उसके ऊपर से केस खत्म हो जाता है। सिंधिया इनकी पार्टी में आ जाते हैं। इसके अलावा मुकुल रॉय भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हो जाते हैं। शुभेंदु अधिकारी पर केस चल रहा था शारदा चिट फंड में, वो इनकी पार्टी में आते हैं, लीडर ऑफ अपोजिशन हो जाते हैं अध्यक्ष महोदय, और इतना ही नहीं है उत्तराखंड के अंदर में ऑपरेशन लोटस करके सरकार गिराने का काम किया, मध्य प्रदेश में किया, कर्नाटक में किया और सबसे बड़ा खेल अभी एमसीडी में करने का काम किया। जब एमसीडी में 15 साल से इनके शासन से लोगों ने तंग आकरके जब दिल्ली में केजरीवाल जी की सरकार को चुना तो 134, 104 से बड़ा होता है, इसके लिए हमको सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा। इन्होंने

खूब कोशिश करी हमारे पार्षदों को तोड़ने की, उल्टा असर ये हुआ कि जब स्टेंडिंग कमेटी का वोट डल रहा था तो 134 पार्षद हमारे थे, हमको 138 वोट मिला यानी कि 4 आदमी तो इनकी पार्टी का भी आत्मा की आवाज सुन करके हमें वोट कर रहा है। तो अध्यक्ष महोदय, ये जो बात मैं आपसे कह रहा हूं। आज खूब डराने की कोशिश कर रहे हैं। कई विधायक साथियों ने बताया, हम सबको खूब डराने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली के अंदर में सबसे बड़ा इनका जो दर्द है, ये दर्द धीरे-धीरे, धीरे-धीरे पेट का दर्द बवासीर बनता जा रहा है कि किसी भी तरीके से इनका एक आदमी भी टूट क्यों नहीं रहा है। एक विधायक नहीं टूट रहा है, एक पार्षद नहीं टूट रहा है, अगर मनीष सिसोदिया जी भी हेमंत विश्व शर्मा की तरह मुख्यमंत्री बनने का ऑफर एक्सेप्ट कर लेते तो वो भी जेल नहीं जाते, तो इनका जो सबसे बड़ा दर्द है अध्यक्ष महोदय वो यही है और यही दर्द जो है इनको परेशान कर रहा है और मैं बधाई देना चाहता हूं इस हाउस को कि हमारी पार्टी आम आदमी पार्टी केवल 10 साल पहले बनी थी, लेकिन विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने हमको इस देश का मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा दे दिया है। कैसे दे दिया है? क्योंकि जिस प्रकार से वो परेशान कर रहे हैं, जिस प्रकार से वे परेशान कर रहे हैं, एक फिल्म में एक डायलॉग था कि जब लोग तुम्हारे खिलाफ बोलना शुरू कर दें, तो समझो तरक्की कर रहे हो। इसका मतलब ये है कि देश के सबसे

बड़े नेता माननीय हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी अरविंद केजरीवाल जी को अपना प्रतिद्धंदी मान चुके हैं। जिस प्रकार से तंग किया जा रहा है, आम आदमी पार्टी को मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा वो खुद दे चुके हैं और मैं ज्यादा नहीं कहते हुए केवल इतना कहना चाहता हूं कि हम लोग डरने वाले नहीं हैं। कितना भी सीबीआई कर लो, कितना भी ईडी कर लो, कितना भी पुलिस कर लो, डरने वाले नहीं है। ये सदन पहले भी अपने नेता अरविंद केजरीवाल जी के साथ एक-मुश्त खड़ा था और आज भी हैं हम सब लोग। माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के इस मोशन का, प्रस्ताव का समर्थन करते हैं जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री दुर्गेश पाठक जी।

श्री दुर्गेश पाठकः बहुत बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय जी, आज हम लोग यहां पर 'कॉन्फिडेंस मोशन' पर चर्चा कर रहे हैं। हमारे विपक्ष के साथी 'नो कॉन्फिडेंस' लाना चाह रहे थे, लेकिन वो प्रस्ताव पास नहीं हुआ।

मुझे बताया जा रहा था कि जब मनीष सर को जेल हुई तो भाजपा के अंदर ये चर्चा चली कि शायद इनका एक वोट अब कम हो गया है, तो कहीं आठ ज्यादा तो नहीं हो गया 62 से। तो मुझे लगता है इस कन्फ्यूजन में ये 'नो कॉन्फिडेंस मोशन' लेकर आये हैं। मुझे यही बता रहे थे आप लोग मुझे बाहर तो कि शायद दो वोट चूंकि जैन साहब का भी वोट नहीं पड़ेगा, मनीष जी का

भी वोट नहीं पड़ेगा तो शायद आठ ज्यादा हो जाएगा। यही गड़बड़ रहा है।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश पाठकः हां, गहलौत साहब भी कह रहे हैं कि यहीं गड़बड़ हो गया पूरा मामला और दूसरी दिक्कत ये हुई कि आज देखिये आठ मेम्बर हैं, लेकिन 5 ही प्रजेंट हैं यहां पर, तो इनका भी आपस में भी कॉन्फिडेंस काफी गड़बड़ा गया है और मैं तो अभी नया नया हूं। अभी मुझे बताया जा रहा है कि शायद इनमें भी कॉन्फिडेंस का चक्कर है और इनमें भी कोई मोशन आ सकता है। मैं तो अभी काफी नया नया हूं, जो मैं देख पा रहा हूं कि अभी चर्चा इनमें चल रही है कि भई ऐसा तो नहीं कि गुप्ता जी को बनाया जाए क्योंकि जब भी प्रश्न गुप्ता जी का होता है तो काट दिया जाता है। नाम कटवा दिया था बिधूड़ी जी ने, ये ठीक नहीं है, ये ठीक नहीं है और लगातार मैं तो चूंकि मेरे सामने ही पड़ता है तो मैं लगातार देखता रहता हूं कि वो कागज देते हैं और वो कागज फाड़ के निकाल देते हैं, नहीं ये तुम्हारा नहीं जाएगा, तुम्हारा नहीं जाएगा।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश पाठकः हां चर्चा में भी गुप्ता जी, आप देखो न गुप्ता जी अकेले आते हैं, बाकी छः लोग बाद में आते हैं। काफी काफी, कुछ तो है।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश पाठकः अभी भी नहीं बुलवाया, इतने बड़े मुद्दे पर। सर मुझे लगता है कि आज से 20 साल 25 साल, 30 साल, 40 साल बाद जब इतिहास लिखा जाएगा, ईमानदारी से जब लिखा जाएगा तो एक चर्चा इस दिल्ली की सरकार के ऊपर जरूर होगी कि किस तरह से 1947 के बाद से सबसे ज्यादा पोपुलर मेंडेट के साथ एक सरकार बनी और किस तरह से एक एक मिनट ये कोशिश की गयी कि ये सरकार फेल हो। 2015 से लेकर 2023 तक एक नहीं कम से कम हजारों इंसिडेंट हैं, जब ये लगातार कोशिश की गयी कि किस तरह से इस सरकार का एक एक प्रोजेक्ट फेल किया जाए। लेकिन ये हाउस और ये दिल्ली की जनता हम अपने नेता अरविंद केजरीवाल जी में इतना भरोसा रखते हैं क्योंकि ये जो लड़ाई है, उन्होंने अपने साहस, उन्होंने अपनी ताकत और उन्होंने अपने मनोबल के ऊपर ये सारी की सारी लड़ाई लड़ रहे हैं, वरना सोचिये आदमी कई बार इरिटेट हो जाता है, परेशान हो जाता है छोड़ो, क्या लड़ना दिन भर, लेकिन दिल्ली की जनता ने जो इनको मेंडेट दिया है, दिल्ली की जनता जो इनसे प्यार करती है, उस प्यार का ये नतीजा है कि आज इतनी रूकावट के बाद भी ये कहने में कोई गुरेज नहीं है कि आज हिंदुस्तान की सबसे पोपुलर सरकार चल रही है और सबसे बढ़िया काम कर रही है। इतनी समस्या के बाद भी आप सबके पास तो फुल स्टेट है, लेकिन हम कहते हैं और बड़ी विनम्रता से कहते हैं

कि आप अपने किसी भी राज्य की शिक्षा मॉडल को उठा लिजिए, किसी राज्य के अस्पताल के मॉडल को उठा लिजिए, किसी राज्य के सुरक्षा के मॉडल को उठा लिजिए, किसी भी राज्य के किसी भी इंडेक्स में आप दिल्ली के अरविंद केजरीवाल जी के मॉडल से चर्चा कर लिजिए, तुलना कर लिजिए आपको कुछ सीखने को भी मिलेगा, कुछ ठीक करने को मिलेगा।

साथियों आज इस कॉँन्फिडेंस मोशन पर हमारे विधायक तो वोट देंगे ही देंगे लेकिन मेरी बस एक ही लाइन है आखिरी में जब दिल्ली की जनता का अरविंद केजरीवाल में कॉन्फिडेंस पूरी तरह से मजबूत है, तो इस हाउस का भी कॉन्फिडेंस बहुत मजबूत है। बहुत बहुत धन्यवाद, बहुत बहुत आभार।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान बिधूड़ी जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): आदरणीय अध्यक्ष जी...

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बोलिये, शुरू करिये।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः दिल्ली सरकार दिल्ली विधान सभा में मैजोरिटी इंज्वाय करती है, लेकिनएक बात मैं कहना चाहता हूं आदरणीय अध्यक्ष जी, आम आदमी पार्टी की सरकार का जो दिल्ली के लोगों में विश्वास खत्म हो गया।

...व्यवधान...

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: आदरणीय अध्यक्ष जी, अब देखिये न क्या है, तरीका है क्या, मैं कभी किसी को, आप बैठा दो मुझे कुछ नहीं।..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: भई इनको बोलने दो आप लोग, मंत्री लोग उत्तर देंगे भई।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: मुख्यमंत्री जी ने बुलाया है, हम तो चल कर आएं ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर की ओर से आग्रह आया है चलो भाई, हम तो बड़े खुश हुए जब वो लाए थे विश्वास प्रस्ताव। तो हम तो आपके आग्रह पर चले आए हैं, क्यों हमको अपमानित करवा रहे हो। थोड़ा हम कमजोर लोग हैं, अगर थोड़ा हमारा ख्याल रखोगे तो हम आपके आभारी रहेंगे ।..

आदरणीय अध्यक्ष जी, दीपक जब बुझने लगता है, तड़पता है, फड़फड़ाता है। आम आदमी पार्टी का दीपक बूझ रहा है। अब ये फड़फड़ा रहे हैं, तड़प रहे हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, जैसे मैंने कहा कि श्री अरविंद केजरीवाल की सरकार विधान सभा में मैजोरिटी एन्जॉय करती है लेकिन दिल्ली के लोगों का पूरी तरह से इस सरकार से विश्वास उठ गया है, आखिर कारण क्या है?

आदरणीय मुख्यमंत्री जी, नई शराब नीति लाई गई, नई एक्साइज पॉलिसी। इसी हाउस में सरकार ने ये दावा किया, नई शराब नीति आने से दिल्ली सरकार की आय बढ़ जाएगी। महिलाओं को, युवाओं को शराब आसानी से सुलभ हो जाएगी। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैंने उस समय भी ये सवाल उठाया था कि आखिर क्या कारण है कि शराब के ठेकेदारों का कमिशन 2 परसेंट से बढ़ाकर 12 परसेंट कर दिया। मैंने ये सवाल भी उठाया था कि दिल्ली के 123 ऐसे नगर निगम वार्ड्स हैं जहां हमारा मास्टर प्लान, सुप्रीम कोर्ट की गाइड-लाइंस हमको शराब के ठेके खोलने की अनुमति नहीं देती है, आखिर उन क्षेत्रों में शराब के ठेके खोलने के फैसले क्यूं किये गये? मैंने ये सवाल भी उठाया था..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई सोमनाथ जी, प्लीज।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी,

...व्यवधान...

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः मैंने..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई माननीय मंत्री उत्तर देंगे न।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी: ये सवाल भी उठाया था आदरणीय अध्यक्ष जी कि शराब बेचने का समय रात को 10 बजे तक है उसको प्रातः 3 बजे तक क्यूं बढ़ा दिया गया? क्या आपने दिल्ली पुलिस से अनुमति ली, क्या आपने दिल्ली पुलिस से एनओसी ली? आखिर क्या कारण था कि दिल्ली में 21 क्तल क्लेथे, उनकी संख्या घटाकर 3 कर दी? आखिर क्या कारण था? यदि लोग ये शिकायत करें कि शराब की क्वालिटी ठीक नहीं है, तो सरकार ने फैसला लिया कि यदि शराब की क्वालिटी के बारे में शिकायत की जाएगी तो सरकार की लैब में टेस्टिंग नहीं होगी, शराब के ठेकेदार की लैब में टेस्टिंग होगी। आदरणीय अध्यक्ष जी, ये फैसला भी ले लिया गया कि शराब के ठेके के बगल में लोगों को शराब पीने की अनुमति है, उनके लिए नमकीन, सोड़ा, पानी उपलब्ध कराया जा सकता है। और यदि शराब के ठेके के ऊपर शराब के ठेकेदारों को जगह मिल जाए तो फिर नाच–गाने की भी व्यवस्था कर दी गई।.. आदरणीय अध्यक्ष जी, हमने कहा था कि आपने उन शराब के ठेकेदारों को ठेके दे दिये जो ब्लैक–लिस्टेड हैं। आज हम ये भी पूछना चाहते हैं कि आखिर 144 करोड़ रूपया दिल्ली सरकार के खजाने से लाइसेंसिग फीस शराब के ठेकेदारों को क्यूं लौटा दी गई? 30 करोड़ रूपया जो सिक्योरिटी का था, आखिर वो क्यूं वापिस कर दिया गया? आदरणीय अध्यक्ष जी, इस नई शराब नीति से दिल्ली में शराब की बिक्री बढ़ गई, लेकिन आय घट गई इसलिए लोगों का विश्वास इस सरकार से उठ गया है। आपने तो

कहा था कि 10 हजार करोड़ रूपया हमको हर साल, हमें मतलब एक्साइज डयूटी के रूप में मिलेगा, हमारी आय बढ़ेगी, आखिर क्या हुआ? और मैं आज पूछना चाहता हूं इस हाउस में कि जब ये कहा गया ये वर्ल्ड क्लास शराब नीति है, एक्साइज पॉलिसी है और दिल्ली को अच्छी क्वालिटी की शराब उपलब्ध कराई जाएगी, तो जब ये नई शराब नीति इतनी अच्छी थी तो मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि उसको वापिस क्यूं लिया?

आदरणीय अध्यक्ष जी, डीटीसी में घोटाला हुआ है, एफआईआर दर्ज हो गई। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं, भ्रष्टाचार का ताजा उदाहरण 20 करोड़ रूपये का घोटाला है, जो 2015 में कॉरपोरेशन बैंक को दिल्ली जल बोर्ड के बिलों को वसूलने का अधिकार दिया गया, लेकिन बैंक ने उपभोक्ताओं से प्राप्त नगद राशि और चेकों को जल बोर्ड के पास जमा कराने की बजाय फर्जी खातों में जमा कर दिया। मैं पूछना चाहता हूं आदरणीय अध्यक्ष जी, उस समय मुख्यमंत्री जी जल बोर्ड के चेयरमैन थे, कमिशन दिया जाता था 5 परसेंट, घोटाला सामने आने के बाद कमिशन कर दिया 6 परसेंट और एक्सटेंशन दे दी, आखिर इसके पीछे क्या कारण था? मैं बताना चाहता हूं कि लोगों का विश्वास क्यूं उठ रहा है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, हम बिजली घोटाले की बात करते हैं। दिल्ली सरकार ने प्राइवेट बिजली कंपनियों से 21 हजार 250 करोड़ रूपया लेने थे लेकिन सरकार ने 11 हजार 550 करोड़ रूपया में

ही सेटलमेंट कर लिया, इस सेटलमेंट का कोई ऑडिट नहीं कराया गया। बिजली कंपनियों को लेट पेमेंट सरचार्ज के रूप में जनता से 18 फीसदी लेने की अनुमति दी गई, लेकिन सरकार ने इन बिजली कंपनियों से लेट पेमेंट सरचार्ज 12 फीसदी ही लेने का फैसला किया, इस तरह 6 फीसदी एनपीएस से इन कंपनियों को 8 हजार 400 करोड़ रूपये का फायदा हुआ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, कंस्ट्रक्शन वर्कर्स का घोटाला। दिल्ली में कंस्ट्रक्शन वर्कर्स के रजिस्ट्रेशन के नाम पर भी जबरदस्त घपला किया गया। तेरह लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन किये गये हैं लेकिन मुख्य सचिव के पास पहुंची रिपोर्ट के अनुसार इनमें से 90 फीसदी फर्जी हैं, एक लाख बारह हजार से ज्यादा तो डुप्लीकेट पाये गये हैं, पन्द्रह हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन एक ही पते पर किये गये हैं और 65 हजार से ज्यादा एक ही मोबाइल नंबर है, हजारों का एक ही स्थाई पता है जबकि उनका आपस में कोई संबंध नहीं है। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं चाहूंगा कि सरकार जवाब दे। इसलिए मैं कह रहा हूं कि लोगों का विश्वास उठ रहा है, अभी आप संभल जाओ, मेरी बात को अन्यथा मत लो।

आदरणीय अध्यक्ष जी, फीडबैक यूनिट बनाई गई, आखिर किसकी जासूसी करवाई जा रही थी, अपोजिशन के डस्रे की, भाजपा के MPs की, व्यापारियों की, उद्योगपतियों की आखिर इसकी आवश्यकता क्या थी? क्या आपने फीडबैक यूनिट जो आपने बनाई, क्या कंपीटेंट

अथॉरिटी से, आपने परमीशन ली क्या? और आज मैं इस हाउस के अंदर कह रहा हूँ कि यदि सरकार ने कंपीटेट अथॉरिटी से परमीशन नहीं ली इसके लिए जो भी जिम्मेवार हैं उनके खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा दर्ज होगा? मैं आज इस हाउस के अंदर घोषणा कर रहा हूँ आदरणीय अध्यक्ष जी, मुख्यमंत्री जी के द्वारा अनको बार दिल्ली में ये घोषणा की गई कि हम दिल्ली के लोगों को 24 घंटे क्लीन वाटर उपलब्ध कराएंगे। लोगों को पीने का पानी मिलता नहीं, जो पानी मिलता भी है वह इनता गंदा है कि उसको पीकर लोगों के पेट खराब हो रहे हैं। ये भी कहा गया कि हम डीटीसी के लिए 15 हजार बसें खरीदेगें, आप 8 साल में एक बस डीटीसी के लिए खरीद नहीं पाए, जो बसें आपके पास हैं वो आउट-डेटेड हैं। दिल्ली की सड़कों पर उनको चलाना सुरक्षा की दृष्टि से ठीक नहीं है। आये दिन आग लग रही है और दिल्ली के लोगों का आप की सरकार से विश्वास उठ रहा है। आदरणीय अध्यक्ष जी, दिल्ली की सरकार कोई हॉस्पिटल बना नहीं पाई, जो बना रही है वह अस्थाई हॉस्पिटल बना रही है। सड़कें टूटी पड़ी हैं, दिल्ली बहुत प्रदूषित हो गयी है।..

माननीय अध्यक्षः कंक्लूड करिये।

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ीः आदरणीय अध्यक्ष जी मैं अपनी बात को खत्म कर रहा हूँ। श्री नितिन गडकरी जी ने जो भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्री हैं, उस समय जल मंत्री थे, वाटर पोल्यूशन के लिए 6 हजार करोड़ रुपये दिल्ली की सरकार को

दिये, ढाई हजार करोड़ रुपया बाद में केंद्र सरकार ने यमुना को साफ करने के लिए दिये। हम पूछना चाहते हैं आखिर ये साढ़े 8 हजार करोड़ रुपया कहां चला गया? ये तो हमें पूछने का अधिकार है। सरकार ने 16 स्मॉग टावर लगाने का वायदा किया था, लेकिन सिर्फ दो लगे और वे भी चालू नहीं हुए, तो लोगों का विश्वास उठेगा या नहीं उठेगा? आदरणीय अध्यक्ष जी, लगभग 40 स्कूल दिल्ली में बंद कर दिये गये। 20 कॉलेज खोलने का वायदा, एक कॉलेज खुला नहीं, दिल्ली सरकार के जो कॉलेजेज हैं fully funded by Delhi Govt., टीचिंग स्टाफ को, नॉन टीचिंग स्टाफ को सेलरियां दे नहीं पा रहे हैं। कॉन्टेक्ट वर्कर्स को आपने रेगुलराइज करने की बात कही, आप एक कॉन्टेक्ट वर्कर को रेगुलराइज नहीं कर पाए। आपने रोजगार बजट में लाखों लोगों को रोजगार देने की बात की, आप केवल-केवल जो रिपोर्ट हमारे पास है, जो हमारे पास लिखित जवाब है 400 लोगों को आप रोजगार दे पाए, 20 लाख लोगों को रोजगार देने की बात कर रहे हैं आदरणीय अध्यक्ष जी।..

माननीय अध्यक्षः अब कंक्लूड करिय जी, देखिये समय की घड़ी मुझे दिखाई दे रही है। कंक्लूड करिये प्लीज कंक्लूड करिये।

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ीः ओल्डएेज पेंशन बंद है। गांव का लालडोरा बढ़ाया नहीं गया। किसान की जमीन कोड़ियों के दाम पर एक्वायर की जा रही है। 22 लाख रुपये एकड़ के हिसाब से किसान की जमीन यदि एक्वायर हो रही है और अगल बगल के राज्यों में 10 करोड़ से लेकर 12 करोड़ रुपये के हिसाब से

हरियाणा और उत्तर प्रदेश से किसानों की जमीन एक्वायर हो रही है, तो मुझे बताइये कि दिल्ली के किसानों का विश्वास केजरीवाल जी की सरकार से उठेगा या नहीं उठेगा, मैं पूछना चाहता हूँ?..

माननीय अध्यक्षः बस बिधूड़ी जी अब, बिधूड़ी जी मैं प्रार्थना कर रहा हूँ अब कंक्लूड करिये इसको।

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ीः मैं कर रहा हूँ। अध्यक्ष जी मैं अपनी बात को समाप्त कर रहा हूँ।..

माननीय अध्यक्षः नही, ऐसे तो एण्डलैस है।

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ीः सीसीटीवी और फ्री वाईफाई बंद पड़े हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी बसों में मार्शल नदारद हो गए हैं, अब हमको दो साल तो केजरीवाल साहब को झेलना पड़ेगा।..

माननीय अध्यक्षः चलिये हो गया।

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ीः मैं बड़ी शेर ओ शायरी हो रही थी। तो मैं भी आज इस मौके पर मुझे भी इस बुढ़ापे में जरा शौक चढ़ा है। देखते हुए जनाब कैलाश गहलौत साहब, जनाब हमारे दूसरे कहां गये एक,.. सौरभ भारद्वाज नहीं, बड़ी अच्छी वो की थी उधर से एक, शायद राजकुमार गौतम जी ने करी थी। अध्यक्ष जी मैं इतना ही कहना चाहता हूँ, बड़े दुखी मन से कह रहा हूँ:

''इस खंण्डर में हैं कहीं कुछ दिये टूटे हुए,

इस खंण्डर में हैं कहीं कुछ दिये हैं टूटे हुए,

सुन लीजिए नहीं आ रहा मैं दोबारा बोल देता हूँ।

"इस खण्डर में हैं कहीं कुछ दिये टूटे हुए,

इन्हीं से काम चलाओ, बहुत उदास है रात।"

अपोजिशन के साथियों बस ये टूटे फूटे दिये हैं। अब तो दो साल इन्हीं से काम चलाना होगा और 2025 का चुनाव आयेगा जिस कुर्सी पर हमारे केजरीवाल जी बैठें हैं,.. सुन लीजिए, सुन लीजिए और ये हल्ला मत डालो। आप कह रहे थे आप तो केजरीवाल जी को पता नहीं कहां-कहां तक पहुँचा रहे हैं, लेकिन मैं कह रहा हूँ..

माननीय अध्यक्षः बिधूड़ी जी अब समय, पूरे 15 मिनट हो गए हैं।

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ीः खत्म कर रहा हूँ, मैं खत्म कर रहा हूँ। अब तो..

माननीय अध्यक्षः नहीं अब 15 मिनट हो गए हैं अब,

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ीः 2025 का चुनाव आयेगा जिस कुर्सी के ऊपर अरविंद केजरीवाल जी बैठे हैं कोई भाजपा का कार्यकर्ता इस कुर्सी के ऊपर बैठेगा। मैं आज इस हाउस के अंदर घोषणा कर रहा हूँ।..

माननीय अध्यक्षः चलिए बहुत-बहुत धन्यवाद। नहीं अब बिधूड़ी जी बस।

श्री रामवीर सिहं बिधूड़ी: अध्यक्ष जी, ये सदन की मैजोरिटी केजरीवाल जी के साथ है, लेकिन दिल्ली के लोगों का विश्वास केजरीवाल जी की सरकार से उठ गया है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: माननीय नेता, विपक्ष से मैं प्रार्थना कर रहा हूँ, अनिल बाजपेयी जी बोले किसी सत्ता पक्ष के एमएलए ने डिस्टर्ब नहीं किया, आप बोले किसी ने डिस्टर्ब नहीं किया।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: ना अब वो डिस्टर्ब नहीं है, वो डिस्टर्ब नहीं हैं। बिलकुल आप चपद कतवच नहीं बैठिये अब। pin drop silence रहा है। अब माननीय मंत्री जी बोलेंगे, तो मैं, मैं प्रार्थना करुं..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: ना बिलकुल नहीं, pin drop silence रहा हैं। मैं आप लोगों से प्रार्थना कर रहा हूँ कि जिस ढंग से उन्होंने रखा है आप भी संयम रखें। माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी।

माननीय मुख्यमंत्री (श्री अरविंद केजरीवाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, ऐसे समय में जब भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने देश में जनतंत्र को कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आज इस सदन के अंदर जो कुछ घटनाएं घटी हैं वो शायद जनतांत्रिक मूल्यों के लिए एक बहुत बड़ा और अच्छा उदाहरण पेश करती हैं। विपक्ष

के लोगों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। जब हमारा सदन शुरु हुआ था कुछ दिन पहले, कितने दिन हो गए,.. आठ दिन हो गए, आठ दिन पहले जब शुरु हुआ था, उसी दिन इन्होंने मीडिया में अनाउंस कर दिया था कि हम No Confidence Motion लाएंगे। सब लोगों को ये लग रहा था यार ये कैसे लाएंगे, क्योंकि उसके लिए तो 14 आदमी चाहिए होते हैं इनके पास तो 8 ही हैं। तो एक पत्रकार ने इनसे पूछा, इन्होंने कहा नहीं-नहीं, हो गई है बात।

6 से और हो गई है बात। मैंने कहा पता नहीं यार कोई.. मैंने कहा यार मेरे वाले ऐसे तो नहीं है। मैंने एक-एक से, एक-एक से बात करी, बोले जी धमकियां तो बहुत आ रही हैं, ईडी के जैसे मनीष सिसोदिया का हाल करा तुम्हारा भी ऐसा हाल कर देंगे। जैसे जैन साहब का हाल करा झूठे केस लगा दिये दोनों के ऊपर, झूठे केस लगा के तुमको भी अंदर कर देंगे। किसी को 20 करोड़ किसी को 25 करोड़ पता नहीं क्या-क्या दिया लालच। तो इनको उम्मीद थी चौदह हो जायेंगे इनके लेकिन अध्यक्ष महोदय 14 तो दूर की बात है एक भी नहीं गया। हमारे टोटल 62 एमएलए हैं। आज मनीष जी और सत्येन्द्र जैन हमारे बीच नहीं हैं 60 बच गए। 60 में से राजेश गुप्ता, प्रकाश जारवाल और रोहित महरोलिया दिल्ली के बाहर गए हुए हैं 57 बच गए। एक अध्यक्ष महोदय हैं 56 बच गए, 56 यहां मौजूद हैं। इन सारी कोशिशों के, ईडी, सीबीआई 25 करोड़, 50 करोड़ इनको कुछ नहीं हिला सकता। तो इनका कल तक इनको फिर लगने लगा कि भई हमारे पास आदमी नहीं

हैं तो कल इन्होंने वो विदड्रॉकर लिया अपना 'नो कॉन्फीडेंस मोशन'। इनकी पार्टी हमारी जगह होती तो ये मीडिया में जाके नाचते–गाते, हमारा अपमान करते देखो गिर गया इनका मोशन। हम डेमोक्रेसी में यकीन करने वाले लोग हैं। मेरे दिल में आया कि ये अगर 'नो कॉन्फीडेंस मोशन' ला रहे हैं तो ये जरूर कुछ ना कुछ बात अपनी कहना चाहते हैं। इनको अपनी बात कहने का मौका मिलना चाहिए। तब मैंने कहा भई ये नो कॉन्फीडेंस नहीं ला पाये कोई बात नहीं, हैं तो अपने ही दोस्त। अपने ही लोग हैं। आज उस पार्टी में हैं कल यहां होंगे। तो आज हम ये 'कोन्फीडेंस मोशन' इसीलिए लेके आए हैं। पहली बार भारत के अन्दर ऐसा है कि No Confidence Motion इनका हार गए, ला ही नहीं पाए तब भी एक पार्टी ने वॉलनटायरली अपनी मर्जी से 'कॉन्फीडेंस मोशन' ले के आयें हैं भई कहो जो कहना है,तो आज इन्होंने कहा। हम कन्सट्रक्टिव एक वो दोहा है ना ''निन्दक नियरे राखिए'' तो हम चाहते हैं कि ये हमारे को क्रिटीसाइज करें, हम चाहते हैं कि ये हमारी कमियां निकालें, हम चाहते हैं कि ये हमारी गलतियां निकालें जिससे हम सीख सकें। अध्यक्ष महोदय सबसे पहले तो मैं आपको साधुवाद देना चाहता हूँ, मैं देख रहा था 65 मिनट का डिस्कसन हुआ है। 65 मिनट में से 35 मिनट विपक्ष को दिये गये हैं, 30 मिनट सत्तापक्ष को। हमारे 62 एमएलए इनके 8 एमएलए पूरे देश के मैंने ट्रांजेक्सन ऑफ बिजनेस रूल्स जो भी हैं विधान सभाओं के और पार्लियामेंट के वो मैंने निकलवा के पढ़े। जितने एमएलए होते हैं प्रपोर्शन में

टाइम मिलता है। टाइम इनको 60 मिनट के हिसाब से इनके 11 परसेंट लोग हैं इसके हिसाब से इनको 7 मिनट बनते थे। 7 की बजाए आपने 35 मिनट दिये इनको पांच गुना और मैं सारा बैठ के लिख रहा था कि ये क्या कह रहे हैं। मैं कह रहा हूँ अभी 2025 तो छोड़ों 2050 का चुनाव भी दिल्ली में नहीं जीत पाओगे ये ही हाल रहा तो। देखिए केवल क्रिटीसाइज करने के पॉइंट ऑफ व्यू से क्रीटीसाइज करना अच्छी बात नहीं है। कुछ ढंग की बात तो करो। कुछ जनता की बात तो करो। केवल गाली–गलोच, केजरीवाल ने ये नहीं किया, ये नहीं किया, ऐसे नहीं किया, वैसे नहीं किया, क्या यार जनता के ढंग की बात करो, अच्छी बात करो। केजरीवाल ने हजार कहा था 995 क्यों बनाए 5 क्यों नहीं बनाए, अरे बना देंगे बाकि भी बना देंगे चिन्ता क्यों करते हो। जब उतने बना दिये ये भी बना देंगे। वहां पे शुगर की दवाई नहीं मिलती। दे देंगे शुगर की दवाई भी दे देंगे। बाकि तो मिलती है। बाकि मिलती है कि नहीं मिलती। आपका पॉलीक्लीनिक मैं उद्घाटन करके आया था। मेरे को याद है आपको साथ ले के गया था मैं।.. इन्होंने 2017 में भी कोशिश करी थी। बोले हमारी सरकार गिरा देंगे। तब तक हमें लगता था ये कुछ ज्यादा ही चाणक्य होंगे, अब तो पता चल गया खोखले हैं, इनके पास कुछ नहीं है। इनके पास दिखावा ज्यादा है, शोर ज्यादा है अन्दर कुछ नहीं है। तो 2017 में कहते थे 21 एमएलए तो डिस्क्वालीफाई कर देंगे, इतनो को तोड़ लेंगे और फिर सरकार में हैं हम, बहुत दिमाग लगाते थे।

अरे 70 में से 67 हैं हमारे पास। 3 इनके पास हैं जब तक 4 रह जायेंगे मेरे पास तब भी मेरी मिजोरिटी है। 3 इनके पास 4 भी अगर मेरे पास हैं मेरी मिजोरिटी है तो ये कैसे सरकार गिरायेंगे, मेरे पल्ले के बाहर था, मेरी समझ के बाहर था। लेकिन पत्रकार आते थे, कहते थे अमित शाह लगा हुआ है और सरकार गिरा देंगे। 2017 में कोशिश कर ली, उसके बाद 2019 में कोशिश कर ली, 2020 में। अब मत करना यार थोड़ी भी अगर इज्जत बाकी है, अब मत करना। अभी मैंने देखा था तेलंगाना के अंदर नवम्बर के फर्स्ट वीक में आप लोगों ने देखा होगा। स्टिंग हुआ था वहां पे। भारतीय जनता पार्टी के तीन नेता तेलांगाना की सरकार गिराने के लिए वहां के एमएलऐज को खरीदने पहुंचे। तीन बीजेपी के नेता बैठें हैं, 4 बीआरएस के एमएलए बैठे हैं उनके साथ बातचीत हो रही है। तीन घंटे बातचीत चली। सारी रिकॉर्डिंग हो गयी। उसमें वो कह रहे हैं कि हमारे वी एल संतोष साहब मिलेंगे तुमसे, अमित शाह जी मिलेंगे तुमसे और 50-50 करोड़ ऑफर कर रहे हैं और बोले 25-25 करोड़ में हमने दिल्ली के खरीद लिये अब दिल्ली की सरकार गिरने वाली है। के.सी.आर साहब का फोन आया उसी दिन शाम को मेरे पास। अरविन्द जी मेरे पास पूरी इन्फॉर्मेशन है आपकी सरकार गिरने वाली है। मैंने कहा जी चिन्ता ना करो। ये यूं ही, यूं ही करते हैं। ये तीन साल से यूं ही करते हैं। तो वैसे रेट हमारे 25 लगा रखे हैं उनके 50 लगा रखे हैं। ये गलतकर रहे हैं।.. अब कोशिश मत करना। इसके बाद थोड़ी-सी भी शर्म हया

बची है तो अब कोशिश मत करना। ये आम आदमी पार्टी है। हम भगत सिंह के चेले हैं। फांसी पे चढ़ जाते हैं, ऐसे नहीं बिकते। फांसी पे चढ़ना मंजूर है, देश के साथ गद्दारी नहीं करेंगे। सबसे पहले तो मैं इनको सबको बधाई देना चाहता हूँ। ये एक-एक हीरा है हमारा। इनको किसी को कोई दुनिया की ताकत इनको नहीं तोड़ सकती। आज तो चलो ये सरकार गिराने नहीं चौदह ही के लिए चले थे, 14 भी क्या एक भी नहीं बिका, एक भी नहीं टूटा। तो डरोगे तो नहीं ना।.. अगर हुआ तो 7-8 महीने जेल ही जाना पड़ेगा, उससे फालतु कुछ नहीं है। मैं बड़े से बड़ा वकील दे दूंगा चिन्ता मत करना और तुम्हारे पीछे से तुम्हारे घर का ख्याल मैं रखूंगा, ठीक है। अभी मैं देख रहा हूँ कुछ दिनों से प्रधानमंत्री जी जगह-जगह एक बात बोल रहे हैं। बोले ये ईडी और सीबीआई ने सारे भ्रष्टाचारियों को एक मंच पे इक्ट्ठा कर दिया। ईडी और सीबीआई ने सारे भ्रष्टाचारियों को एक मंच पे, ये थोड़ी-सी स्टेटमेंट तो सही है, थोड़ी सी गलती है। ईडी और सीबीआई ने इस देश के सारे भ्रष्टाचारियों को एक पार्टी में इकट्ठा कर दिया। मंच पे इक्ट्ठा नहीं किया, एक पार्टी में, इनकी पार्टी मेंइक्ट्ठा कर दिया सारे भ्रष्टाचारियों को। ईडी वाले आते हैं, सीबीआई वाले आते हैं, रेड मारते हैं, यहां बंदूक रखते हैं कहते हैं बता जेल जाना है कि बीजेपी में जाना है? मनीष की ओर भी बंदूक रखी, बोले बता जेल जाना है कि बीजेपी? मनीष बोला जेल मंजूर है, बीजेपी मंजूर नहीं। मर जायेंगे लेकिन बीजेपी में नहीं जायेंगे। सत्येन्द्र जैन के यहां

बंदूक रखी बोला जेल जाना है कि बीजेपी में जाना है, बोला बीजेपी में नहीं जायेंगे हम मर जायेंगे। हेमंत विष्वशर्मा के यहां बंदूक रखी, बोला बीजेपी मंजूर है, क्यूं? उसने चोरी कर रखी थी, इन्होंने चोरी कर नहीं रखी दोनों ने। तो इनको पता है 6-7 महीने रख लेंगे उसके बाद तो बाहर आना ही है, कुछ करा ही नहीं है। इससे फालतू क्या है, बेल तो मिलनी ही है। आज नहीं मिलेगी कल मिल जायेगी, कल नहीं मिलेगी परसो मिल जायेगी। नारायण राणे के यहां बंदूक रखी, बोला जी बीजेपी में जायेंगे। वो शुभेंदु, ये जितने भी उदाहरण दे रहे थे शुभेंदु अधिकारी, मुकुल राय, यहां बंदूक रखी, उन्होंने चोरी कर रखी थी, घोटाले कर रखे थे, देश के जितने लुच्चे लफंगे, लुटेरे, डाकू, चोर हैं सारे के सारे अब एक ही पार्टी में हैं, बीजेपी में। तो समय एक जैसा नहीं रहता, समय बदलता है। आज इनकी सरकार है, आज मोदी जी प्रधानमंत्री हैं हमेशा तो नहीं रहेंगे, कल तो जायेंगे ही जायेंगे, कभी न कभी तो जायेंगे ही, उस टाईम भ्रष्टाचारमुक्त भारत होगा। कैसे? जितने चोर उचक्के हैं सारे एक ही कमरे में हैं। उनको पकड़ने में बड़ी आसानी होगी, ज्यादा जांच नहीं.. सारों को ईडी, सीबीआई दिखा के सारे देश के लुटेरों को इन्होंने अपनी पार्टी में इकट्ठा कर लिया, जिस दिन इनकी सरकार जायेगी और मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं होंगे, बीजेपी वालों को जेल में डाल दो, देश भ्रष्टाचार मुक्त हो जायेगा। अध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री जी को भगवान ने बहुत बड़ा मौका दिया था, इस देश की जनता ने बहुत बड़ा, इतना भारी मैनडेट दिया था,

वो चाहते तो इस देश की सूरत बदल सकते थे, कुछ भी कर सकते थे, वो चाहते तो इस देश को कहीं का कहीं ले जा सकते थे। क्या किया उन्होंने? देश में लूटमार, नफरत, लड़ाई, झगड़ा, आज हर आदमी डरा हुआ है देश के अंदर। सबको साथ लेके चलते हैं। जैसे हम सबको साथ लेके चल रहे हैं, हम इनको भी साथ लेके चलते हैं, सबको साथ लेके चलते हैं हम लोग, सबको साथ लेकर चलते हैं। मनीष सिसोदिया ने इतने अच्छे स्कूल बना दिये। प्रधानमंत्री जी मनीष जी को बुला के कहते मैं तेरे को देश का शिक्षामंत्री बना रहा हूं मनीष सिसोदिया, जा 10 लाख स्कूल ठीक कर दे देश के, तब बड़ी बात होती। उनको इतना बड़ा मौका दिया देश के लोगों ने कि कुछ का कुछ कर सकते थे लेकिन उन्होंने सारा मौका, आज सारे डरे हुए हैं, कल एक बड़ा इंडस्ट्रियलिस्ट आया था मेरे से मिलने के लिये, बोला जी एक एक करके, एक एक करके सब लोग इंडिया छोड़ के जा रहे हैं। सब इंडिया छोड़ के जा रहे हैं और विदेशों की सिटिजनशिप ले रहे हैं, क्यूं? क्या जरूरत पड़ गयी? बोले कभी ईडी, कभी सीबीआई, कभी इनकम टैक्स, कभी फलानां, कभी ढिमका, ऐसा डरा रखा है, सब लोगों को इन्होंने डरा रखा है, किसी को काम नहीं करने देते। न खुद काम करते न किसी को काम करने देते, किसी को जीने नहीं देते। सब लोगों को डरा के रखते हैं, ये भी डरे पड़े हैं। ऐसा नहीं कि ये, दो को छोड़ के बाकी सारी बीजेपी भी डरी पड़ी है। बाकी सबका इनका भी यही हाल है। मीडिया को डरा रखा है।

मीडिया वाले जब उलट सुलट गंदी खबरें, गलत खबरें दिखाते हैं, कई लोग गालियां देते हैं मीडिया को, मीडिया ऐसे क्यूं है, मीडिया बिका हुआ है, गोदी मीडिया है, फलानां मीडिया। मैं आप सब की जानकारी के लिये बता दूं एक एक मीडिया हाउस के मालिक के उपर चार चार ईडी के केसिज़ बना रखे हैं इन्होंने। आप भी उनकी जगह होते, आप भी यही करते। मजबूरी है उनकी। जिस दिन ये पता चल गया न मोदी जा रहा है, ये देखना ये मीडिया खा जायेगा इनको पकड़ पकड़ के। अभी मजबूरी है सबकी, सबकी मजबूरी है मीडिया वालों की, एक एक मीडिया हाउस के मालिक के उपर इन्होंने चार चार, जब मर्जी जेल में डाल दें इसको, जब मर्जी जेल में डाल दें इसको। सबको डरा रखा है इन्होंने। जजों को डरा रखा है इन्होंने। देश के सारे जज डरे पड़े हैं, सुप्रीम कोर्ट के जज डरे पड़े हैं, हाई कोर्ट के जज डरे पड़े हैं, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज डरे पड़े हैं, पत्रकार डरे पड़े हैं, रिपोर्टर डरे पड़े हैं इनसे, इंडस्ट्रियलिस्ट डरे पड़े हैं। जितनी अपोजिशन की सरकारें हैं किसी को नहीं चलने देते। हमारी पंजाब में सरकार है इस बार बजट सेशन नहीं होने दिया उनका। ये पंजाब सरकार का बजट सेशन कराने के लिये सुप्रीम कोर्ट से आदेश लाना पड़ा। फाईल जाती है न, हाउस की प्रोसिडिंग होने के लिये फाईल जाती है एलजी साहब के पास जैसे वहां गवर्नर के पास जाती है, वो तो फुल स्टेट है, गवर्नर फाईल ले के बैठ गये। एक दिन भगवंत मान जी ने कोई चिट्ठी लिखी थी गवर्नर साहब को, गवर्नर साहब को वो चिट्ठी

पसंद नहीं आई, बोले मैं फाईल नहीं साईन करूंगा बजट सेशन नहीं होगा। ये तो हद हो गयी यार। बजट सेशन नहीं होगा? ये क्या बात हुई? सुप्रीम कोर्ट में भगवंत मान को जाना पड़ा, सुप्रीम कोर्ट में आदेश ले के आये। अभी तेलंगाना सरकार सुप्रीम कोर्ट गयी हुई है बता रहे हैं 12 बिल के उपर 6 महीने से गवर्नर बैठा है, साईन नहीं कर रहा। किसी अपोजिशन की सरकार को काम नहीं करने देते ये। क्या कर रहे हैं ये लोग? ऐसे देश तरक्की करेगा? भगवान ने बहुत बड़ा मौका दिया था लेकिन इन्होंने पूरा मौका गवां दिया। मेरी अंत में इनसे यही गुजारिश है कि ये कांफिडेंस, नो कांफिडेंस, कांफिडेंस, नो कांफिडेंस अब ये खेल खत्म करो यार। ट्राई करके देख लिया नहीं बिकने वाले ये लोग। अब ट्राई मत करके देखना, ये लोग नहीं बिकने वाले। अभी 62 हैं हम लोग उसके बाद 2025 के बाद मैं उम्मीद करता हूं वापिस 67 हो जायेंगे हम लोग। और मैं इसका समर्थन करता हूं।

माननीय अध्यक्ष: अब श्री अरविंद केजरीवाल जी माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत विश्वास प्रस्ताव सदन के सामने है –

जो इसके पक्ष में हैं वो हां कहें

जो इसके विरोध में हैं न कहें

(सदस्यों के हां कहने पर)

हां पक्ष जीता, हां पक्ष जीता

प्रस्ताव पारित हुआ।

कुछ मैं 5-7 मिनट और सदन के लूंगा। एक विशेष जानकारी दे रहा हूं दिल्ली विधान सभा ने प्रश्नकाल से संबंधित अति आवश्यक डेटा को अपनी वेबसाईट पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया। माननीय विधायकों, शोधकर्ताओं, मीडिया और बड़े पैमाने पर जनता के लाभ के लिये इस डेटा को व्यापक तरीके से सरलतापूर्वक उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। अब तक दिल्ली विधान सभा में प्रश्नकाल से संबंधित डेटा केवल वर्ष 2015 से ही उपलब्ध था, इसे एक्सेस करना मुश्किल था। दिल्ली विधान सभा अनुसंधान केंद्र डीआरसी के फेलो आशीष कुमार, यामिनी सक्सेना, सिद्धार्थ सिंह, मंजेश राणा और अन्य ने उप सचिव श्री सदानंद साह के निर्देशन में इस परियोजना पर कार्य किया और पहले से आसान तरीके से अधिकतम डेटा उपलब्ध करवाने का प्रयास किया। नये प्रारूप के तहत वर्ष 2008 से लगभग 10 हजार तारांकित और अतारांकित प्रश्न शामिल हैं, कोई भी व्यक्ति, विधायक डेटा के माध्यम से ब्राउज़ कर सकता है और प्रासंगिक जानकारी प्राप्त कर सकता है। साथ ही विधायक का नाम, विधान सभा क्षेत्र, सत्र संख्या, विभाग, विषय आदि का उपयोग करके जानकारी को आसानी से फिल्टर किया जा सकता है। पूछे गये सभी प्रश्नों के संक्षिप्त विवरण के साथ संबंधित प्रश्न की मूल प्रति भी लिंक के रूप में संलग्न की गयी है ताकि कोई भी इसके बारे में विस्तार से जान सके। मैं इस कार्य के लिये दिल्ली विधान सभा अनुसंधान केंद्र के फेलोज़ को हार्दिक बधाई देता हूं।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः नहीं दुर्गेश जी दावत दें तभी तो करवाउं। एक दिन का लंच तो बोलें। चलिये दुर्गेश जी का विवाह हुआ है सदन उनको बहुत बहुत शुभ कामनायें देता है बधाई।

माननीय सदस्य गण एक बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दे रहा हूं। यह बार बार बताया गया है कि कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करना विधानसभा का प्राथमिक उत्तरदायित्व है। सरकार विधान मंडल के प्रति जवाबदेह है और माननीय उपराज्यपाल को विधानसभा के काम काज में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। इसके अलावा विधानसभा का विषय 'राज्य का विषय' 'स्टेट सब्जैक्ट' है और उपराज्यपाल इन मामलों में केवल मंत्री परिषद की सहायता और सलाह पर ही कार्य कर सकते हैं। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ अधिकारी अपने संबंधित मंत्री की जानकारी के बिना उपराज्यपाल के अवैध और असंवैधानिक निर्देशों पर काम कर रहे हैं जबकि मंत्री वास्तव में विधानसभा के प्रति जवाबदेह है। जैसा कि आप जानते होंगे पिछले कुछ वर्षो से विधानसभा और इसकी समितियों को सरकार के इन अधिकारियों द्वारा समिति के समक्ष उपस्थित होने या विधानसभा और उसकी समितियों को जानकारी प्रदान करने के मामले में असहयोग का सामना करना पड़ रहा है। मुझे यकीन है कि वे माननीय उपराज्यपाल कार्यालय से सक्रिय लेकिन अवैध और असंवैधानिक समर्थन और संरक्षण प्राप्त कर रहे हैं। माननीय सदस्यों को याद होगा कि 19 मार्च 2018 को

उपराज्यपाल महोदय ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि आरक्षित विषयों यानि लोक व्यवस्था, पुलिस, भूमि पर प्रश्नों को विधानसभा में स्वीकार नहीं किया जा सकता। मैंने इस विषय पर 26 मार्च 2018 को सदन की बैठक में वैधानिक प्रावधानों और पूर्ण उदाहरणों के आधार पर अपनी व्यवस्था दी थी और ये निणर्य लिया गया था कि ऐसे मुददों को विशेषाधिकार समिति के पास भेजा जाएगा। मेरे इस आदेश के बावजूद भी इन विभागों ने विधानसभा को जानकारी देने से इंकार करना जारी रखा। ये मामले विशेषाधिकार समिति के समक्ष विचाराधीन है। अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार संशोधन अधिनियम 2021 लागू होने के बाद फिर से उपराज्यपाल कार्यालय ने सरकारी विभागों को निर्देष दिया है कि वे विधान सभा को जानकारी ना दें। पत्र दिनांक 08 फरवरी, 2023 के माध्यम से उपराज्यपाल के Principal Secretary ने Chief Secretary, दिल्ली सरकार को लिखा कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 की धारा 33 से विचलन (Deviations) पर एक तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। Chief Secretary की तरफ से सामान्य प्रषासन विभाग (GAD) ने विधानसभा सचिव और सभी विभागों से कमअपंजपवदे के उदाहरणों पर रिपोर्ट लेने के लिए पत्र लिखा। सरल शब्दों में, उपराज्यपाल चाहते थे कि अधिकारी समितियों की बैठक में शामिल ना हों और संशोधित धारा–33 की आड़ में समितियों द्वारा मांगी गई कोई भी जानकारी प्रदान ना करें। विधानसभा सचिवालय ने अपने पत्र दिनांक 21 फरवरी, 2023 के माध्यम से

सामान्य प्रषासन विभाग (GAD) को उत्तर दिया और उन्हें सूचित किया कि अध्यक्ष, विधानसभा और इसकी समितियों के संबंध में सर्वोच्च पदाधिकारी हैं और पूरा मामला विधानसभा के कामकाज में हस्तक्षेप करने का प्रयास प्रतीत होता है क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार अधिनियम के प्रावधानों से कोई deviation नहीं किया गया था। इस पत्र के बावजूद कुछ अधिकारी समिति की बैठकों से अनुपस्थित रहे। इन अधिकारियों के लिए किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए और विधानसभा और इसकी समिति के कामकाज के बारे में उन्हें संवेदनषील बनाने के लिए, मैंने समितियों के माननीय सभापतियों, मुख्य सचिव, दिल्ली के साथ दिनांक 06 मार्च, 2023 को बैठक की। बैठक में Additional Chief Secretary (GAD) और Principal Secretary (Law Department) ने भाग लिया। अधिकारियों को संवैधानिक और वैधानिक प्रावधानों के साथ-साथ विधानसभा और इसकी समितियों के कामकाज के बारे में संसदीय परम्पराओं के बारे में बताया गया। यह भी दोहराया गया कि किसी भी परिस्थिति में विधानसभा और उसकी समितियों द्वारा बुलाया गया कोई अधिकारी स्वयं अनुपस्थित नहीं हो सकता और यह भी बताया गया कि विधानसभा या उसकी समितियों को कोई सूचना देने से मना नहीं किया जा सकता है। Chief Secretary ने कहा कि उनकी ओर से Principal Secretary (Law Department) राय देंगे।

Principal Secretary (Law Department) ने अपने पत्र दिनांक 23 मार्च, 2023 के ये बहुत महत्वपूर्ण है, तहत इस मुद्दे पर अपनी राय

दी है। मैं इस मामले पर उनकी निश्पक्ष सलाह के लिए Law Department की सराहना करता हूं क्योंकि उन्होंने स्वीकार किया है कि अध्यक्ष इन मामलों में Final Authority हैं। Principal Secretary (Law Department) की राय और संवैधानिक प्रावधानों, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 के प्रावधानों और लोकसभा में अपनाई जा रही प्रथा के आधार पर विचार करने के बाद, मैं निम्नलिखित निर्णय देता हूं:

विधानसभा द्वारा प्रश्नों आदि के रूप में या इसकी समितियों द्वारा मांगी गई किसी भी जानकारी, दस्तावेज को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर या यदि सूचना का प्रकटीकरण राज्य की सुरक्षा या हितों के प्रतिकूल होगा, ऐसे मामलों को छोड़कर इंकार नहीं किया जाएगा। यदि किसी विभाग को सूचना, दस्तावेज उपलब्ध कराने में कोई आपत्ति है तो मामले को संबंधित मंत्री के संज्ञान में लाएगा, जो इसे अध्यक्ष के समक्ष रखेंगे। इस मामले में अध्यक्ष का फैसला अंतिम होगा। अध्यक्ष की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी अधिकारी समिति की बैठक में अनुपस्थित नहीं होगा।

सभी माननीय मंत्रियों से अनुरोध करता हूं कि वे अपने विभागों के अधिकारियों द्वारा इसकी अनुपालना सुनिश्चित करें। इन निर्देशों की किसी भी अवज्ञा के मामले को आगामी आवष्यक कार्रवाई के लिए विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया जाएगा।

मैं विधानसभा सचिव से अनुरोध करता हूं कि इस फैसले की एक प्रति और संबंधित दस्तावेजों को माननीय सदस्यों के साथ साझा करें और मैं चाहता हूं इसकी एक कॉपी सीएस को भी भेज दी जाए।

सदन को अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित करने से पहले मैं सदन के नेता एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविन्द केजरीवाल जी, सभी मंत्रीगण, माननीय नेता, प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी तथा सदन के सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ।

इसके अलावा बजट सत्र के संचालन में सहयोग देने के लिए विधान सभा सचिवालय तथा दिल्ली सरकार के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न विभागों और सुरक्षा एजेंसी तथा मीडिया का भी धन्यवाद करता हूँ और मैं एलजी महोदय का भी बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। अब मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि वे राश्ट्र गान के लिए खड़े हों।

राष्ट्र गान: जन-गण-मन

माननीय अध्यक्ष: अब सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित की जाती है। आप सबका बहुत-बहुत आभार, बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित की गई।)

...समाप्त...

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।